आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:20 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 1 जुलाई 2025
वर्ष 5, अंक 130, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

भोपाल गैस त्रासदी का काला अध्याय खत्म 14

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण 12

पशुओं के कल्याण की भावना से कार्य करें : मुर्मू

राष्ट्रपति ने आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में 576 विद्यार्थियों को प्रदान कीं मेडल और उपाधियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित 11वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में जो भी कार्य करें, उस समय मन में बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना होनी चाहिए। पशु और मानव का रिश्ता परिवार का है। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकते। पशु हमारे जीवन का धन हैं। हमारी संस्कृति सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। राष्ट्रपति ने गांवों में घरेलू पशु नहीं दिखने को लेकर चिंता व्यक्त की।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने 2021 से 2024 के बीच के स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी के 576 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने आगाह किया कि उपभोग आधारित संस्कृति मानव, जीव-जंतुओं व पर्यावरण को अकल्पनीय क्षति पहुंचा सकती है। राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज गांवों में घरेलू पशु नहीं दिखते हैं। यह पशु खेती में सहयोग करते हैं। टेक्नोलॉजी युग तो आया, लेकिन जमीन में खेती के साथी केंचुआ आदि समाप्त हो रहे हैं। इससे जमीन बंजर हो रही है। जमीन की उर्वरता बचाने के लिए किसानों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों व आमजन को सोचना चाहिए। पशु संपदा का संरक्षण व विकास हमारा कर्तव्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि कॅरियर के रूप में आपने निरीह व बेजुबान पशुओं की चिकित्सा व कल्याण के क्षेत्र को चुना है।

हमें अपनी परंपरा और अवधारणा का अनुसरण करते हुए पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। ईश्वर ने मनुष्य को सोचने-समझने की जो शक्ति दी है उसका उपयोग जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी आदि मौजूद रहे।

आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में एक छात्रा को उपाधि प्रदान करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार व अन्य लोग। ● अमृत विचार

136 वर्ष का हो गया भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान

576 विभिन्न कोर्सों के विद्यार्थियों को 11वें दीक्षांत समारोह में दी गई उपाधि

35 साल बाद दूसरी बार राष्ट्रपति के हाथों छात्रों की मिलीं उपाधि और मेडल

जीवन रक्षक सेवा केंद्र बना आईवीआरआई : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में शोधकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। यहां के वैज्ञानिक उस मूक प्राणी की आवाज बनते हैं जिसे दुनिया सुन नहीं पाती है। आप सभी की शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। योगी ने कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। कोरोना के दौरान जब आरटी-पीसीआर जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने प्रदेश सरकार के साथ मिलकर 2 लाख से अधिक कोविड जांच करवाई। इस संस्थान की प्रतिबद्धता यह दिखाती है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है।

भारत की चिकित्सा क्षमता का प्रतीक है एम्स : राष्ट्रपति

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि एम्स भारत की चिकित्सा क्षमता का प्रतीक है। यहां हर मरीज को उम्मीद की नई किरण दिखाई देती है। राष्ट्रपति ने डॉक्टरों की तुलना पीड़ित के लिए भगवान से करते हुए विद्यार्थियों को संवेदनशील बनने की सीख दी। कहा कि एक संवेदनशील डॉक्टर न केवल दवा, बल्कि अपने व्यवहार से भी मरीज को जल्द ठीक करने में मदद करता है। सहानुभूतिपूर्ण देखभाल से मरीज की हालत में तेजी से सुधार होता है। चिकित्सा एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि सेवा है। राष्ट्रपति सोमवार को गोरखपुर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल प्रदान किया।

मतदाता सूची की समय समय पर समीक्षा जरूरी

● विपक्षी दलों के आरोप पर बोला- निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत है क्योंकि ये कई कारणों से बदलती रहती हैं और संविधान में प्रावधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो नहीं हैं, वो वोट नहीं दे सकें। आयोग ने यह टिप्पणी उस वक्त की है, जब कई विपक्षी दलों ने कहा है कि गहन पुनरीक्षण के कारण राज्य मशीनरी का उपयोग करके बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा है।

आयोग ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है क्योंकि यह निरंतर बदलाव से गुजरने वाली सूची होती है जो मौतों, प्रवासन के कारण लोगों के स्थानांतरण और 18 वर्ष के नए मतदाताओं के जुड़ने के कारण बदलती रहती है। बयान में कहा गया है, इसके अलावा, संविधान का अनुच्छेद 326 निर्वाचक बनने के लिए पात्रता निर्दिष्ट करता है। केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के निवासी ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण शामिल है। इसका उपयोग 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फॉर्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में कर सकते हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची की उपलब्धता के कारण राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा।

एक नजर

यूपी में आज से खुलेंगे स्कूल-कॉलेज

लखनऊ। परिषदीय स्कूलों के साथ ही राज्य में आज से सभी विद्यालय खुल जाएंगे। परिषदीय स्कूलों में छात्र-छात्राओं का स्वागत रोली-चंदन और माला पहनाकर होगा। इसी के साथ ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण एक से 15 जुलाई तक चलेगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा है कि समस्त परिषदीय विद्यालयों को स्वच्छ, सुंदर और उत्सवमय रूप में सजाया जाएगा।

पांच फीसदी महंगी हुई प्राकृतिक गैस

नई दिल्ली। वाहन के लिए सीएनजी और खाना पकाने के लिए पीएनजी बनाने में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत जुलाई के लिए पांच प्रतिशत बढ़ाई गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम नियोजन और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार, मासिक संशोधन के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा संचालित पुराने क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमत 6.41 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 6.75 अमेरिकी डॉलर प्रति इकाई कर दी गई है।

13 किग्रा हेरोइन, हथियार बरामद, तीन गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब सरकार के नशा विरोधी अभियान 'युद्ध नशिया विरुद्ध' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। पुलिस आयुक्त धनप्रीत कौर ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 13.1 किलोग्राम हेरोइन, पांच पिस्तौल, 12 कारतूस, तीन मैगजीन, तीन लग्जरी वाहन और 22,000 रुपये ड्रग मनी बरामद की है।

आरक्षण मामले में विस्तृत जवाब दे सरकार : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

● राज्य आंदोलनकारियों से जुड़े मामले में अब दो जुलाई को सुनवाई

अमृत विचार : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में सुनवाई करते हुए सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। इस मामले में अब सुनवाई के लिए दो जुलाई की तिथि नियत की गई है।

भुवन सिंह व अन्य की तरफ से दायर जनहित याचिका में कहा गया कि कि सरकार राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी नौकरी में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दे रही है। सरकार ने इसके लिए कानून बनाया जो असंवैधानिक है। हाईकोर्ट वर्ष 2017 में सरकार की आरक्षण नीति को पहले ही खारिज और राज्य आंदोलनकारियों को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर चुकी है। इसके बाद सरकार कानून बनाकर आंदोलनकारियों को क्षैतिज आरक्षण दे रही है। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि इनको पेंशन व आरक्षण देने के लिए प्रशासन ने विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। सरकार द्वारा चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों को पेंशन भी दी जा रही है। जिनका कोई नहीं था, उनके परिजनों को मृत आश्रित कोटे से आरक्षण देने की मंशा सरकार की है लेकिन उन्हें चिन्हित करना आवश्यक है इसलिए समय दिया जाए जिस पर खंडपीठ ने सरकार से विस्तृत जवाब पेश करने को कहा है।

जीएसटी संग्रह 5 साल में 22.08 लाख करोड़ पर

● वित्त वर्ष 2020-21 में था 11.37 लाख करोड़ रुपये संग्रह

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपये था।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार सकल जीएसटी संग्रह 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के अपने उच्चतम स्तर को छू गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में औसत मासिक संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपये और 2021-22 में 1.51 लाख करोड़ रुपये था।

जीएसटी के आठ वर्षों पर एक सरकारी बयान में कहा गया कि इसके लागू होने के बाद से, माल और सेवा कर ने राजस्व संग्रह और कर आधार बढ़ाने में मजबूत वृद्धि दिखाई है।

राज्य में बारिश का दौर जारी, चारधाम यात्रा बहाल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● संभावित आपदा से निपटने को पूरे प्रदेश में हुई मॉक ड्रिल

अमृत विचार : राज्य में रेड अलर्ट के बीच कहीं मध्यम तो कहीं तेज वर्षा का दौर जारी रहा। बारिश के चलते सोमवार को प्रदेश में 100 से ज्यादा मार्गों के बाधित होने पर उन्हें युद्ध स्तर पर खोलने का काम जारी रहा। वहीं, चारधाम यात्रा पर रविवार से 24 घंटे के लिए लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया गया। आयुक्त गढ़वाल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में मौसम की स्थिति के आधार पर वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर बाढ़ तथा जलभराव से सबसे अधिक प्रभावित रहने वाले राज्य के पांच जनपदों में सोमवार को मॉक ड्रिल की गई। मानसून अवधि में घटित होने वाली विभिन्न आपदाओं का बेहतर तरीके से सामना करने, राहत और बचाव कार्यों को सुगमता तथा प्रभावी तरीके से संचालित करने, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से यह मॉक ड्रिल हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल, देहरादून तथा चम्पावत जनपद में 23 स्थानों पर आयोजित की गई। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित इस मॉक ड्रिल की राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से निगरानी की गई। वहीं, जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों में स्वयं जिलाधिकारियों ने उपस्थित रहकर रिस्पांसिबल ऑफिसर के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए मॉक ड्रिल का संचालन किया। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि सभी जनपदों में मॉक ड्रिल का बहुत बेहतर समन्वय के साथ गंभीरता से अभ्यास किया गया। जनपद स्तर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की तत्परता और संपूर्ण सहभागिता के कारण रियल टाइम मॉक ड्रिल में सफलता प्राप्त हुई।

नैनीताल जिले में मॉक ड्रिल के दौरान नाले से घायल को निकालते आपदा प्रबंधन कर्मी।

तेलंगाना में दवा फैक्ट्री में विस्फोट से 13 लोगों की मौत, 34 घायल

संगारेड्डी (तेलंगाना), एजेंसी

● संगारेड्डी जिले में हुआ हादसा, केमिकल रिएक्शन को माना जा रहा वजह

● सुबह 9.28 से 9.35 बजे के बीच हुआ विस्फोट, मौजूद थे 150 कामगार

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार को एक दवा उत्पादन संयंत्र में संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई और 34 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार विस्फोट पशम्यलारम औद्योगिक क्षेत्र में सिगाची दवा कंपनी के संयंत्र के एक रिएक्टर में संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया (केमिकल रिएक्शन) के कारण हुआ। विस्फोट के कारण वहां आग भी लग गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया है।

पुलिस महानिरीक्षक (मल्टी जोन) वी. सत्यनारायण ने फैक्ट्री सूत्रों के हवाले से बताया कि विस्फोट के समय फैक्ट्री में 150 लोग थे जबकि उस क्षेत्र में करीब 90 लोग थे जहां विस्फोट हुआ है। उन्होंने बताया कि विस्फोट सुबह 9.28 से 9.35 बजे के बीच हुआ।

कंपनी प्रबंधन ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसने दमकल विभाग को सूचित किया। उन्होंने बताया कि करीब 10 अग्निशमन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के कर्मी भी बचाव अभियान में लगे हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। करीब 10 श्रमिक एक कमरे में फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि विस्फोट के समय कितने श्रमिक काम कर रहे थे, उन्होंने कहा कि सटीक संख्या का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि श्रमिकों का विवरण रखने वाले व्यक्ति की मृत्यु हो गई है।

विस्फोट के बाद घटनास्थल पर राहत कार्य में जुटे बचावकर्मी।

पीएम ने जताया दुख, दो-दो लाख देने की घोषणा

प्रधानमंत्री मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

कुछ शवों के डीएनए मिलान की जरूरत

हैदराबाद। पशम्यलारम औद्योगिक क्षेत्र में सिगाची दवा कंपनी के संयंत्र में हुए विस्फोट और आग दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान के लिए आधा दर्जन शवों का डीएनए मिलान किया जाना चाहिए। पाटनचेरू के तहसीलदार ए रंगा राव ने बताया कि अभी तक केवल तीन शवों की पहचान हो पाई है तथा छह शव इतना अधिक जल चुके हैं कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है, जबकि तीन अन्य को मलबे से निकाले जाने का इंतजार है। पहचान के लिए छह शवों के डीएनए मिलान की जरूरत है।

अमरनाथ यात्रा : आज से ऑफलाइन पंजीकरण

जम्मू, एजेंसी

● यात्रा 3 जुलाई से होगी शुरू टोकन के लिए लगी कतार

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मंगलवार से ऑफलाइन पंजीकरण भी शुरू होगा। इसके लिए यहां टोकन वितरण केंद्र सोमवार को चालू कर दिया गया। 38 दिवसीय वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। यह यात्रा दो मार्गों से संपन्न होगी।

तीर्थयात्री अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग तथा गांदरबल जिले में छोटे, लेकिन अधिक खड़े ढलान वाले 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक जा सकते हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा। अधिकारियों ने सोमवार को जम्मू के सरस्वती धाम में टोकन वितरण केंद्र खोला, बारिश के बावजूद पंजीकरण के वास्ते टोकन लेने के लिए केंद्र पर श्रद्धालु उमड़ पड़े। लंबी कतारें लग गईं। जम्मू (दक्षिण) के एसडीएम मनु हंसा ने यहां बताया कि आज से टोकन वितरण शुरू हो गया है। सरस्वती धाम में एक टोकन केंद्र बनाया है। टोकन लेने के बाद मंगलवार को पंजीकरण करा सकते हैं।

महेंद्र भट्ट का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनना तय

देहरादून। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में सोमवार को उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव एवं राष्ट्रीय परिषद में नामांकन की प्रक्रिया संपन्न हुई। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट का अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकन हुआ। मुख्य प्रस्तावक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत पार्टी के सभी पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद रहे। आज होने वाली प्रांतीय बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक की मौजूदगी में सभी नामों का औपचारिक अनुमोदन किया जाएगा। इस तरह महेंद्र भट्ट का दोबारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। **विस्तृत पेज-2**

चम्पावत बनेगा मॉडल जिला, सीएम ने किया डैशबोर्ड का शुभारंभ

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अंतरिक्ष सम्मेलन दिखाएगा उत्तराखंड को स्पेस टेक्नोलॉजी फ्रेंडली स्टेट बनाने की दिशा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार विज्ञान और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। प्रदेश में साइंस सिटी, साइंस एवं इनोवेशन सेंटर, एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन व अन्य अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना पर कार्य तेजी से चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने चम्पावत को मॉडल जिला बनाने के लिए भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा विकसित डैशबोर्ड का शुभारंभ करने के साथ इसरो द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया।

सोमवार को मुख्य सेवक सदन में विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए हिमालयीय राज्यों के परिप्रेक्ष्य में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग विषय पर अन्तरिक्ष सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत@2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुसंधान तक सीमित न रहकर संचार, कृषि, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन उत्तराखंड को ''स्पेस टेक्नोलॉजी फ्रेंडली स्टेट'' बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और प्रदेश के सतत विकास में सहयोगी सिद्ध होगा। सीएम ने कहा कि, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का मिशन गगनयान एवं भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा।

सम्मेलन में चर्चा करते मुख्यमंत्री धामी, इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन एवं अधिकारी।

लक्ष्य: 2030 तक अपना स्पेस स्टेशन होगा

देहरादून। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने भरोसा जताते हुए कहा कि, एक समय था जब हमारे रॉकेट साइकिल से ले जाए जाते थे, पर आज भारत ने कई विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2030 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने और वर्ष 2040 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने का है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत अवश्य बनेगा। **विस्तृत पेज-2**

2030 तक अपना स्पेस स्टेशन होगा: इसरो चेयरमैन

इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने अंतरिक्ष सम्मेलन में जताया विश्वास, कहा- कभी हमारे रॉकेट साइकिल से ले जाए जाते थे

- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग सम्मेलन को किया संबोधित
- 2047 तक विकसित भारत बनने का जताया भरोसा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : एक समय था जब हमारे रॉकेट साइकिल से ले जाए जाते थे, पर आज भारत ने कई विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2030 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने और वर्ष 2040 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत अवश्य बनेगा। यह भरोसा भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने जताया है।

डॉ. नारायणन ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग अन्तरिक्ष सम्मेलन-2025 को बतौर विशेष अतिथि संबोधित किया। कहा कि, हमने दुनिया में सबसे पहले चंद्रमा पर पानी के अणु की मौजूदगी का पता लगाया है।

भारत पहला देश है, जिसने चंद्रमा के साउथ पोल पर पहली बार लैंड किया है। भारत, आदित्य एल-1 मिशन के साथ सूर्य का अध्ययन करने वाला चौथा देश बन गया है। भारत ने पहले प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश किया था और मंगल ग्रह की कक्षा में उपग्रह भेजने वाला चौथा देश है।

अंतरिक्ष सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते सीएम धामी, इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन, डॉ. प्रकाश चौहान व सीएस आंनद बर्द्धन।

100 से ज्यादा रॉकेट लॉन्च, 131 सेटेलाइट

इसरो चेयरमैन ने कहा कि वर्ष 1963 में भारत ने पहला रॉकेट लॉन्च किया था। अब तक 100 से अधिक रॉकेट लॉन्च किए हैं। साल 1975 तक हमारे पास अपने कोई सेटेलाइट नहीं थे, लेकिन अब भारत के पास अपने 131 सेटेलाइट हैं। हर जगह सेटेलाइट बड़े पैमाने पर मददगार साबित हो रहे हैं। इसरो द्वारा ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम पर कार्य किया जा रहा है। उस रॉकेट पर काम हो रहे हैं, जो पृथ्वी की लोवर ऑर्बिट पर 75 हजार किलो तक के सेटेलाइट को लॉन्च करेगा।

जीवन में हर समय अंतरिक्ष डाटा का प्रयोग

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने कहा कि आज हमारे जीवन में हर समय अंतरिक्ष डाटा का प्रयोग हो रहा है। अंतरिक्ष में सेटेलाइट हमें जीपीएस नेविगेशन के साथ कई तरह के अपडेट देते हैं। उत्तराखंड में हमने पशुधन का डाटा ऑनलाइन किया था। ऋषिगंगा, चमोली आपदा के दौरान हमने सेटेलाइट के माध्यम से मैपिंग की और डाटा तैयार किया, जिसका प्रयोग बाद में राष्ट्रीय नीति में भी किया गया। पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट में इस डाटा का इस्तेमाल किया गया। अर्थ ऑब्जर्वेशन, सेटेलाइट संवाद एवं सेटेलाइट नेविगेशन ने पूरी तरह से हमारे जीवन को बदलने का काम किया है। उत्तराखंड में आपदाओं के दौरान मैपिंग, वन संरक्षण एवं वनाग्नि की मैपिंग के क्षेत्र में सेटेलाइट डेटा का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्लेशियर लेक की मॉनिटरिंग, बाढ़, बादल फटने जैसी घटनाओं के पूर्वानुमान का भी काम किया जा रहा है।

सीएस बर्द्धन ने यह किया अनुरोध

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि उत्तराखंड में अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी को अपनाने और इसके लिए स्थायी वैज्ञानिक अधोसंरचना को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्य सचिव ने इसरो से राज्य के कुछ साइंस सेंटर को गोद लेने तथा कार्टोसैट के 50 सेमी या इस तरह के रिजोल्सयूशन की उपलब्ध इमेजरी को रिलय टाइम व गैर व्यावसायिक आधार पर राज्य को उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, नितेश झा, महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत एवं वैज्ञानिक मौजूद रहे।

नवीनतम तकनीक और एआई का प्रयोग करें

- मुख्य सचिव ने बैठक में यूपीसीएल को दिए निर्देश

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को यूपीसीएल की अगली बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्ययोजना प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने यूपीसीएल को अगले 3 से 5 वर्षों की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देशों के साथ कहा कि कारपोरेशन के विभिन्न प्रकार के कार्यों में आधुनिकतम तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग किया जाए। उन्होंने खराब ट्रांसफॉर्मर को बदलने का रिस्पॉन्स टाइम लगातार कम करने, सीएम हेल्पलाइन एवं 1905 पर बिजली के खम्बे टूटे अथवा टेढ़े होने के साथ ही लटकी तारों की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करने और प्रदेश भर में झुके हुए विद्युत खम्बों एवं लटकी तारों को मिशन मोड में तत्काल सर्वे कराकर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने बताया कि पिछले तीन सालों की कॉमर्शियल परफॉर्मेंस में उत्तराखंड की इनपुट एनर्जी में बढ़ोत्तरी हुयी है। डिस्ट्रीब्यूशन लॉस में लगातार कमी आ रही है। बिलिंग दक्षता बढ़ने के साथ ही बिल संग्रहण में सुधार हुआ है। पर्वतीय एवं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखंड का एग्रीगेट टेक्नीकल एंड कॉमर्शियल लॉसेज (एटीएंडसी) राष्ट्रीय औसत से बेहतर है और उत्तराखंड से बेहतर सिर्फ पंजाब हरियाणा एवं हिमाचल का है।

मुख्य सचिव ने कहा कि संचालन एवं रखरखाव व्यय को कम किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए थर्ड पार्टी विश्लेषकों द्वारा विश्लेषण कराया जाए। उन्होंने कार्पोरेशन द्वारा डिस्ट्रीब्यूशन लॉस को घटाए जाने के लिए लगातार सुधार कार्य किए जाने की बात भी कही। उन्होंने एग्रीगेट टेक्नीकल एंड कमर्शियल लॉसेज (एटीएंडसी) को भी लगातार कम किए जाने पर जोर दिया।

कपकोट व थराली सीएचसी का अब होगा उच्चीकरण

- दोनों चिकित्सा इकाईयों को बनाया जाएगा उप जिला चिकित्सालय

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : सूबे में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देते हुये राज्य सरकार ने दो और चिकित्सा इकाईयों के उच्चीकरण को मंजूरी दे दी है। जिसके तहत बागेश्वर जनपद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कपकोट तथा चमोली जनपद में सीएचसी थराली को उच्चीकृत कर उप जिला चिकित्सालय बनाया जायेगा। इन दोनों चिकित्सा इकाईयों के उच्चीकरण से स्थानीय लोगों, पर्यटकों एवं चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

कपकोट का उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकरण होने से

डॉ. धन सिंह रावत।

स्थानीय लोगों के अलावा पिथौरागढ़ जनपद के सीमावर्ती गांवों को भी इसका लाभ मिलेगा। सीएचसी थराली को उप जिला अस्पताल में उच्चीकृत कर इसे नवीन स्थान कुलसारी में स्थापित किया जायेगा। चमोली जनपद के तीन विकासखण्डों थराली, देवाल एवं नारायणबगड़ को सीधा लाभ पहुंचेगा। चार धाम यात्रा के लगभग दो लाख तीर्थ यात्री को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया हो सकेगी। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का कहना है कि सीएचसी कपकोट व थराली के उच्चीकरण को मंजूरी दे दी है।

राजकीय भूमि बेचने संबंधी याचिका पर 14 को सुनवाई

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने हल्द्वानी में भूमाफियाओं द्वारा रेलवे, नजूल भूमि सहित वन भूमि को खुर्दबुर्द कर दस व सौ रुपये के स्टाम्प पर बेचे जाने के आरोपों संबंधी हितेश पांडे की याचिका पर सुनवाई की। खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 14 जुलाई की तिथि नियत की है। सोमवार को मामले में याचिकाकर्ता की तरफ से शीघ्र सुनवाई हेतु प्रार्थनापत्र पेश किया गया, जिसमें दावा किया गया कि अभी भी दस व सौ रुपये के स्टाम्प पर नजूल, वन एवं रेलवे की भूमि को बेचा जा रहा है। एक वर्ष बीत गया है लेकिन सरकार ने जवाब पेश नहीं किया। सरकार की तरफ से कहा गया कि इससे सम्बंधित रेलवे भूमि पर अतिक्रमण का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

हाईकोर्ट में होटलों पर सुनवाई, पीसीबी से रिपोर्ट तलब

- मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने की सुनवाई, अब 11 जुलाई नियत

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने नैनीताल के होटलों से जुड़ी कई याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करते हुए पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीसीबी) को अगली तिथि तक अलग-अलग रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई के लिए नियत की गई है।

सुनवाई के दौरान पीसीबी की तरफ से कहा गया कि होटल संचालकों द्वारा पीसीबी व एनजीटी के नियमों का अनुपालन नहीं किया गया। जांच करने पर कई तरह की खामियां पाई गईं। उसके बाद इन पर पर्यावरण को हुई क्षति के अनुसार जुर्माना लगाया गया। पीसीबी व एनजीटी द्वारा नैनीताल ही नहीं, प्रदेश के अन्य होटलों को भी इसका उल्लंघन करने पर नोटिस दिया गया, जिनके होटल बिना पीसीबी के अनुमति के चल रहे हैं। इनमें पीसीबी ने नैनीताल में 16 होटलों को नोटिस दिया है। जिनमें से 4 होटल स्वामियों ने ही उस राशि को जमा कर अपनी लाइनें दुरुस्त की हैं। जिस पर कोर्ट ने पीसीबी से कहा कि जितने होटलों को नोटिस दिया है, उनकी क्षमता के अनुसार उनका ब्यौरा अलग-अलग रिपोर्ट बनाकर कोर्ट में पेश करें। सुनवाई पर होटल स्वामियों की तरफ से कहा गया कि उनके द्वारा पीसीबी व एनजीटी के नियमों का अनुपालन किया गया है। उनके होटलों के सीवरेज का पानी नालों में नहीं डाला जा रहा है जबकि वे सीवरेज लाइनों से जुड़े हुए हैं। किसी तरह के नियमों का उल्लंघन उनके द्वारा नहीं किया गया है इसलिए उनका जुर्माना माफ किया जाए।

चायबाग जमीन की खरीद फरोख्त पर रोक जारी

नैनीताल, अमृत विचार : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने देहरादून में चायबाग की जमीन की खरीद फरोख्त के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पूर्व में लगी रोक को जारी रखते हुए सरकार से जवाब पेश करने को कहा है। विकेश सिंह नेगी ने याचिका में सरकार में निहित जमीन को खुर्दबुर्द करने का आरोप लगाया। कहा कि राजा चंद्र बहादुर सिंह की जमीन जो सरप्लस लैंड है, उसे वर्ष 1960 में सरकार में निहित किया जाना था लेकिन लाडपुर, नथनपुर, रायपुर समेत अन्य जमीन को भूमाफियाओं द्वारा बेचा जा रहा है।

सचिवालय में अवैध नियुक्तियों पर सुनवाई

नैनीताल, अमृत विचार : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने विधानसभा सचिवालय में अवैध नियक्तियों के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता अभिनव थापर एवं बैजनाथ की तरफ से कहा गया कि इस मामले में कई बार सुनवाई हो चुकी है। राज्य सरकार हटाए गए कर्मचारियों से वसूली भी करने लगी है इसलिए मुकदमे की शीघ्र सुनवाई की जाए जिस पर मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तिथि नियत की है।

बागेश्वर में पार्किंग निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

नैनीताल, अमृत विचार : उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने बागेश्वर के गरुड़ में गरुड़ गंगा नदी के तट पर करोड़ों रुपये की लागत से बन रही बहुमंजिला पार्किंग के निर्माण पर सोमवार को रोक लगा दी। गरुड़ निवासी दिनेश चंद्र सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया कि गरुड़ नगर पंचायत की ओर से गरुड़ गंगा नदी के तट पर 22 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है। इसमें प्रावधानों और निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है। याचिकाकर्ता की तरफ से यह भी आरोप लगाया गया कि यह पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (ईपीए) और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के आदेश के विरुद्ध है। याचिकाकर्ता ने नदी तट पर बहुमंजिला पार्किंग के निर्माण पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि कार पार्किंग को नगर पंचायत गरुड़ के गोलू मार्केट टैक्सी स्टैंड के ठीक ऊपर गरुड़ गंगा के बीच में बनाया जा रहा है, जिससे न केवल नदी के प्रवाह को रोकने का खतरा बना है बल्कि भारी बरसात के दिनों के बाढ़ आपदा का खतरा भी बना है। निविदा की शर्तों के अनुसार पार्किंग निर्माण गरुड़ के निकट पाये गांव में प्रस्तावित था, लेकिन शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है। सरकार की ओर से कहा गया कि वर्ष 2016 में पार्किंग का निर्माण किया गया था।

महेंद्र भट्ट को प्रदेश भाजपा की कमान मिलना तय

- मुख्यमंत्री धामी व सांसद रहे मुख्य प्रस्तावक, राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के लिए 8 ने किया नामांकन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन से पहले सोमवार को उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव एवं राष्ट्रीय परिषद में नामांकन की प्रक्रिया संपन्न हो गई। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया। इनके नाम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री पुष्कर धामी समेत पार्टी के सभी पूर्व मुख्यमंत्री और सांसदों ने किया। महेंद्र भट्ट का दोबारा अध्यक्ष बनना निश्चित हो गया है।

पार्टी के प्रदेश चुनाव अधिकारी व विधायक खजान दास ने बताया कि संगठन पर्व की पूर्व निर्धारित

मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रदेश अध्यक्ष के लिए महेंद्र भट्ट के नाम का प्रस्ताव रखते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

अधिसूचना के अनुरूप, पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष के लिए महेंद्र भट्ट एवं राष्ट्रीय परिषद के 8 सदस्यों के लिए नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न की गयी। सुबह 10 से 12 बजे तक नामांकन का समय निर्धारित था, जिसमें एकमात्र महेंद्र भट्ट ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। पांच सेटों में दाखिल उनके नामांकन पत्र में 10 अलग-अलग प्रस्तावकों ने हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी सेटों के मुख्य प्रस्तावक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, अनिल बलूनी, अजय भट्ट और केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, अन्य प्रस्तावकों में प्रदेश महामंत्री, संगठन अजेय कुमार, पूर्व सीएम डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कल्पना सैनी, टिहरी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, विधायक विशन सिंह चुफाल, विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, विनोद कंडारी, राम सिंह कैड़ा, महंत दिलीप सिंह रावत, बृजभूषण गैरोला प्रमुख रहे। चुनाव अधिकारी ने बताया कि महेंद्र भट्ट का एकमात्र नाम प्रदेश अध्यक्ष के लिए सामने आया है।

राष्ट्रीय परिषद सदस्यों की यह रही स्थिति

चुनाव अधिकारी दास ने बताया कि राष्ट्रीय परिषद सदस्य के लिए कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा, पूर्व सीएम डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र सिंह रावत, तीरथ सिंह रावत, सांसद अजय भट्ट, माला राज्य लक्ष्मी शाह, डॉ. कल्पना सैनी का नामांकन हुआ। सम्पूर्ण संगठन चुनाव प्रक्रिया के दौरान सह चुनाव अधिकारी पुष्कर काला, मीरा रतूड़ी, राकेश गिरी के साथ सरकार में दायित्वधारी ज्योति गैरोला, सुभाष बड़थ्वाल, कुलदीप कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष, विधायक, मुकेश कोली आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय तस्कर को गिरफ्तार किया

देहरादून, अमृत विचार : चमोली जिला पुलिस ने सोमवार को नेपाल निवासी अंतरराष्ट्रीय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 10 लाख कीमत की कीड़ा जड़ी (यारसागंबू) बरामद की है। एसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि वन्य उपज की तस्करी में संलिप्तता की सूचना पर चौकी प्रभारी देवाल सतेंद्र बुटोला ने टीम के साथ देवसारी बैंड, ग्वालदम के पास एक नेपाली नागरिक को पकड़ा। उसके कब्जे से 500 ग्राम प्रतिबंधित कीड़ा जड़ी (यारसागंबू) बरामद हुई। बरामद कीड़ाजड़ी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। थाना थराली में आरोपी नक बहादुर निवासी नेपाल के खिलाफ अभियोग दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट, कर्णप्रयाग के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हर जिहाद के विरुद्ध की कड़ी कार्रवाई: सीएम

- सीएम ने हरिद्वार में भागवत कथा को वर्चुअली सम्बोधित किया

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास से भीमगोडा, हरिद्वार में जगदीश स्वरूप विद्यानन्द आश्रम ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ-श्रीमद् भागवत कथा को वर्चुअली सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों का समागम और हरि कथा, दोनों ही दुर्लभ हैं और ये दोनों सौभाग्य से ही प्राप्त होते हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण कोई सामान्य ग्रंथ नहीं, अपितु स्वयं श्रीकृष्ण की दिव्य वाणी का साकार रूप है। इसमें भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और धर्म इन चारों पुरुषार्थों का उत्कृष्ट वर्णन मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हम जहां एक ओर केदारखंड और मानसखंड के मंदिर क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिए अनेकों कार्य कर रहे हैं। वहीं, हरिपुर कालसी में यमुनातीर्थ स्थल के पुनरुद्धार की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर के साथ-साथ शारदा कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश में लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसी घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

औषधियों की गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड को भारत का फार्मा हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए सोमवार को खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन मुख्यालय में अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश की 30 से अधिक दवा निर्माता इकाइयों के प्रतिनिधि, प्रबंध निदेशक, औषधि विनिर्माण एसोसिएशन के पदाधिकारी और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में मुख्य रूप से राज्य में हाल ही में सामने आए अधोमानक औषधियों के मामलों की समीक्षा और औषधि गुणवत्ता की स्थिति का विश्लेषण करने के साथ ही औद्योगिक प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए उठाए जा सकने वाले ठोस कदमों पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में दवा निर्माताओं ने सीडीएससीओ द्वारा जारी किए जा रहे ड्रग अलर्ट को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर आयुक्त, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा राज्य औषधि नियंत्रक ताजबर सिंह जग्गी ने सभी दवा निर्माता कंपनियों को दो टूक कहा कि सरकार उद्योग के साथ है, लेकिन औषधियों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। दवा निर्माताओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार प्रकट किया।

अच्छी खबर आठ शहरों में 23 अकादमी और विश्वविद्यालय निर्माण पर तेजी से आगे बढ़ रही बात, खेल विवि की जारी हो चुकी है अधिसूचना

सीएम देंगे खिलाड़ियों को सौगात, फलेंगे-फूलेंगे खेल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने कार्यकाल के पांचवें साल में खेल-खिलाड़ियों को सौगात देने जा रहे हैं। सौगात भी एक नहीं, बल्कि दो-दो। इनमें पहली सौगात हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय के निर्माण से जुड़ी है, जिसके खेल दिवस पर शिलान्यास की तैयारी है। दूसरी सौगात, प्रदेश के 23 खेल अकादमी खोलने से जुड़ी हैं।

राष्ट्रीय खेलों के दौरान देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी समेत जिन आठ शहरों में खेल गतिविधियां संचालित हुईं और आधारभूत ढांचा तैयार हुआ, वहीं पर ये अकादमी खोली जाएंगी। इसके दो फायदे होंगे। एक, खेल के लिए तैयार बुनियादी ढांचे का बेहतर रख-रखाव हो सकेगा। दो, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए ठोस प्लेटफार्म तैयार हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री धामी के कार्यकाल के चौथे साल में उत्तराखंड ने खेल की दुनिया में ऊंची छलांग लगाई है। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से प्रदेश की खेलों की दुनिया में हैसियत बढ़ गई है। अपने कार्यकाल के पांचवें साल में भी बनाए रखने के प्रति मुख्यमंत्री गंभीर हैं। हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय का निर्माण हो या फिर आठ शहरों में 23 खेल अकादमी खोलने की बात, दोनों विषयों पर पर्याप्त तेजी दिखाई दे रही है। खेल विश्वविद्यालय की बकायदा अधिसूचना जारी हो चुकी है। इसी तरह, 23 अकादमी भी सरकार खोलने जा रही हैं। इन दोनों महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को अमली जामा पहनाने के लिए तेजी से काम चल रहा है।

दो कदम, जिनसे गूंजा यश गान

उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड की धरती पर 38 वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन धामी सरकार की सबसे बड़ी खेल उपलब्धि रही। भव्य आयोजन हुआ और हमारे खिलाड़ियों ने भी श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गोवा में पिछले राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने सिर्फ 24 पदक जीते थे, लेकिन इस बार उसने पदकों का शतक लगाकर तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन से खेल सुविधाओं का विस्तार हुआ और ऐसा आधारभूत ढांचा उपलब्ध हो गया।

नई खेल नीति

वर्ष 2021 में घोषित नई खेल नीति में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन पर खास फोकस किया गया। ओलंपिक के पदक विजेताओं के लिए एक से लेकर दो करोड़ तक की प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था की गई है। अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक लाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा रही है। खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि दुगना हुई है और छात्रवृत्ति भी दी जा रही है। इस नीति की यह भी आकर्षक बात है कि बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने मात्र से खिलाड़ी प्रोत्साहन राशि का हकदार हो जा रहा है। फिर चाहे उसे पदक मिले या ना मिले।

> उत्तराखंड को खेल भूमि के रूप में भी जाना जा रहा है, यह हमारे लिए सुखद अहसास है। राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजन के बाद प्रदेश में खेल का बेहतर माहौल है। खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा है और वे बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। खेल-खिलाड़ियों के विकास के लिए बडे.निर्णय लेने और उन्हें अमली जामा पहनाने का क्रम जारी रहेगा।
>
> -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

सूचना विभाग में छह कार्मिक हुए पदोन्नत

देहरादून : सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में 6 कार्मिकों के पदोन्नति आदेश डीजी सूचना ने जारी किए हैं। प्रधान सहायक प्रशान्त रावत को प्रशासनिक अधिकारी, वैयक्तिक सहायक अंकित कुमार, विजय झिंकवाण, आरती गुणवंत को वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक, वरिष्ठ सहायक मुकेश कुमार को प्रधान सहायक एवं संवीक्षक राजीव कोली को अनुवादक पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, अपर निदेशक आशिष कुमार त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक केएसचौहान, डॉ. नितिन उपाध्याय, उप निदेशक मनोज कुमार श्रीवास्तव, रवि बिजारनिया, सूचना कर्मचारी संघ अध्यक्ष कैलाश सिंह रावत एवं महामंत्री अंकित कुमार ने पदोन्नत कार्मिकों को बधाई दी हैं।

आज का मौसम

आसमान में घने बादलों के साथ बारिश होने की संभावना।

30.0°	24.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.16	सूर्यास्त 19.15

एक नजर

किसान ने जहर खाकर जान दे दी

हल्द्वानी : रामपुर के रहने वाले एक किसान ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ गटककर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक 55 वर्षीय प्रेम सिंह पुत्र रामभरोसे निवासी अनबरिया, रामपुर यूपी ने रविवार रात किन्हीं कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ गटक लिया। परिजन उन्हें एसटीएच लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

किशोरी लापता, पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की

हल्द्वानी : एक 17 वर्षीय किशोरी 26 जून की सुबह साढ़े आठ बजे घर से निकली और देर शाम तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने बेटी की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। पिता की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है। कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि सीसीटीवी के जरिए उसकी तलाश की जा रही है। शीघ्र किशोरी को बरामदकरलियाजाएगा।

पुस्तकालय महोत्सव का आज होगा समापन

हल्द्वानी। हल्द्वानी के राजकीय नर्सिंग कॉलेज में आयोजित वार्षिक पुस्तकालय महोत्सव-2025 का समापन आज मंगलवार को होगा। गुरुवार से जिसमें विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। महोत्सव में बुक टॉक, बुक रिव्यू, शेयर्ड रीडिंग, स्वरचित कविता प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। आज शोसल अवेयरनेस ड्रामा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

39 लोगों का रेस्क्यू, 5 परिवार राहत केंद्र पहुंचाए

पूरे जिले में एक साथ किया गया मॉक ड्रिल, जिलाधिकारी ने रखी पूरी नजर और दिए दिशा-निर्देश

- आपदा से निपटने के लिए पुलिस-प्रशासन ने परखीं क्षमताएं
- संभावित आपदा की आशंका को देखते हुए किया गया मॉक ड्रिल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लगातार हो रही बारिश के बीच के आपदा की संभावना को देखते हुए सोमवार को पूरे जिले में पुलिस-प्रशासन ने मॉक ड्रिल के जरिये इन आपदा से निपटने को अपनी क्षमताओं को परखा। टीमों ने मॉक ड्रिल के दौरान 39 लोगों को किया रेस्क्यू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और 5 परिवारों को राहत सेंटर पहुंचाया। देवखड़ी की तपोवन कॉलोनी में 2 घरों में मलबा आ जाने की परिकल्पना की गई जिसमें फंसे लोगों को निकाला गया। सूर्यानाला से 2 घायलों को सीएचसी चोरगलिया, 3 गंभीर घायलों को बेस अस्पताल भेजा। 1 कार और मोटरसाइकिल नाले से निकली गई। लालकुआं में 8 व्यक्ति, नरुला पेट्रोल पम्प के पास से 2 घायलों को, रामनगर के चुकुम में 3 गंभीर घायलों, पम्पापुरी में 5 परिवारों को राहत सेंटर भेजा।

मॉक ड्रिल पर नजर रखतीं जिलाधिकारी वंदना, एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा और साथ में मौजूद अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

जिले में पांच स्थानों पर हुए ड्रिल पर जिलाधिकारी वंदना ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ पूरी नजर रखी और जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस, प्रशासनिक, एसडीआरएफ, एसएसबी, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य और राजस्व पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया। तमाम घायलों को विपरीत परिस्थितियों से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया और कइयों की जान बचाई गई। जिले में बाढ़ और जल भराव के मॉक ड्रिल अभ्यास जिला मुख्यालय डीईओसी में डीएम व रिस्पांसबल ऑफिसर वंदना के नेतृत्व में तहसील हल्द्वानी और तहसील रामनगर के कुल 5 क्षेत्रों में सम्पन्न हुई। मॉक ड्रिल में इन पांचों स्थानों पर अलग-अलग तरह के हालात पैदा किए गए। सभी 5 इंसीडेंट साइटों में बाढ़ व जल भराव से राहत अभियान के पूर्वाभ्यास को बेहतर तरीके से किया गया। पांचों क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए गए थे। हल्द्वानी में देवखड़ी नाला में अतिवृष्टि से सूखे नाले में अचानक जल स्तर व पानी का वेग बढ़ने से उत्पन्न की स्थिति, चोरगलिया में सूर्यानाला में भारी बारिश के दौरान नंधौर जलागम क्षेत्रान्तर्गत अचानक जल स्तर व पानी का वेग बढ़ने, रेलवे क्रांसिग के पास का क्षेत्र, लालकुआं में बारिश के चलते सार्वजनिक स्थान बाजार में जल भराव की स्थिति, रामनगर के वन क्षेत्र से लगा पम्मापुरी क्षेत्र में पहाड़ी क्षेत्रों में अतिवृष्टि से रिहायशी क्षेत्रों से लगे नाले में जलस्तर बढ़ने से निकटवर्ती आवासों को खतरा तथा रामनगर स्थित ग्राम चुकम में पहाड़ी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश से कोसी नदी में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने से नदी के किनारे चुकम गांव में बाढ़ का खतरा बन गया था। यह सूचना जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को प्राप्त हुई और तत्काल पांचो स्थानों में मॉक ड्रिल के माध्यम से राहत और बचाव कार्य किए गए। इसके लिए घटना स्थलों के स्टेजिंग एरिया भी बनाए गए। नैनीताल एनआईसी से जिलाधिकारी वंदना, एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा, सीडीओ अनामिका, एडीएम विवेक राय, एसपी डॉ. जगदीश चंद्र, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, कमल सिंह मेहरा, आब्जर्वर एडीएम वित्त शैलेंद्र नेगी, राम सिंह बोरा, मनीषा मारकाना, संतोष सहित रामनगर व हल्द्वानी से उप जिलाधिकारी व अन्य अधिकारी जुड़े। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र की अगुवाई में काठगोदाम में सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी, सीओ रामनगर सुमित पांडे, चोरगलिया व सीओ लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल के साथ थाना प्रभारियों समेत पुलिस टीमों ने कार्यदाई संस्थाओं को शामिल कर मॉक ड्रिल की।

इतने कार्मिक हुए मॉक ड्रिल में शामिल

हल्द्वानी : मॉक ड्रिल में विभिन्न थानों से 95, आईआरबी से 67, डे हवालात से 8, एनडीआरएफ से 24, आईटीबीपी से 55, एसडीआरएफ से 13, दमकल से 31, वन विभाग से 14, 10 मेडिकल टीम, वायरलेस से 9 और सप्लाई से 4 लोग शामिल हुए।

प्रतीकात्मक घायल को नदी के एक छोर से दूसरी छोर ले जाने का अभ्यास करते पुलिस और एनडीआरएफ कर्मी। ● अमृत विचार

मॉक ड्रिल की कमियों को भी किया चिह्नित

हल्द्वानी : आब्जर्वर एनडीआरएफ त्रिपेन सिंह ने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान कुछ कमियां भी देखने को मिलीं, जिसमें मॉक ड्रिल में ड्रोन की व्यवस्था, रेस्क्यू के दौरान औजारों का डिस्प्ले न होना, वैकल्पिक व्यवस्था, सेटेलाइट फोन, छोटे वाहनों की अनुपलब्धता, टीमों के ड्रेस कोड और सुरक्षा कवच आदि का न होना चिह्नित किया गया। उन्होंने बताया कि भविष्य में इन सभी कमियों को दूर किया जाएगा।

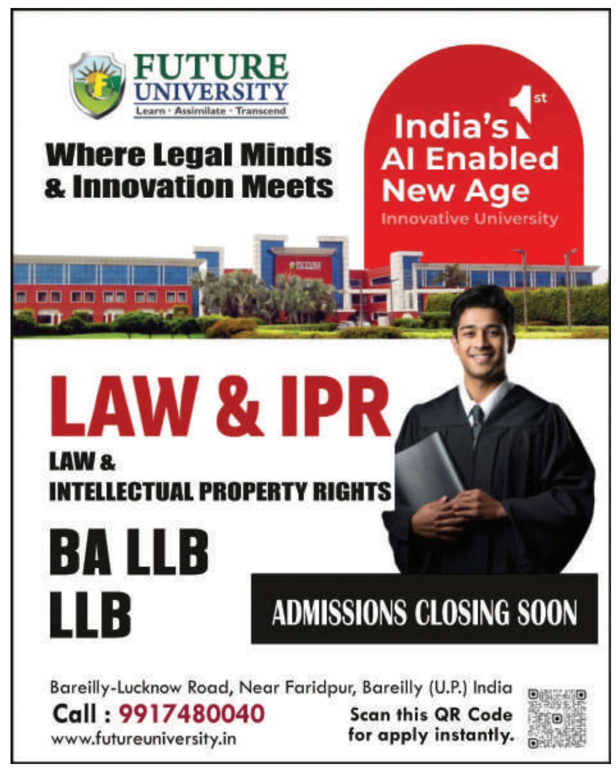

आवास विकास क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह व अन्य अधिकारी।

पानी की निकासी की संभावनाएं तलाशीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नगर निगम, सिंचाई विभाग और लोनिवि के अधिकारियों ने सोमवार को आवास-विकास का निरीक्षण किया। यहां पानी की निकासी नहीं होने से जलभराव हो रहा है। जिसके लिए स्थायी समाधान की तैयारी की जा रही है। मौके पर पहुंचे तीनों विभागों के एई ने निरीक्षण में देखा कि फुटपाथ में चैंबर बनाया जा सकता या नहीं। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि जलभराव का स्थायी समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे बारिश के दौरान स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। रविवार को आवास-विकास सहित शहर के कुछ क्षेत्रों में जलभराव हुआ। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर आयुक्त ऋचा सिंह के नेतृत्व में निगम की टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने अस्थायी रूप से जलभराव की समस्या का समाधान किया था। वहीं, सोमवार को भी आवास-विकास में जलभराव से परेशानी हुई, जिस पर टीम मौके पर पहुंची और निकासी की गई।

जलभराव होने पर नैनीताल रोड में चलाया अभियान

नगर निगम की टीम ने सोमवार को बारिश के बाद तिकोनिया सहित नैनीताल रोड पर सफाई अभियान चलाया। इन क्षेत्रों में बारिश के बाद पानी जमा हो गया था, जिसकी निकासी के लिए सफाई कर्मियों ने कार्य किया। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि रकसिया नाला, तीनपानी, प्रेमपुर लोश्ज्ञानी और हीरानगर में जलभराव नहीं हुआ।

मटमैला पानी बना मुसीबत 25 सौ उपभोक्ता हुए परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः लगातार हो रही बारिश ने काठगोदाम क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। क्षेत्र में बीते तीन दिनों से नलों में मटमैला पानी आ रहा है, जिससे करीब 2500 उपभोक्ता प्रभावित हैं।

लोग मजबूरी में बाजार से पानी खरीदने को मजबूर हैं, जबकि कई घरों में पानी उबालकर उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार यह स्थिति हर बरसात में हर साल होती है लेकिन जल संस्थान द्वारा कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। गंदा पानी पीने से कई लोगों को पेट दर्द, उल्टी और त्वचा संबंधी परेशानियां होती हैं।

नाराज उपभोक्ताओं का कहना है कि अगर जल्द समस्या का

समाधान नहीं हुआ तो वे जल संस्थान कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करेंगे। लोगों ने समस्या के समाधान के लिए स्थायी योजना बनाने की मांग की है। वहीं जल संस्थान के कनिष्ठ अभियंता सतीश बिष्ट का कहना है कि पानी फिल्टर करके ही उपभोक्ताओं को दिया जाता है, बरसात के मौसम में पानी का कलर मलमैला हो जाता है। फिल्टर प्लांट की सफाई जारी है और जल आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

> सुबह नल खोलते ही गंदा और पीला पानी आता है। घर में छोटे बच्चे हैं, उनके बीमार पड़ने का डर बना हुआ है। -**सवित्री शर्मा**, स्थानीय निवासी

> पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था। अब तो पानी से बदबू भी आ रही है। बूढ़े और बच्चों के लिए यह पानी पीना जोखिम भरा है। -**पुष्पा देवी**

> हम लोग नल के भरोसे हैं, और नलों से मटमैला पानी आ रहा है। रोजाना पीने का पानी खरीदना सबके बस की बात नहीं। -**नीतू बिष्ट**, स्थानीय निवासी

> हर दिन पानी छानना और उबालना पड़ता है, पूरी बरसात ऐसा ही पानी आता है जिससे बीमारियां बढ़ने का खतरा बना रहता है। -**मुन्नी देवी**

खूब बरस रहा मानसून आज ऑरेंज अलर्ट

हल्द्वानीः नैनीताल जिले में भारी बारिश का दौर जारी है। हल्द्वानी में सोमवार को भी अच्छी बारिश हुई। आज नैनीताल जिले में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

शहर में पूर्वाह्न के समय मूसलाधार बारिश हुई। बारिश काफी देर तक होती रही। दिन में कुछ देर के लिए धूप निकली। हल्द्वानी में 63 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। दिन के समय लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम पूरी तरह से ठंडा हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मंगलवार को भी भारी बारिश हो सकती है। साथ ही दो से चार जुलाई तक बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। बारिश का दौर अगले तीन से चार दिनों तक जारी रहेगा। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 17.3 और न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा है।

लैब असिस्टेंट व लैब केमिस्ट की नियुक्ति

हल्द्वानी, अमृत विचारः जल संस्थान में जल गुणवत्ता सुधार को लेकर बड़ी पहल की गई है। विभाग में लैब असिस्टेंट और लैब केमिस्ट के पदों पर नियुक्ति कर दी गई है। इससे पानी की नियमित जांच प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। नियुक्त कर्मचारियों को संस्थान की पानी परीक्षण प्रयोगशाला (वॉटर टेस्टिंग लैब) में तैनात किया गया है।

उनका काम पानी के स्रोतों और आपूर्ति लाइनों से नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षा मानकों के अनुरूप जांच करना होगा। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता आरएस लोशाली ने बताया कि, मानसून के दौरान गंदे पानी की शिकायतें बढ़ जाती हैं। नई नियुक्तियों से अब समय पर जांच और त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। साथ ही स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे गांवों और शहरों दोनों में पानी की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलेगी।

सड़क पर खड़ी गायों के झुंड से टकराया बाइक सवार, जान गई

- ऊंचापुल में रात करीब एक बजे हुआ दर्दनाक हादसा
- एक राहगीर ने पहुंचाया, लेकिन नहीं बच सकी जान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुखानी थानाक्षेत्र में आधी राता को दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक से घर लौट रहा एक ढाबा संचालक युवक बीच सड़क खड़ी गायों के झुंड से टकरा गया। जिससे युवक बाइक से गिरकर बुरी तरह लहूलुहान हो गया। उसे एक राहगीर ने फौरन अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के मुताबिक लामाचौड़ मुखानी निवासी अंकित किरौला (28 वर्ष) पुत्र जसवंत सिंह ढाबा संचालक था और परिवार समेत लामाचौड़ में रहता था। बताया जाता है कि रविवार की रात करीब 1 बजे वह बाइक से घर लौट रहा था कि तभी ऊंचापुल के पास बीच सड़क गायों का झुंड खड़ा था। संभवतः सड़क पर अंधेरा होने की वजह से अंकित गायों के झुंड को नहीं देख पाया और पूरी रफ्तार से गायों से टकरा गया। वह सड़क पर बुरी तरह लहूलुहान हालत में पड़ा था, तभी वहां से गुजर रहे एक कार सवार ने अंकित को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जयपुर पाडली, लामाचौड़ के ग्राम प्रधान कमल पडलिया ने बताया कि अंकित का लामाचौड़ में ही ढाबा था। उसका एक साल का बेटा है। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद अंकित का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

छत पर कपड़े सुखाने गई महिला की करंट की चपेट में आने से मौत

हल्द्वानी, अमृत विचार : छत पर कपड़े सुखाने गई महिला करंट की चपेट में आ गई। गंभीर अवस्था में परिजनों ने उसे डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। सितारगंज, बालाजी एक्सटेंशन निवासी 40 वर्षीय नाजमी पत्नी मतीन अली रविवार को बारिश रुकने के बाद छत पर कपड़े सुखाने के लिए गई थी। बारिश से छत पूरी तरह गीली थी। उसने जैसे ही गीले कपड़े फैलाने शुरू किए तो एक कपड़ा छत के पास से गुजरे बिजली के तार से टकरा गया और महिला करंट की चपेट में आ गई। कुछ देर बाद परिजन छत पर पहुंचे तो नाजमी बेसुध पड़ी थी। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर पास के अस्पताल पहुंचे। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय रेफर कर दिया और यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

अमृत विचार हल्द्वानी संस्करण के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी सम्भाग

प्रेस-विज्ञप्ति

वर्तमान में मानसून सत्र प्रारम्भ हो गया है। मानसून सत्र में वर्षा के दौरान मार्गों में भू-स्खलन / चट्टान गिरने, मार्ग में धसाव या कटाव होने, नदी-नालों के जल स्तर में वृद्धि एवं जल प्रवाह में तीव्रता आदि के कारण वाहन संचालन के दौरान दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

उक्त के दृष्टिगत वर्षा के दौरान निम्नवत् सावधानियां बरती जायें :-

1. अधिक वर्षा के कारण नदी-नालों के जल स्तर में वृद्धि होती है और जल प्रवाह की तीव्रता बढ़ जाती है। अतः यात्रा के दौरान मार्ग में पड़ने वाले नदी-नालों, जिन पर पुल या पुलिया नही है ऐसे नदी-नालों में वाहन को न ले जायें।
2. यात्रा के दौरान पर्वतीय मार्गो पर भू-स्खलन / चट्टान या पत्थर गिरने वाले स्थानों में विशेष सावधानियां बरतें तथा पत्थर गिरने/भू-स्खलन की स्थिति मे वाहन संचालित न करें।
3. मार्ग अवरूद्ध होने पर वाहन को सुरक्षित स्थान में खड़ा करें।
4. पर्वतीय मार्गों में रात्रि में वाहन संचालित न करें।
5. मार्ग का कटाव/धसाव होने वाले स्थान पर वाहन को न ले जायें। अधिक कटाव/धसाव के कारण जहाँ मार्ग संकीर्ण हो गया है और दुर्घटना सम्भावित स्थल बन गया हैं ऐसे स्थानों पर वाहन को संचालित न करें।
6. निर्धारित गति सीमा एवं क्षमता में ही वाहन संचालित करें। वाहन के टायर समय-समय पर चैक करते रहे। दोपहिया वाहन चालक व सवार मानकयुक्त हेलमेट अवश्य पहनें।
7. क्षतिग्रस्त विंड शील्ड के साथ वाहन का संचालन किसी भी दशा में न करें।
8. समय-समय पर वाहन का यांत्रिक परीक्षण करायें और वाहन में आवश्यक मरम्मत करवायें।
9. मौसम विभाग द्वारा समय-समय पर जारी अलर्ट / चेतावनी को दृष्टिगत रखते हुए यात्रा न करें।
10. दुर्घटना की स्थिति में प्रशासन, पुलिस, परिवहन, आपदा विभाग को सूचित करें।

अतः उक्त के दृष्टिगत समस्त टैक्सी / मैक्सी/बस/ट्रक यूनियनों के अध्यक्षों को निर्देशित किया जाता है कि आप वर्षा ऋतु में उपरोक्त निर्देशों को दृष्टिगत रखते हुए अपनी-अपनी संस्था/यूनियन के अन्तर्गत संचालित वाहनों के संचालकों / चालको को विशेष सावधानी बरतने हेतु निर्देशित करें, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
हल्द्वानी सम्भाग

सार-संक्षेप

विदाई समारोह में मौजूद अतिथि व अन्य। ● अमृत विचार

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया

हल्दूचौड़ : भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष एवं उत्तरांचल परिवहन निगम के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेमचंद दुम्का के उत्तराखंड रोडवेज परिवहन निगम के वरिष्ठ पद से सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। उत्तराखंड परिवहन निगम की मंडल प्रबंधक पूजा जोशी ने कहा कि प्रेमचंद्र दुम्का का 36 वर्षों का कार्यकाल बेहद सराहनीय रहा। उन्होंने निगम के प्रति अपनी सराहनीय कार्यशैली, जवाबदेही एवं पारदर्शिता का परिचय दिया। इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ संरक्षक रमेश चंद्र जोशी, डीडी शर्मा, शेखरानंद पांडे, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष उमेश जोशी, बालमुकुंद सुयाल, नवनीत कपिल, बीके शर्मा, सुरेंद्र बिष्ट, वीरेंद्र खकरियाल, मदन सिंह, गणेश मेहरा, ललित पांडे, वीरेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय हल्दूचौड़ में निरीक्षण करती टीम। ● अमृत विचार

केंद्र में मूल्यांकन व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हल्दूचौड़ : कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ का विवि के परीक्षा नियंत्रक ने निरीक्षण किया। प्रोफेसर डॉ. महेंद्र सिंह राणा ने केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र की समस्त मूल्यांकन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही परीक्षकों, टैबुलेटरों, डाटा ऑपरेटरों, यूनिवर्सिटी ऑब्जर्वर और ओएमआर स्कैन कार्यों व स्ट्रांग रूम का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान मूल्यांकन केंद्राध्यक्ष डॉ. जयचंद्र कुमार गौतम, यूनिवर्सिटी ऑब्जर्वर डॉ. जितेंद्र लोहनी, रैंडम जांचकर्ता डॉ. बिपिन चंद्र जोशी, डॉ. गीता तिवारी पांडे, सहायक केंद्राध्यक्ष डॉ. हेम चंद्र पांडे, डॉ. मनोज कुमार जोशी, डॉ. प्रदीप मंडल, डॉ. वीरेंद्र सिंह दानू, डॉ. जगत सिंह बिष्ट, मोहन सिंह बिष्ट, डॉ. भगवती देवी, डॉ. हेमलता गोस्वामी, डॉ. सुनीता भंडारी, डॉ. तारा भट्ट, डॉ. चंद्रकांता, डॉ. मंजू जोशी, हरीश चंद्र जोशी, दिनेश कुमार जोशी, हेमा जीना, मुन्नी जोशी, प्रेमा भट्ट, राकेश कुमार, जयपाल, गणेश दत्त, उमाशंकर दुम्का आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि एवं आयोजक। ● अमृत विचार

अपने अंदर पैदा करें सकारात्मक सोच: पांडेय

रामनगर : सुचेता संस्था और वरदान वाटिका आश्रम जोगीपुरा तत्वावधान में एक वार्षिक सेमीनार बाल संसद आयोजित की गई। मुख्य अतिथि टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडेय ने कहा कि बच्चों को नकारात्मक नहीं, सकारात्मक सोच को अपने अंदर पैदा करना चाहिए। उन्होंने वेदों के साथ बाइबिल, कुरान व गुरु ग्रंथ साहिब से जुड़े प्रसंगों पर चर्चा की। भगवान राम, अंगद, हनुमान के अलावा सचिन तेंदुलकर, अब्दुल कलाम, सावित्रीबाई, ज्योतिबा फूले, डॉ.भीमराव आंबेडकर, महात्मा गांधी सहित कई उदाहरण देते कहा कि इन सभी महान लोगों के अंदर सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हुई थी। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा के साथ शिक्षा के अधिकार अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों से सकारात्मक सोच को अपनाकर नकारात्मक को त्यागने पर जोर दिया। इस दौरान संचालिका संगीता, संध्या, पूजा पटवाल, नंदा, लीला, नेहा व मुन्नी आर्या आदि मौजूद रहे।

प्रवर्तन अभियान के तहत अस्थायी अतिक्रमण हटवाते प्रशासनिक अधिकारी।

महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने को चला प्रवर्तन अभियान

हल्द्वानी : महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार रात नगर आयुक्त ऋचा सिंह, नगर मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान और एसडीएम राहुल शाह के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने सार्वजनिक स्थलों पर प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान 20 चालान स्ट्रीट वेंडर्स के विरुद्ध सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन करने देना एवं कूड़ा-कचरा फैलाने के आरोप में जारी किए गए। साथ ही, अवैध अतिक्रमण हटाया गया तथा करीब 40 किलोग्राम सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त कर प्लास्टिक प्रतिबंध अधिनियम के अंतर्गत चालान की कार्यवाही की गई। एसडीएम हल्द्वानी राहुल शाह ने बताया कि, प्रशासन द्वारा इस प्रकार की प्रवर्तन कार्यवाहियां निरंतर जारी रहेंगी ताकि नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को एक सुरक्षित एवं स्वच्छ सार्वजनिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में मौजूद लेक सिटी वेलफेयर क्लब की पदाधिकारी।

20 जुलाई को होगा प्रतिभा सम्मान समारोह

नैनीताल : लेक सिटी वेलफेयर क्लब नैनीताल में 20 जुलाई को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करेगा। आयोजन को लेकर क्लब की अध्यक्ष आभा शाह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इसमें तय किया गया कि इस बार क्लब 20 जुलाई को शैले हॉल में प्रतिभा ज्योति समान समारोह का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष आभा शाह ने बताया कार्यक्रम कि सफलता के लिए मीनाक्षी कीर्ति को कार्यक्रम संयोजक एवं दीपिका बिनवाल, प्रेमा अधिकारी एवं रमा भट्ट को सह संयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम संयोजक मीनाक्षी कीर्ति ने बताया कार्यक्रम में नगर के 25 स्कूल के हाईस्कूल व इंटर के 45 बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। सभी स्कूलों से प्रथम विद्यार्थियों की सूची मांग ली गई है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। बैठक में दीपा पांडे, ज्योति ढोंडियाल, तुसी शाह, अमिता शाह, कंचन जोशी, कविता त्रिपाठी उपस्थित थे।

सड़क की उम्मीदों पर उग गईं कटीली झाड़ियां

कृष्णापुर वार्ड की आबादी वर्षों से सड़क का कर रही इंतजार, 50 लाख खर्च, फिर भी नहीं बना सीसी मार्ग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल नगर पालिका क्षेत्र में स्थित कूड़ाखड-कृष्णापुर मार्ग के लिए 30 वर्ष पूर्व शुरू हुई पहल के बाद बीते वर्षों में यहां रहने वाली 4000 हजार से अधिक की आबादी की सड़क की उम्मीद पर कटीली झाड़ियां उग गईं हैं। एक किमी की बटिया में 50 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन अब तक बटिया पूरी नहीं बन पाई है।

नगर के कृष्णापुर वार्ड में चार हजार से अधिक की आबादी रहती है। जिनकी आवाजाही के लिए बलियानाला से लगा जीआईसी-वीरभट्टी मार्ग ही सहारा था। कई बार ध्वस्त हुआ मार्ग 2018 की आपदा के बाद से से बंद है। इस मार्ग की संवेदनशीलता को देखते हुए वर्ष 1996 में यूपी के तत्कालीन राज्यपाल के सलाहाकार डीके आर्या के माध्यम से क्षेत्र के समाजसेवी पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष डीएन भट्ट ने शासन स्तर पर पत्राचार किया। डीएन भट्ट के मुताबिक इसके बाद 2006, 2017, 2023 में लोनिवि के माध्यम से कूड़ाखड-कृष्णापुर मार्ग के प्रस्ताव भेजे गए। 2021-22 में लोनिवि को जिला योजना से 20 लाख रुपये मिले, लेकिन वन विभाग के जमीन पर स्वामित्व जताने पर धनराशि वापस हो गई। फिर जिला योजना में वन विभाग को पहले चरण में 15 व दूसरे चरण में 38 लाख रुपये अवमुक्त हुए। अब तक 50 फीसदी बटिया पूरी नहीं हुई है। बनी हुई बटिया वाला मार्ग झाड़ियों से बंद है।

सीसी मार्ग पर डाले गए कट्टे। ● अमृत विचार

मार्ग पर डाल दिए कट्टे

डीएन भट्ट समेत क्षेत्रवासियों का आरोप है कि यहां सीसी मार्ग पर कट्टे डाल दिए गए हैं। सौ से अधिक लोगों के हस्ताक्षर वाले ज्ञापन में सिपाहीधारा, जीआईसी, मल्ला कृष्णापुर मार्ग वैकल्पिक बताते हुए दुपहिया व छोटे वाहनों के लिए सीसी मार्ग की मांग के बावजूद मिलीभगत से इसे वैकल्पिक मार्ग घोषित कर दिया गया। उन्होंने आयुक्त से इस बटिया की गुणवत्ता की जांच की मांग की है।

हाईकोर्ट में पीआईएल भी विचाराधीन

पालिका उपाध्यक्ष बताते हैं कि इसे लेकर हाईकोर्ट में 83/2022 जनहित याचिका भी विचाराधीन है। इसमें ईई प्रांतीय खंड को 20 हजार रुपये जुर्माना भी हुआ है। आरटीआई में विभाग का कहना है कि यहां कोई सड़क नहीं थी, जबकि जिला योजना में पूर्व मार्ग के जीर्णोद्धार के लिए धनराशि मांगी है। विभिन्न बिंदुओं को वह आरटीआई में फिर शामिल करने वाले हैं।

नगर क्षेत्र के इस मार्ग की हर पहलू पर जांच की जाएगी। मैं स्वयं विभागीय अधिकारियों के साथ मार्ग का निरीक्षण करूंगा। गुणवत्ता में कमी तथा दस्तावेजों के अवलोकन में कमी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। -**दीपक रावत**, कुमाऊं आयुक्त

वन विभाग की ओर से 50 लाख रुपये की लागत से सीसी मार्ग का निर्माण किया जा चुका है। लगभग 50 मीटर के अवशेष हिस्से के लिए फिर से प्रस्ताव भेजा जाएगा। वहां से गुजरना वाला नाला भी कार्य में चुनौती है। -**आनंद लाल**, डिप्टी रेंजर वन विभाग

स्टंटबाजी का वीडियो वायरल, कार्रवाई हुई

नैनीताल: सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे स्टंटबाजी के एक वीडियो पर नैनीताल पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए स्टंट कर रहे युवकों पर कार्रवाई की है। वीडियो में कुछ युवक माल रोड पर चलती कार की खिड़की से बाहर निकलकर खतरनाक तरीके से फोटो खिंचवाते नजर आ रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रैश ड्राइविंग और स्टंटबाजी जैसी खतरनाक गतिविधियों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए स्टंट कर रहे युवकों को कोतवाली लाई। जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने चालक अक्षय मल्होत्रा निवासी गुरुनानकपुरा यमुनानगर, हरदीप ठाकुर निवासी फर्कपुर यमुनानगर और दीपक शर्मा निवासी मायापुरी कॉलोनी हरियाणा के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए कार चालक के विरुद्ध ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की संस्तुति की है। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया पुलिस ने युवकों की कोतवाली में काउंसलिंग भी की।

आचार संहिता का कड़ाई से कराएं पालन: सीडीओ

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विकास भवन सभागार में निर्वाचन अधिकारियों और सहायक निर्वाचन अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। मुख्य विकास अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अनामिका ने बताया कि प्रथम चरण में 2 जुलाई से 5 जुलाई तक नाम पत्रों के वितरण करने एवं 7 जुलाई से 9 जुलाई तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामवापसी की तिथि 10 व 11 जुलाई व निर्वाचन प्रतीक चिन्ह का आवंटन दिनांक 14 जुलाई को होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने व किसी भी प्रकार की चुनाव संबंधी आशंका होने पर तत्काल नोडल अधिकारियों एवं कंट्रोल रूम में संपर्क करने के निर्देश दिए। जिला विकास अधिकारी गोपाल गोस्वामी, व जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक हर्ष बहादुर चंद ने बताया कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी अपने नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय जाति प्रमाण-पत्र के साथ सदस्य ग्राम पंचायत सदस्य को प्रारूप अ के अनुसार घोषणा पत्र तथा प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य को प्रारूप ब पर अनिवार्य रूप से शपथ पत्र नोटरीय कर संलग्न करना आवश्यक है। इस बार सदस्य ग्राम पंचायत का मतपत्र सफेद, ग्राम प्रधान का मतपत्र हरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य का मतपत्र नीला व जिला पंचायत सदस्य का मतपत्र गुलाबी होगा।

सभासद के खिलाफ तहरीर पर बिफरे लोग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : गंदगी फैलाने पर फैक्ट्री का चालान होने के मामले में प्रबंधक की ओर से सभासद के विरुद्ध तहरीर दिए जाने पर लोगों में आक्रोश फैल गया। सभासदों व स्थानीय लोगों ने थाने पहुंचकर पुलिस को अलग-अलग तहरीर देकर फैक्ट्री प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला भीमताल की औद्योगिक घाटी में स्थित डीजे फूड प्रोसेसिंग फैक्ट्री से संबंधित है। आसपास रहने वाले लोगों व अस्थाई पार्किंग के ड्राइवर ने सीवर की बदबू आने की शिकायत वार्ड संख्या छह के सभासद बंटी आर्य व वार्ड सात के सभासद उमेश पाठक से की थी। शिकायत पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका ने मौके पर जाकर फैक्ट्री का पांच हजार का चालान किया था। चालानी कार्रवाई होने के बाद फैक्ट्री के प्रबंधक रंजीत पांडे ने अवैध वसूली और अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए सभासद के विरुद्ध तहरीर पुलिस क्षेत्राधिकारी को सौंप दी। जानकारी मिलने पर सोमवार सुबह बड़ी संख्या में युवक थाने में एकत्र हो गए और मैनेजर का आरोप निराधार बताते हुए घटना के समय वहां मौजूद होने की जानकारी दी। बताया कि संस्थान के द्वारा जो गंदगी छोड़ी जा रही थी, वह सीधे झील में जा रही थी। आरोप है कि उस समय मैनेजर ने ही सभासद से अभद्रता की और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी और थाना अध्यक्ष से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई। स्थानीय लोगों और सभासदों ने अलग-अलग तहरीर भी दी। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र चनौतिया, आदर्श रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संदीप पांडे, गुंजन रौतेला, सभासद रामपाल गंगोला, बंटी आर्य, उमेश पाठक, नीरज रैकुनी, शिप्रा जोशी, विमल आर्य, हेमा दुमका, संजू आर्य व भारत आदि मौजूद रहे।

फैक्ट्री के प्रबंधक के खिलाफ तहरीर देते नगर पालिका सभासद और स्थानीय लोग।

मामला मेरे संज्ञान में है। मैनेजर की ओर से पुलिस क्षेत्राधिकारी को तहरीर दी गई है। -**दीपक जैन**, स्वामी डीजे फूड प्रोसेसिंग फैक्ट्री।

प्रबंधक की ओर से मिली तहरीर की जांच कराई जा रही है। -**प्रमोद साह**, पुलिस क्षेत्राधिकारी।

जिस समय चालानी कार्रवाई की गई, उस समय अधिशासी अधिकारी समेत कई लोग मौके पर मौजूद थे। हमारे द्वारा कोई अभद्रता नहीं की गई। उल्टा प्रबंधक के द्वारा हमारे साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। इसके गवाह मौके पर मौजूद थे। -**बंटी आर्य**, सभासद

बिजरानी व सीतावनी पर्यटन जोन बंद हुए

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड में मानसून सक्रिय होते ही कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के प्रमुख पर्यटन जोन को पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर बंद कर दिया गया है। बारिश के चलते कॉर्बेट टाइगर रिजर्व का प्रसिद्ध बिजरानी जोन और रामनगर वन प्रभाग का सीतावनी जोन सोमवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिए गए हैं।

इन जोन में हर वर्ष मानसून सीजन के दौरान नदी-नालों के उफान पर आने और रास्तों के खराब होने की वजह से पर्यटन गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं। पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रख हर साल इन्हें बंद कर दिया जाता है। इससे पहले ही रामनगर वन प्रभाग के भंडारपानी और कालाढूंगी पर्यटन जोन को 26 जून से बंद कर दिया गया था। अब इसी कड़ी में कॉर्बेट फॉल और बाराती रौ को भी बंद कर दिया गया है। हालांकि पर्यटकों के लिए कुछ जोन अब भी खुले रहेंगे। कॉर्बेट पार्क के ढेला, झिरना, गर्जिया और तराई पश्चिमी वन प्रभाग के फाटो व हाथीडगर पर्यटन जोन डे सफारी के लिए खुले हैं। मानसून में भी इनमें सीमित पर्यटन गतिविधियां जारी रहेंगी। आमतौर पर यह जोन पूरे वर्ष खुले रहते हैं, लेकिन अत्यधिक वर्षा होने की स्थिति में इन्हें भी अस्थायी रूप से बंद किया जा सकता है। अब बिजरानी जोन को 15 अक्टूबर से और कॉर्बेट का सबसे लोकप्रिय ढिकाला जोन 15 नवंबर से नए पर्यटन सत्र में दोबारा खोला जाएगा।

बिजरानी पर्यटन जोन का प्रवेश द्वार।

हरेला मेले को राज्य मेला घोषित करने की उठाई मांग

भीमताल : कुमाऊं के प्रसिद्ध मेले में शुमार भीमताल के हरेला मेले को राज्य मेले की मांग स्थानीय लोगों की ओर से लंबे समय से से की जा रही है। मांग पर कार्रवाई नहीं होने पर अब स्थानीय जनता निराश है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता पूरन वृजवासी बताते हैं कि मेले की परंपरा के मुताबिक प्रत्येक दिवस कोई मुख्य अतिथि, जिसमें जनप्रतिनिधि, मंत्री-विधायक आदि होते हैं। सभी ने राज्य मेले की मांग को जायज बताया है, पर आज तक राज्य मेला घोषित नहीं हो सका। उन्होंने शासन से हरेला मेले की ख्याति और प्रत्येक वर्ष व्यापकता को देखते हुए इसे राज्य मेला घोषित करने की मांग की है।

अस्पताल में मशीन खराब, नहीं हुए एक्सरे

नैनीताल : बीडी पांडे अस्पताल में एक्सरे मशीन में तकनीकी खराबी के कारण पूरे दिन एक्सरे सेवा बाधित रही। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल में प्रतिदिन 60 से 70 एक्सरे होते हैं। पीएमएस डॉ. तरुण कुमार टम्टा ने बताया कि मशीन में आई तकनीकी समस्या को दूर करने को इंजीनियर को बुलाया है। मंगलवार से एक्सरे सेवा दोबारा सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रमाण-पत्र के साथ बच्चे। ● अमृत विचार

शिविर में आत्मरक्षा के गुर सिखाए

रामनगर, अमृत विचार: ताइक्वांडो के लिए फुर्ती और अपने लक्ष्य पर नजर रखकर उसे पाने का जज्बा होना नितांत आवश्यक है। यह बात अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता मनीष मंडल ने ताइक्वांडो एकेडमी एवं ग्रीन फील्ड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी की ओर से आयोजित 30 दिवसीय आत्मरक्षा एवं ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर के समापन के दौरान कही। उन्होंने बच्चों को आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए।

शिविर में रामनगर के ग्रीन फील्ड एकेडमी, सेंट जोसेफ स्कूल, शाइनिंग स्टार, माउंट सीनाई, ग्रेट मिशन, ओक बड्स, आर्मी पब्लिक स्कूल, जीजीआईसी एवं राइजिंग स्टार स्कूल आदि स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों को आत्मरक्षा की कला एवं ताइक्वांडो की विविध तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान उन्हें प्रमाण-पत्र भी दिए गए। इस मौके पर ग्रीन फील्ड एकेडमी के मैनेजिंग डायरेक्टर शिशुपाल सिंह रावत, प्राचार्या कंचन बिष्ट, रामनगर ताइक्वांडो एकेडमी के सचिव नितेश शर्मा, पीटीआई समीर कुमार, कमलेश पांडे, पंकज, नरेंद्र, रविंद्र व गीता यादव मौजूद रहे।

सामूहिक दुष्कर्म की घटना को बताया शर्मनाक

रामनगर : प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की अध्यक्ष शीला शर्मा ने कोलकाता के साउथ लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना को बेहद शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षा और बराबरी केवल समाजवाद में मिल सकती है। इसके लिए सभी महिलाओं को एकजुट होकर संघर्ष की लड़ाई को लड़ना होगा और मजदूरों के साथ एकजुटता बनाकर समाजवाद का रास्ता प्रशस्त करना होगा।

टीम ने 70 पाउच कच्ची शराब बरामद की

रामनगर : आबकारी विभाग का अभियान जारी है। क्षेत्रीय आबकारी टीम एवं उप आबकारी आयुक्त विवेक सोनकिया परिक्षेत्र नैनीताल एवं उधमसिंह नगर ने सुदरखाल एवं मोहन क्षेत्र में सड़क किनारे ढाबों में शराब बेचने वालों की चेकिंग की। वन निगम भवानी गंज में चेकिंग के दौरान अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। शराब बेचने वाले मौके से फरार हो गए। आबकारी अधिनियम की धारा 60 में अज्ञात में अभियोग पंजीकृत किए। अवैध शराब बेचने पर कपिल निवासी भवानी गंज को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभियान के दौरान करीब 70 पाउच अवैध कच्ची शराब भी बरामद हुई।

चरस तस्कर को हुई पांच साल की सजा

नैनीताल: अपर जिला न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट विक्रम की अदालत ने 300 ग्राम से अधिक चरस के साथ गिरफ्तार एक व्यक्ति को 5 साल के कारावास व 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी पूजा साह ने कोर्ट को बताया कि 19 सितंबर 2019 को गुलाबघाटी हल्द्वानी में रामसिंह निवासी थलाड़ी, मुक्तेश्वर को 370 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके साथ दो अन्य लोग भी थे। जिनमें से एक व्यक्ति के पास 405 ग्राम चरस मिली। जिससे साबित हुआ कि ये लोग चरस का व्यवसाय करते थे। मामले में पुलिस रिकॉर्ड, बचाव पक्ष व अभियोजन पक्ष की दलीलों के बाद कोर्ट ने आरोपी को चरस तस्करी का दोषी पाया।

खेल-खिलाड़ी

दूसरे स्थान पर रहे दिल्ली के हिमांशु मोदगिल, सात चरणों में संपन्न हुई प्रतियोगिता, खिलाड़ियों को मिले पुरस्कार

रुद्रपुर के भव्य अरोरा ने जीती रैपिड शतरंज प्रतियोगिता

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: 23वीं नैनी ओपेन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का खिताब रुद्रपुर के भव्य अरोरा के नाम रहा। पर्वतीय संस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता शहर के गोवर्धन हाल में स्विस लीग पद्धति के आधार पर 7 चरणों में संपन्न हुई। रुद्रपुर के भव्य अरोरा 6.5 अंकों के साथ चैंपियन रहे। दिल्ली के हिमांशु मोदगिल ने 6 अंकों के साथ दूसरा, शाहजहांपुर के आयुष सक्सेना 6 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुरादाबाद के जीशान अली 6 अंकों के साथ चौथे व हल्द्वानी के दर्शील सुलेठी 6 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब हल्द्वानी की सौम्या मेहरा, बेस्ट वेटरन रामपुर के उस्मान अली को दिया गया। अंडर 9 वर्ग में रियांश सागर प्रथम, एकलव्य सिंह दूसरे, अरनव पांगते तीसरे, दक्ष भट्ट चौथे व अचिंत उपाध्याय पांचवे स्थान पर रहे। अंडर 11 वर्ग में तोषी जनौटी प्रथम, प्रियांशु पांडे दूसरे, रिभाया जोशी तीसरे स्थान पर रहे । अंडर 13 वर्ग में दिव्यांश मटियाली प्रथम, कण्व गुप्ता दूसरे, अभिमन्यु सिंह तीसरे, अंडर 15 वर्ग में प्रखर सक्सेना प्रथम, तेजश कनवाल दूसरे, यथार्थ बिष्ट तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में आर्बिटर का दायित्व नीरज शाह, शेर सिंह बिष्ट, दिव्यांशु तिवारी, तोषित तिवारी ने निभाया। एडवोकेट एवं सीनियर शतरंज खिलाड़ी डीके जोशी ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर ईश्वर तिवारी, विमला तिवारी, अनिल कुमार, विकाश मरदान, ललित साह, मनोह साह, मोहम्मद मतलूब, जुबैर सिद्दीकी, धीरेन्द्र विष्ट, मोहम्मद वसीम, विभोर भट्ट आदि मौजूद रहे।

ट्रॉफी के साथ खिलाड़ी व मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत ने किया राज्य कैंसर संस्थान का दौरा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

आवश्यकता के अनुरूप हों सभी निर्माण: आयुक्त

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत ने सोमवार को राज्य कैंसर संस्थान में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति की जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

आयुक्त रावत ने कैंसर संस्थान में ओपीडी, ओटी ब्लॉक, वार्ड ब्लॉक, सर्विस ब्लॉक, रेडियो डायग्नोसिस, लैब ब्लॉक, रेडियोथेरेपी ब्लॉक, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग और बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। आयुक्त ने राज्य कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. केसी पांडे को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन भवन में जो भी चिकित्सा संबंधी आवश्यकताएं हैं, उन्हें आवश्यकतानुसार पूरा करवाया जाए। कहा कि हल्द्वानी में प्रदेश का सबसे बड़ा अत्याधुनिक व हाईटेक कैंसर चिकित्सालय बनने से मरीजों को उपचार के लिए दिल्ली या अन्य स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। कुमाऊं आयुक्त को निदेशक डॉ. पांडे ने बताया कि परियोजना का प्रथम चरण कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है, जिसमें विभिन्न इमारतों का निर्माण व आंतरिक परिवर्तन प्रारंभ हो चुके हैं। द्वितीय चरण के लिए संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाएं वर्तमान में प्रचलन में है और आवश्यक अनुमोदनों के लिए संबंधित विभागों को प्रस्ताव भेजे गए हैं। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के मुद्दे का संज्ञान लिया और कहा कि पदों को भरने की मांग राज्य सरकार को भेजी जा चुकी है। इस दौरान प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी, एसडीएम राहुल साह, जनसंपर्क अधिकारी आलोक उप्रेती, परियोजना प्रबंधक आकाशदीप भट्ट, इंजीनियर रोहित नरियाल रहे।

कैंसर संस्थान का निरीक्षण करते कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

धोखाधड़ी: पूरी रकम लेकर की आधी जमीन की रजिस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुखानी थाना क्षेत्र में जमीन की धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति से पूरी रकम लेने के बावजूद पूरी जमीन की रजिस्ट्री नहीं की गई। बाकी बची जमीन की रजिस्ट्री कराने के एवज में जमीन मालिक 92 लाख की मांग करने लगा। पीड़ित फरियाद लेकर मंडलायुक्त दीपक रावत के पास पहुंचा। जिसके बाद मुखानी पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

पांडे निवासी कालाढूंगी रोड निवासी मुकेश गुप्ता, संदीप गुप्ता और बिन्देश गुप्ता पुत्रगण स्व. ओमप्रकाश गुप्ता ने मंडलायुक्त को बताया कि दमुवाढूंगा निवासी मोहन सिंह रौलेता ने उन्हें जज फार्म में 13020 वर्ग फिट जमीन दिखाई थी, मोहन सिंह रौलेता ने तीनों भाइयों को बताया कि उक्त जमीन अमित जोशी पुत्र मनोज जोशी के नाम पर है। अमित के साथ मोहन का उक्त भूमि का अनुबन्ध हुआ। भाइयों ने मोहन पर भरोसा कर अमित जोशी से भूमि खरीद और पूरा भुगतान मोहन और अमित को कर दिया गया। रुपए मिलने के बाद अमित ने 3400 और 7000 वर्ग फीट भूमि की रजिस्ट्री कर दी, लेकिन बाकी 2620 फीट भूमि की रजिस्ट्री नहीं की। तीनों भाइयों ने जब अमित पर रजिस्ट्री का दबाव बनाया था तो वह रजिस्ट्री कराने के लिए 92 लाख रुपए की मांग करने लगा। जिसके बाद पीड़ितों ने मंडलायुक्त से गुहार लगाई। यहां बात न बनने पर मंडलायुक्त ने रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रुपए लेकर नहीं की रजिस्ट्री, 9 लाख रुपए हड़पे

हल्द्वानी : मंडलायुक्त के निर्देश पर एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। विकासनगर ईष्ट बिठौरिया नंबर-1 निवासी महिपाल सिंह अधिकारी पुत्र नन्दन सिंह अधिकारी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने आदर्शनगर गली नंबर एक बमौरी तल्ली खाम निवासी शिव सिंह नयाल पुत्र जगत सिंह से 36 सौ वर्ग फिट जमीन खरीदी थी। आरोप है कि शिव सिंह ने रजिस्ट्री के लिए 7 माह का समय मांगा था, लेकिन समय गुजर जाने के बाद भी उसने रजिस्ट्री नहीं की। दबाव डालने पर उसने 16 लाख रुपए वापस कर दिए और 9 लाख रुपये डकार गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भवन बनाने, मशीन खरीदने में आगे, इंतजाम में पीछे

स्टाफ न होने से कई नए भवनों में लटका रहता है ताला, हो जाती है मशीनों की खरीद लेकिन स्टाफ न होने से नहीं हो पाता उपयोग

अमृत विचार पड़ताल

नरेंद्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग भवन बनाने और मशीन खरीदने में अक्सर बहुत आगे रहता है लेकिन लाखों करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद इन सबका लाभ मरीजों को नहीं मिलता।

असल में अस्पतालों के भवन बनाने के बाद वहां जरूरी स्टाफ उपलब्ध कराने या फिर अन्य इंतजाम कराने में दोनों ही विभाग पीछे हैं। इस वजह से करोड़ों रुपया खर्च करने के बाद भी लाभ शून्य अर्जित हो रहा है। उल्टा नए भवनों में ताला पड़ा रहता है और वह खाली पड़े-पड़े जंग खाने लगते हैं।

मरीज को अच्छा उपचार पाने या फिर जांच आदि सुविधाओं के लिए सरकारी अस्पतालों से निजी अस्पतालों में रेफर होना पड़ता है। यह हाल किसी पहाड़ी दुर्गम इलाके के नहीं बल्कि कुमाऊं के प्रवेश द्वार हल्द्वानी के हैं।

मेडिकल कालेज के पास बना टीबी अस्पताल। ● अमृत विचार

मिनी स्टेडियम के सामने बना 50 शैय्यायुक्त आयुष चिकित्सालय। ● अमृत विचार

टीबी क्लीनिक में ऑक्सीजन प्लांट नहीं

हल्द्वानी : डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में टीबी और चेस्ट विभाग का और भी विस्तार करने के लिए टीबी और चेस्ट क्लीनिक बनाया गया। यहां ओपीडी में प्रतिदिन 90 मरीजों को देखा जाता है। विभाग में पहले 30 बेड की व्यवस्था थी। इसको देखते हुए 60 बेड का नया अस्पताल भी बनाया गया। अब दिक्कत यह है कि नए भवन में ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं है। टीबी और चेस्ट के गंभीर मरीजों को 24 घंटे ऑक्सीजन की जरूरत होती है। इस वजह से भवन बनाने के बाद भी यहां मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है जिससे यह भवन बड़ी रकम खर्चने के बावजूद अनुपयोगी बना हुआ है। यह बात अलग है कि अब यहां ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाना शुरू किया गया है लेकिन काम पूरा नहीं होने में समय लगेगा। प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि कार्य तेजी के साथ किा जा रहा है। शीघ्र ही ऑक्सीजन प्लांट से नया भवन जुड़ जाएगा।

बेस अस्पताल में डॉक्टर को दिखाने के लिए लगी मरीजों की लाइन। ● अमृत विचार

सफेद हाथी बना 50 बेड का आयुष अस्पताल

हल्द्वानी : मिनी स्टेडियम के सामने बनाए गए चार मंजिला आयुष अस्पताल में स्टाफ की भारी कमी है। यहां वार्ड बॉय, फार्मासिस्ट, पंचकर्म सहायक, सफाई कर्मचारी सहित 25 पद खाली चल रहे हैं। डॉक्टर भी रोस्टर के आधार पर दूसरे अस्पतालों से लाए जाते हैं। गनीमत है कि लालडांठ में चल रहा था आयुष अस्पताल बंद करके फिलहाल यहां स्थापित कर दिया गया है। जिससे डॉक्टर और स्टाफ की समस्या का कुछ समाधान हुआ है। स्टाफ की कमी से अभी यहां मरीजो को भर्ती नहीं किया जाता है जबकि अस्पताल का निर्माण चार मंजिला किया गया है। चिकित्साधिकारी डॉ. प्रदीप राज मेहरा ने बताया कि स्टाफ के लिए शासन से मांग की गई है, उम्मीद है कि शीघ्र ही स्टाफ की व्यवस्था हो जाएगी।

आज तक नहीं खुल पाया नौ बेड का आईसीयू

हल्द्वानी : बेस अस्पताल में नौ बेड के आईसीयू का निर्माण कोविड की पहली लहर के दौरान किया गया था। स्टाफ नहीं होने की वजह से यह आईसीयू बंद पड़ा है। यहां मशीनों को लगाने में लाखों रुपये का खर्चा हुआ है। जो कि खाली पड़े-पड़े खराब हो रहे हैं। आईसीयू के लिए डॉक्टर के साथ ही दक्ष नर्सों की जरूरत होती है। अगर यह आईसीयू चलता तो एसटीएच पर मरीजों का भार कुछ कम होता। पीएमएस डॉ. केके पांडे ने कहा कि आईसीयू के स्टाफ के लिए पत्र भेजा गया है।

बेस में बिना स्टाफ के बना दिया गया भवन

हल्द्वानी : बेस अस्पताल में ओपीडी कक्ष के ऊपर तीसरी मंजिल का निर्माण सालों पहले किया गया था। तब कहा गया था कि यहां ओपीडी और आईपीडी का विस्तार किया जाएगा लेकिन जनता का लाखों रुपया फूंकने के बाद भी स्टाफ का इंतजाम नहीं हुआ। नतीजन यहां भी ताला लगा हुआ है। कोविड की लहर के दौरान इसे खोला गया था लेकिन मरीजों को भर्ती नहीं किया गया। अब भी यहां ताला लगा रखा है और भवन खाली पड़े-पड़े खराब हो रहा है। अगर स्टाफ मिले तो इसका भी इंतजाम हो जाए।

कालाढूंगी चौराहे के पास बन रही महिला अस्पताल की नई बिल्डिंग। ● अमृत विचार

एसएनसीयू के लिए छह नर्सों का नहीं हुआ इंतजाम

हल्द्वानी : महिला अस्पताल के विस्तारीकरण के लिए नए भवन का निर्माण किया जा रहा है लेकिन दूसरे भवन में बने एसएनसीयू के लिए स्वास्थ्य विभाग आउटसोर्स पर छह नर्सों का इंतजाम नहीं कर पाया है। जन्म लेने के बाद जिन नवजातों की स्थिति गंभीर होती है उन्हें बचाने के लिए एसएनसीयू में भर्ती किया जाता है। यहां नौ बेड का एसएनसीयू है जो स्टाफ की कमी के चलते दिन में आठ घंटे चलता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देश के बाद भी करीब दो माह हो गए लेकिन नर्सों का इंतजाम नहीं हो पाया है। अब देखना यह है कि नए भवन के लिए स्टाफ कैसे लाया जाएगा। सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत ने बताया कि नर्सों की भर्ती प्रक्रिया अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई है।

यहां इंतजाम नहीं और स्टाफ पहुंचा दिया

हल्द्वानी : ऐसा नहीं है कि हर जगह स्टाफ की कमी है। कहीं-कहीं पर अभी जरूरत नहीं है लेकिन स्टाफ का इंतजाम करवा दिया गया है। स्वामी राम कैंसर संस्थान में अभी जरूरत नहीं होने के बाद भी करीब दो दर्जन नियमित नर्सों की नियुक्ति कर दी गई। इन नर्सों को अपने अस्पताल से एसटीएच में भेजने के लिए कैंसर संस्थान निदेशक डॉ. केसी पांडे ने पत्र भी लिखा था। कैंसर संस्थान से जानकारी मिली कि अभी इन नर्सों को अस्पताल में सेवा लेने के लिए डेढ़ से दो साल का समय लग सकता है। मतलब जहां जरूरत है वहां स्टाफ नहीं लेकिन जहां जरूरत नहीं है वहां स्टॉफ भेज दिया गया।

जाल न लगने पर पार्षद का निगम कार्यालय में धरना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नगर निगम के वार्ड 58 के पार्षद मनोज जोशी ने सोमवार को नगर निगम में धरना दिया। उन्होंने वार्ड की एक कॉलोनी में नगर निगम की ओर से जाल नहीं लगाए जाने पर अपनी नाराजगी जताई। पार्षद ने कहा कि निगम के अधिकारियों की ओर से बार-बार आश्वासन देने के बाद भी कार्य नहीं किया जा रहा था। जिस पर उन्हें मजबूरन धरने में बैठना पड़ा।

पार्षद ने कहा कि निगम वार्डों में विकास कार्य नहीं करा पा रहा है, तो वह चंदा जुटाकर कार्य करवाएंगे। हालांकि बाद में लेखाधिकारी गणेश भट्ट की ओर से आश्वासन दिए जाने के बाद वह माने। इसके बाद मौके पर जाल लगाने के लिए नपाई की गई। पार्षद को बताया गया कि शीघ्र ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जिस पर पार्षद ने कहा कि यदि शीघ्र कार्य शुरू नहीं किया गया तो, वह उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पार्षद मनोज जोशी को धरने से उठाते हुए नगर निगम के कर्मचारी। ● अमृत विचार

मीना शर्मा ने टटोली कांग्रेसियों की नब्ज

खटीमा, अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस की गतिविधियां शुरू हो गईं हैं। इसी क्रम में कांग्रेस की चुनाव प्रभारी मीना शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस कार्यालय पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोली और पंचायत चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ गहन मंत्रणा भी की।

इस दौरान विधायक भुवन कापड़ी भी मौजूद रहे। पंचायती चुनाव के दावेदारों ने चुनाव प्रभारी मीना शर्मा के समक्ष पत्र सौंपकर अपनी दावेदार पेश की। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य उमेश सिंह राठौर बॉबी, जसविंदर सिंह बाजवा, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, मान सिंह, दान सिंह राणा, देवेंद्र कन्याल, राजकिशोर सक्सेना, कृष्णा नेगी, कमान सिंह, नवीन राणा आदि उपस्थित रहे।

पीएमएस कार्यालय और पैथॉलोजी की जाएगी शिफ्ट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बेस अस्पताल में टाइप ए भवनों को तोड़ दिया जाएगा। इसकी जगह यहां पर तीन मंजिला इमारत बनाई जाएगी। नए भवन में पैथॉलोजी और पीएमएस ऑफिस शिफ्ट किया जाएगा।

बेस अस्पताल में पैथॉलोजी पुराने भवन में ही स्थित है। अब इसको नई जगह शिफ्ट किया जाएगा। अस्पताल में वरिष्ठ नागरिक औषधि केंद्र के सामने टाइप ए भवन हैं। यहां पर अस्पताल के कर्मचारी रहते हैं। यह भवन सालों पहले बनाए गए थे। अब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अस्पताल की तरफ से रहने का भवन नहीं दिया जाता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विगत दिनों अस्पताल का दौरा किया था, तब पीएमएस से कहा था कि पीएमएस ऑफिस और पैथॉलोजी को शिफ्ट करने के लिए प्रस्ताव बनाया जाए। अस्पताल प्रबंधन ने इसके लिए ग्रामीण विकास निर्माण निगम से संपर्क किया। एजेंसी की ओर से सर्वे किया गया। फिलहाल यह तय हुआ है कि पुराने टाइप ए भवनों को तोड़ा जाएगा। इसके बाद तीन मंजिला भवन बनाया जाएगा। इस भवन के पहले तल पर पैथॉलोजी को शिफ्ट कर दिया जाएगा। साथ ही दूसरी मंजिल पर पीएमएस का ऑफिस होगा। इसके बाद तीसरी मंजिल पर कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे बनाए जाएंगे। पीएमएस डॉ. केके पांडे ने बताया कि अभी इस प्रस्ताव को भेजा जाएगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो काम शुरू हो जाएगा।

कम पंजीकरण से बढ़ी चिंता, कुमाऊं विवि में बढ़ सकती है प्रवेश की तिथि

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश के लिए चल रही समर्थ पोर्टल पंजीकरण प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई, लेकिन अब तक कॉलेजों में अपेक्षित संख्या में पंजीकरण नहीं हो पाए हैं। सोमवार को अंतिम तिथि होने पर आज (मंगलवार) से दस्तावेजों का सत्यापन कर प्रवेश होने थे, लेकिन ग्रीष्मकालीन अवकाश के कारण कॉलेजों में फिलहाल छुट्टियां चल रही हैं और 10 जुलाई से ही नियमित कक्षाएं शुरू होंगी। इस बीच, पंजीकरण की कम संख्या को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि पंजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है।

हालांकि सोमवार देर शाम तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई अधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। एमबीपीजी कॉलेज के आंकड़े भी चिंताजनक हैं। कॉलेज में इस शिक्षण सत्र में काफी कम प्रवेश हुए हैं। कॉलेज में सोमवार तक कुल 5186 पंजीकरण हुए, जिनमें बीए में सबसे अधिक 2747, बीकॉम में 941, बीएससी गणित में 610 और बीएससी बॉयोलॉजी में 635 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया। कुमाऊं विवि के समर्थ नोडल डॉ. एसके सिंह ने बताया कि पंजीकरण की तिथि बढ़ाए जाने की पूरी संभावना है और इस संबंध में मंगलवार को विवि की ओर से स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। पिछले वर्ष भी कई बार पंजीकरण तिथि बढ़ाई गई थी, जिससे अंततः बड़ी संख्या में प्रवेश संभव हो सके थे। इसी को देखते हुए इस बार भी छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

महिला कॉलेज में 1207 के मुकाबले 674 ही प्रवेश

राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में कुल 1207 सीटों पर प्रवेश होना है, लेकिन अंतिम तिथि तक कॉलेज में 674 ही प्रवेश हुए हैं। जिसमें बीए में सबसे अधिक 276 प्रवेश हुए हैं। जबकि इसके लिए 507 सीटें निर्धारित हैं। बीएससी बॉयोलॉजी में कुल 160 सीटों पर 148 पंजीकरण, बीकॉम ऑनर्स में 160 सीटों पर 86 पंजीकरण और बीकॉम में 160 सीटों पर 82 पंजीकरण हुए हैं। इसी तरह हल्द्वानी शहर डिग्री कॉलेज गौलापार में कुल 177 सीटों पर 128 पंजीकरण ही हुए हैं।

अच्छी खबर

इन फिटनेस क्लासेस में केवल महिला प्रशिक्षकों द्वारा ही दिया जाएगा प्रशिक्षण, जिससे महिलाएं बिना किसी झिझक व परेशानी के कर सकेंगी प्रतिभाग

स्टेडियम में महिलाओं के लिए जुंबा, योग और जिम क्लासेस होंगी शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अब महिलाएं भी स्टेडियम में फिटनेस की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगी। नैनीताल जिले के हल्द्वानी स्टेडियम में खेल विभाग महिलाओं के लिए विशेष जुंबा, योग और जिम क्लासेस शुरू करने जा रहा है।

खास बात यह है कि इन क्लासेस में प्रशिक्षण केवल महिला प्रशिक्षकों द्वारा ही दिया जाएगा, जिससे महिलाएं बिना झिझक भाग ले सकेंगी। खेल विभाग ने देखा कि स्टेडियम में शाम के समय बड़ी संख्या में महिलाएं अपने बच्चों के साथ आती हैं, जबकि उनके लिए कोई विशेष फिटनेस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसी को ध्यान में रखते हुए यह पहल की जा रही है, जिससे माताएं और अन्य महिलाएं भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकें। फिलहाल तैयारियां जोरों पर हैं और जल्द ही क्लासेस की फीस तय की जाएगी। विभाग के अनुसार, योग की क्लासेस सुबह और शाम के समय आयोजित की जाएंगी, जबकि जिम में महिलाओं को आधुनिक उपकरणों के माध्यम से व्यायाम कराया जाएगा। वहीं, जुंबा सेशन के साथ मनोरंजक माहौल होगा। यह पहल न केवल खिलाड़ियों की माताओं बल्कि हर उस महिला के लिए फायदेमंद होगी जो स्वस्थ जीवनशैली की ओर बढ़ना चाहती है। नैनीताल जिले में यह अपने तरह की पहली योजना होगी जो महिलाओं की फिटनेस पर केंद्रित है।

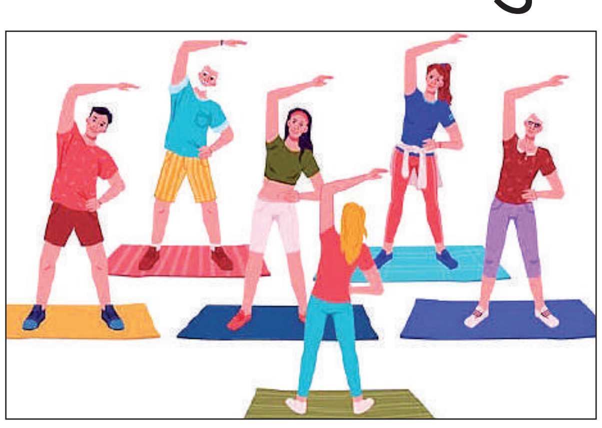

बोलीं अधिकारी

"राज्य में पहली बार महिलाओं की फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए स्टेडियम में विशेष रूप से महिलाओं के लिए जुंबा, योग और जिम जैसी सुविधाएं शुरू की जा रही हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल में फिटनेस की दिशा में प्रोत्साहित करना है। प्रशिक्षण पूरी तरह से महिला प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा, ताकि महिलाएं बिना किसी झिझक के इसमें भाग ले सकें। **-रशिका सिद्दिकी**, खेल उपनिदेशक कुमाऊं

प्रतिभाओं को मिलेगा निखार, छह नए कोचों की नियुक्ति

हल्द्वानी : खेल विभाग ने खेल प्रतिभाओं को तराशने के उद्देश्य से जिले को छह नए कोच दिए हैं। आज से इन कोचों की देखरेख में विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण शिविरों की शुरुआत की जाएगी। खेल विभाग की ओर से शूटिंग, बॉक्सिंग, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और स्विमिंग के लिए प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। गौलापार में शूटिंग रेंज के लिए एक कोच की नियुक्ति की गई है। वहीं नैनीताल में बॉक्सिंग और वॉलीबॉल के लिए दो कोच तैनात किए गए हैं। गौलापार और भीमताल में बैडमिंटन प्रशिक्षण के लिए दो कोच नियुक्त किए गए हैं, जबकि गौलापार में स्विमिंग के लिए भी एक कोच की नियुक्ति की गई है। जिला क्रीड़ाधिकारी अधिकारी निर्मला पंत का कहना है कि नए कोचों की नियुक्ति से युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभागी तैयार किए जा सकेंगे। खिलाड़ियों और अभिभावकों में कोचों की नियुक्ति को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों और उनके परिवार के साथ एसपी सिटी प्रकाश चंद्र।

सेवानिवृत्त हुए चार पुलिस कर्मी, साथियों ने दी विदाई

हल्द्वानी : सेवानिवृत्ति पर चार पुलिस कर्मियों को सोमवार को अफसर-कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। एसआई देवेश कर्नाटक, हेड कांस्टेबल पान सिंह, कांस्टेबल राजेंद्र सिंह और मोहिनी देवी को एसपी सिटी प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। विदाई समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस कर्मियों ने लंबे समय की सेवा के बाद अपने-अपने विभागीय अनुभवों एवं महत्वपूर्ण पलों को साझा किया। एसपी सिटी ने पुलिस कर्मियों की सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कर्मियों की पुलिस विभाग को दी गई सेवाएं अनुकरणीय हैं। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उपहार स्वरूप शॉल, प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

जहर खाकर 28 वर्षीय विवाहिता ने किया सुसाइड

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना किच्छा की रहने वाली एक विवाहिता द्वारा जहर खाकर सुसाइड किए जाने का मामला सामने आया है। परिवार का आरोप है कि पति ने ही बेटी को जहर देकर दहेज हत्या की है। पुलिस ने घटना की जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुजाता (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार खुजरिया रामपुर यूपी निवासी 28 वर्षीय सुजाता की शादी किच्छा के दोपहरिया निवासी अरविंद कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद सुजाता के दो बच्चे थे, लेकिन वैवाहिक जीवन हमेशा संकट में रहा। कारण विवाहिता का पति नशेड़ी है और अक्सर हाथापाई और झगड़ा करता रहता था। आरोप था कि पति शादी के बाद बाइक की डिमांड करता था। 30 जून को जब पति घर से ड्यूटी के लिए निकला तो दोपहर के वक्त पड़ोसियों ने देखा कि सुजाता जमीन पर बेसुध पड़ी है और मुंह से जहरीला पदार्थ खाने की दुर्गंध आ रही है।

आनन फानन में उसे रुद्रपुर के जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि पति का सुबह से मोबाइल बंद होने व परिवार के फरार होने का आरोप भी परिवार के लोग लगा रहे हैं। उनका आरोप था कि विवाहिता को पहले जहर देकर मार दिया और उसके बाद कहानी बनाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किशोर ने खाया जहरीला पदार्थ, रेफर

काशीपुर : एक किशोर ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। एश्वर्य कॉलोनी निवासी एक 17 वर्षीय किशोर ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सड़क हादसे में दो भाई घायल

काशीपुर : मार्ग दुर्घटना में दो सगे भाई घायल हो गए। रामनगर निवासी हेमंत और हरमेंद्र सड़क हादसे में घायल हो गए। सूचना पर 108 एंबुलेंस ने दोनों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने इलाज के बाद छुट्टी दे दी है।

5.66 करोड़ से बदलेगी रुद्रपुर की तस्वीर

नगर निगम ने 52 विकास कार्यों के लिए दी मंजूरी, महापौर बोले-जल्द शुरू होंगे निर्माण

अच्छी खबर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नगर निगम रुद्रपुर ने शहरवासियों को बड़ी सौगात देते हुए 5.66 करोड़ रुपये के 52 विकास कार्यों को मंजूरी दी है। इस बजट से रुद्रपुर शहर के विभिन्न वार्डों में सड़कों, नालियों, पुलियाओं और धार्मिक स्थलों का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा पार्कों का सौंदर्यीकरण भी कराया जाएगा। सभी कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही निर्माण कार्य भी धरातल पर शुरू हो जाएंगे।

सोमवार को महापौर विकास शर्मा ने बताया कि सभी 40 वार्डों में चयनित कार्यों की सूची तैयार कर ली गई है। इनमें वार्ड 1 से लेकर वार्ड 40 तक अलग-अलग स्थानों पर सड़कों का निर्माण, नालियों की मरम्मत और विस्तार, पुलिया निर्माण, मंदिरों का सौंदर्यीकरण, सामुदायिक भवनों के विकास और छठ घाट तक निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि इन कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ये निर्माण कार्य धरातल पर शुरू हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से रुद्रपुर शहर में विकास गंगा आगे भी अनवरत बहती रहेगी। नगर निगम ने कई बड़ी योजनाओं के प्रस्ताव शासन को भेजे हैं जिन्हें आने वाले दिनों में शासन से स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। महापौर ने बताया कि गांधी पार्क का कायाकल्प, कल्याणी नदी का उद्धार और ड्रेनेज सिस्टम उनके ड्रीम प्रोजेक्ट हैं। विभिन्न मार्गों के पर स्ट्रीट लाईटों के लिए भी नगर निगम ने चार करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया। जिसके लिए शासन स्तर पर प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी जो वादे जनता से चुनाव के दौरान किये गये थे उन्हें धरातल पर उतारा जाएगा।

महापौर को ज्ञापन सौंपता बराड़ नगर विकास समिति का प्रतिनिधिमंडल। ● अमृत विचार

बराड़ नगर विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

रुद्रपुर : बराड़ नगर विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम में महापौर विकास शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने लोक विहार कॉलोनी, अपना एनक्लेव, बराड़ नगर कॉलोनी, बराड़ एनक्लेव कॉलोनी एवं ओम विहार कॉलोनी की रजिस्ट्री पुन: शुरू करवाने की मांग की। साथ ही एक ज्ञापन महापौर को सौंपा। सोमवार को नगर निगम पहुंचे समिति के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर शर्मा को बताया कि इन कॉलोनियों में करीब 400 मकान पहले से निर्मित हैं और करीब 300 खाली प्लॉट हैं। वर्ष 2018 तक इन सभी संपत्तियों की रजिस्ट्री और दाखिल-खारिज की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन उसके बाद प्रशासन ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश जारी कर रजिस्ट्री व दाखिल-खारिज पर रोक लगा दी थी। समिति ने इस निर्णय को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्रवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिनमें संपत्ति की खरीद-फरोख्त, ऋण प्राप्ति, उत्तराधिकार प्रक्रिया और अन्य कानूनी अधिकार प्रभावित हो रही है। समिति ने आग्रह किया कि प्रशासन से वार्ता कर इस प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से निरस्त कराया जाए। महापौर ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस विषय को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन से शीघ्र ही वार्ता करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक पड़ी तो इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित क्षेत्रवासियों की समस्याओं का स्थायी समाधान करने के लिए नगर निगम हरसंभव प्रयास करेगा। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्रा, भाजपा जिला मंत्री गजेंद्र प्रजापति, समिति के सदस्य राजीव सक्सेना, नवाब सिंह, संजय चौधरी, लखविंदर चहल, केवी सिंह यादव, हरप्रीत सिंह, योगेश यादव, रणजीत सिंह, रिंकू चीमा, कर्मवीर रंधावा, राज बहादुर शर्मा, संजीव बांगा, सुरेंद्र यादव आदि शामिल रहे।

कार्यालय प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी, जनपद नैनीताल

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक : 30 जून, 2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोतवाली हल्द्वानी के निम्नवाहन क्रमांक सं० 01 से 22 तक माल मुकदमाती वाहनों के निस्तारण हेतु मा० न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हल्द्वानी में प्रकीर्ण वाद सं० 314/25 धारा 503/504 बीएनएसएस बनाम आशुतोष भट्ट आदि प्रचलित है, यदि सूची में अंकित वाहनों के वाहन स्वामी / व्यक्ति/ संस्था/ कार्यालय को वाहन निस्तारित किये जाने में कोई आपत्ति हो तो दिनांक 23-07-2025 तक मा० न्यायालय में आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

सूची लम्बित वाहन मुकदमाती कोतवाली हल्द्वानी

क्र० सं०	मु० अ० सं०	धारा	वाहन सं०	वाहन का प्रकार	इन्जन नं०	चेचिस नं०	दाखिल स्थान
1	2767/21	207 MV ACT	UK04G-6397	स्कूटी	F486226522	MB8CF4CAE98226485	कोतवाली हल्द्वानी
2	55/19	207 MV ACT	UK04Z-1132	टीवीएस स्कूटी जुपिटर	EG4GH2362649		कोतवाली हल्द्वानी
3	38638/17	207 MV ACT	UK06AA-0334	प्लेटिना ब्लैक	DUMBTA93175	MD2DDDZZZTWA00752	कोतवाली हल्द्वानी
4	51508/20	185/207 MV ACT	UK04Q-4081	स्प्लैण्डर प्रो	HA10ELDHJ49558	MBLHA18A19HJ72752	कोतवाली हल्द्वानी
5	50945/20	207 MV ACT	UK04L1117	मो०सा०			कोतवाली हल्द्वानी
6	903/20	207 MV ACT	UK06N-9408	मो०सा० प्लसर			कोतवाली हल्द्वानी
7	31396/20	207 MV ACT	UA04B-8734				कोतवाली हल्द्वानी
8		207 MV ACT	UK04K7461	होण्डा साईन मो०सा०	KC09E2049793	ME46CO9AEB8049220	कोतवाली हल्द्वानी
9		207 MV ACT	UK04X4647	यामाहा मो०सा०	E3N8E0134594	ME1SE77FBF0079867	कोतवाली हल्द्वानी
10		185/207 MV ACT	UK04TA-6016	टैम्पो	BBZWEA07580	MDZA41AZXEWB02273	कोतवाली हल्द्वानी
11		185/207 MV ACT	UK06AB-0773	स्कूटी प्लैजर	JF16ECDGJ00028	MBLJF16EFDGJ00128	कोतवाली हल्द्वानी
12			UK04U7637	स्कूटी	JF50E74004139	ME4JF506MF7004112	मेडिकल
13			UK04K-8908	स्कूटी	F486659904	MB8CF4CAB8299439	फायर स्टेशन
14			UK04M-2374	स्प्लैण्डर	HA10EJC9C04161	MBLHA10AMC9C02177	कोतवाली हल्द्वानी
15			UK06AC-2095	स्प्लैण्डर मो० सा०	HA10EJEHB05352	MBLHA10AMEHB19440	कोतवाली हल्द्वानी
16			UK06L7233	स्विफ्ट कार	D13A1206047	MA3FAEB2S00165253	कोतवाली हल्द्वानी
17			UP 02 9274	कार			कोतवाली हल्द्वानी
18			UK022907	स्कूटी होण्डा	KF07E9266252	ME4KF073F88024616	कोतवाली हल्द्वानी
19			UK06CB-0593	छोटा हाथी	08LTDICRAIL O8HSYS87103	MAT535051HZ31939	कोतवाली हल्द्वानी
20			UK04M-0418		0E6BC2142414	MD634KE6XC2B91165	कोतवाली हल्द्वानी
21			UP 21AE-7643	ई रिक्शा	DHGBTF69130	MD2DHDHZZTCF79878	राजपुरा
22			UK04J-8844	स्कूटी एक्टिवा	JC44E1038111	ME4JC449LA8161333	कोतवाली हल्द्वानी

प्रभारी निरीक्षक
कोतवाली हल्द्वानी

6 जुलाई को निकाला जाएगा मोहर्रम के ताजियों का जुलूस

काशीपुर : मोहर्रम के ताजियों का जुलूस 6 जुलाई को निकाला जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर मोहर्रम कमेटी सीरते हुसैन की एक मीटिंग अल्ली खां स्थित इमामबाड़े में हुई। कमेटी के संरक्षक के पद पर कमर नईम सिद्दीकी (एडवोकेट) को चुना गया। कमेटी के अध्यक्ष इनआम हुसैन एडवोकेट ने मुहर्रम के जुलूस के बारे में जानकारी दी। मीटिंग में बताया गया कि मोहर्रम की सातवीं के अलम 03 जुलाई को निकाला जाएगा। अल्ली खां चौक पर मेहन्दी का मिलाप होगा। चांद की 10 तारीख छह जुलाई को मुहर्रम का जुलूस बासफोड़ान पुलिस चौकी पर इकट्ठा होकर जामा मस्जिद खत्री सभा, पंजाबी सराय चौक, अल्ली खां चौक होते हुए करबला शरीफ पहुंचेगा।

483 ग्राम अफीम के साथ नशा तस्कर दबोचा

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: पुलभट्टा थाना पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार नशा तस्कर को 483 ग्राम अफीम के साथ दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी एमएस धोनी के दिशा निर्देशन में पुलभट्टा थानाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, उप निरीक्षक धीरज वर्मा, अपर उप निरीक्षक प्रताप सुयाल एवं एसओजी टीम के भुवन पांडे व विनोद खत्री की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए देर रात्रि मुखबिर की सूचना पर सितारगंज मार्ग स्थित शंकर फॉर्म कट के निकट वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सितारगंज की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने पुलिस को देखकर मौके से भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाइक सवार आरोपी युवक को पकड़ लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ग्राम नौवगवा, ठाकुरान, थाना भमोरा, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश निवासी सोमवीर बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 483 ग्राम अफीम, एक मोबाइल फोन तथा 15 सौ रुपये की नगदी बरामद कर कब्जे में ले ली। थाना अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने बताया कि पूछताछ में आरोपी सोमवीर ने बताया कि उसके द्वारा ग्राम पृथ्वीपुर, थाना बहेड़ी, जिला बरेली निवासी विनोद नामक युवक से यह अफीम खरीदी गई थी। पुलिस ने आरोपी की हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक को सीज करते हुए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरीराई का विकास प्राथमिकता से करूंगी : बबीता

- **जिला पंचायत बरीराई क्षेत्र से सदस्य पद की प्रत्याशी बबीता देवराड़ी को सभी वर्गों ने दिया अपना समर्थन**

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचार: जिला पंचायत 19 बरीराई क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य पद की प्रत्याशी बबीता देवराड़ी ने कहा कि बरीराई जिला पंचायत क्षेत्र का चहुंमुखी विकास सभी वर्गों को साथ लेकर करूंगी। पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा, क्षतिग्रस्त लिंक मार्गों का पुनर्निर्माण, सिंचाई विभाग की कृषि के हेतु बनाई गई क्षतिग्रस्त नालियों का निर्माण, पेयजल योजना को सुचारु करने एवं नई योजनाओं का लाभ सभी पात्रों तक पहुंचाने का कार्य प्राथमिकता से करेंगी। इस दौरान अपना समर्थन देने आए जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों से प्रत्याशी बबीता देवराड़ी ने आशीर्वाद लेते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

गूलरभोज के कोपा में समर्थकों को संबोधित करतीं जिपंस प्रत्याशी बबीता देवराड़ी।

सोमवार को ग्राम- कोपा में 19 बरीराई जिला पंचायत क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य पद प्रत्याशी बबीता देवराड़ी को उनके आवास पर आए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने उन्हें अपना समर्थन दिया। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्य मंत्री प्रेम सिंह ने कहा कि प्रत्याशी बबीता देवराड़ी के पति निवर्तमान ग्राम प्रधान मनोज देवरानी ने अपने कार्यकाल में सभी को साथ लेकर ग्राम पंचायत कोपा का विकास किया है। मनोज देवराड़ी के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को देखते हुए सभी लोगों ने अपना समर्थन दिया है।

बहुउद्देशीय दीर्घाकार बहुउद्देशीय सहकारी समिति डायरेक्टर मोहित चौहान उर्फ कमांडो ने कहा कि बबीता देवराड़ी संघर्षशील, कर्मठ, शिक्षित व ईमानदार महिला प्रत्याशी हैं। उन्हें सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। निवर्तमान प्रधान मनोज देवराड़ी ने कहा जिस तरह उन्होंने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में किए विकास कार्य को उनकी धर्मपत्नी बबीता देवराड़ी आगे बढ़ाते हुए, पिछड़े क्षेत्रों में नई योजनाओं को लाकर क्षेत्र का विकास करेंगी। कार्यक्रम का संचालन युवा नेता श्याम सिंह देऊपा ने किया। इस मौके पर पूर्व जिपंस देव सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी जयराम राजभर व चंद्रमणि देवराड़ी, बुक्सा नेता कुंवर सिंह सकतपुरिया, किशोर सामंत, श्याम सिंह देऊपा, गुंजन देवराड़ी, लीला रावत, नजमा बेगम, डिंपल, प्रेमवती, नंदन सिंह दानु, बच्चन सिंह, दीवान पानू, ललित खोलिया, हरि सिंह, चंचल सिंह देऊपा आदि सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda
काशीपुर मुख्य शाखा, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा, काशीपुर मुख्य शाखा श्री विकास अग्रवाल एवं श्री आशीष अग्रवाल पुत्रगण श्री नन्दन अग्रवाल एवं श्री अभिनन्दन अग्रवाल पुत्र श्री दीप चन्द्र अग्रवाल के नाम पर स्थित नीचे उल्लिखित संपत्ति को अपने एक ग्राहक द्वारा अनुरोधित ऋण/क्रेडिट सुविधा के लिए सुरक्षा के रूप में स्वीकार करना चाहती है।

यदि किसी को नीचे उल्लिखित संपत्ति पर कोई अधिकार/स्वामित्व/हित/दावा है, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक सबूत के साथ 10 दिनों के भीतर बैंक से संपर्क करें।

यदि 10 दिनों के भीतर कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि संपत्ति किसी भी प्रभार/दावे/भार से मुक्त है और बैंक बंधक के साथ आगे बढ़ेगा।

संपत्ति का विवरण

1. बंधक अचल औद्योगिक सम्पत्ति (फैक्ट्री की भूमि व भवन) के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा सं. 443, ग्राम– दाभोरा मुस्तकीम, तहसील– काशीपुर, ऊधम सिंह नगर में स्थित है। क्षेत्रफल 1.307 हेक्टेयर। सम्पत्ति सेल डीड सं. 12380, दिनांक 25.11.2011 के अनुसार श्री विकास अग्रवाल एवं श्री आशीष अग्रवाल पुत्र श्री नन्दन अग्रवाल के नाम पर विधिवत पंजीकृत है। सीमायें – पूरब में बूआ सिंह की सम्पत्ति, पश्चिम में चक रोड के बाद निशान सिंह की सम्पत्ति, उत्तर में विकास अग्रवाल एवं आशीष अग्रवाल की सम्पत्ति, दक्षिण में राजवीर सिंह की सम्पत्ति।
2. बंधक अचल औद्योगिक सम्पत्ति (फैक्ट्री की भूमि व भवन) के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा सं. 719/1 क्षेत्रफल 1.58 एकड़, खसरा नं. 720 क्षेत्रफल 2.97 एकड़, कुल क्षेत्रफल 4.55 एकड़ जो कि नये खसरा में परिवर्तित हो गयी है जिसका नया खसरा नं. 997 क्षेत्रफल 0.640 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 1000/1 क्षेत्रफल 1.202 हेक्टेयर, कुल क्षेत्रफल 1.842 हेक्टेयर, ग्राम– सरवरखेड़ा, तहसील– काशीपुर, ऊधम सिंह नगर में स्थित है। सम्पत्ति सेल डीड सं. 6235, दिनांक 01.09.2006 के अनुसार श्री अभिनन्दन अग्रवाल पुत्र श्री दीप चन्द्र अग्रवाल के नाम पर विधिवत पंजीकृत है। सीमायें – पूरब में हिमांशु की भूमि, पश्चिम में मुरादाबाद रोड, उत्तर में विजय की भूमि, दक्षिण में अस्पताल।

बैंक ऑफ बड़ौदा, काशीपुर मुख्य शाखा
संपर्क नं. 8477009660
नरेंद्र कुमार एडवोकेट 9412153081

शादी का झांसा देकर पांच साल तक किया शारीरिक शोषण

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: पुलभट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निवासी विवाहिता ने गैर समुदाय के युवक पर शादी का झांसा देकर 5 वर्षों तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच प्रारंभ कर दी है।

पुलभट्टा पुलिस को दी गई तहरीर में पुलभट्टा थाना अंतर्गत ग्राम निवासी महिला ने बताया कि उसका विवाह वर्ष 2004 में हिन्दू रीति रिवाज से ग्राम निवासी युवक से हुआ था। पीड़िता के अनुसार ग्राम निवासी फैजान नाम के युवक द्वारा बहला फुसला कर पीड़िता को विवाह का झांसा दिया गया और 5 वर्षों तक पीड़िता का शारीरिक शोषण किया। पीड़िता ने बताया कि फैजान तथा पीड़िता के संबंध की जानकारी फैजान के पूरे परिवार को भी थी तथा आए दिन फैजान पीड़िता को अपने साथ घुमाने के लिए भी अलग-अलग क्षेत्र में ले जाता था और अपने घर भी बुलाता था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति की गैर मौजूदगी में अक्सर फैजान उसके साथ घर आकर शारीरिक शोषण करता था तथा शादी करने की बात कहने पर टालमटोल कर देता था। पीड़िता के अनुसार बीते रविवार को वह सुबह लगभग 8 बजे फैजान के घर पहुंची तो फैजान और उसके परिवार जनों ने पीड़िता को धक्के मारकर घर से निकाल दिया।

एक नजर

कच्ची शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर : दो अलग-अलग स्थानों से आईटीआई थाना पुलिस ने गश्त के दौरान कच्ची शराब बेचते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 75 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई है। पैगा चौकी पुलिस ने खाईखेड़ा गांव में एक खंडहरनुमा मकान के बरामदे में कच्ची शराब बेचते सुखविंदर सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 90 पाउचों में करीब 30 लीटर कच्ची शराब बरामद की। टीम में चौकी प्रभारी दीवान सिंह बिष्ट, सुरेश चन्द्र, भूपेन्द्र सिंह शामिल थे। वहीं आलू फार्म मंगल बाजार के पास से राजेंद्र सिंह निवासी छोटी बरखेड़ी को 61 पाउच में भरी लगभग 45 लीटर कच्ची शराब के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया। टीम में उपनिरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट, कांस्टेबल रमेश बंग्याल व योगेश पांडे थे। दोनों आरोपियों पर आबकारी एक्ट में चालान किया गया है।

तमंचे के साथ एक युवक किया गिरफ्तार

काशीपुर : पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। रविवार शाम कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रामनगर रोड पर स्थित नेस्ट कैफे के पास विपिन निवासी शिवांगी कॉलोनी को 315 बोर तमंचा तथा एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर उसके खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सौरभ भारती व देवेंद्र सामंत, कांस्टेबल दीपक जोशी व सुरेन्द्र कुमार थे।

आशियाना टूट जाने से खौफजदा लोगों ने घेरा नगर निगम

पहाड़गंज के 300 परिवारों को मिला नोटिस, मेयर ने दिया आश्वासन, प्राधिकरण से होगी वार्ता

आक्रोश

05 जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया है वर्षों से काबिज लोगों को

20 दिनों से पहाड़गंज इलाके में प्राधिकरण की संयुक्त टीम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर रही है

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिला विकास प्राधिकरण का नोटिस मिलने के बाद पहाड़गंज के सैकड़ों परिवार खौफजदा हैं और अपना आशियाना बचाने का भरकस प्रयास कर रहे हैं। सोमवार को भारी तादाद में लोगों ने नगर निगम का घेराव किया और मेयर से मुलाकात का समाधान किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से काबिज लोगों को 5 जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया है। घर से बेघर होने का डर लोगों को सता रहा है। जिस पर महापौर ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही प्राधिकरण से वार्ता कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

सोमवार को भाजपा पार्षद नुरुद्दीन एवं भाजपा नेता अयूब अंसारी के साथ 300 से अधिक लोग जुलूस की शक्ल में नगर निगम पहुंचे और आक्रोश जताते हुए मेयर विकास शर्मा का घेराव किया। उनका कहना था कि पिछले 20 दिनों से पहाड़गंज इलाके में प्राधिकरण की संयुक्त टीम अतिक्रमणकारी घोषित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर रही है और सिर्फ पहाड़गंज के ही 300 परिवारों को 5 जुलाई तक मकान छोड़ने का नोटिस दिया गया है। इसके बाद से लोगों को बेघर होने का डर सता रहा है, जबकि काबिज लोग मतदाता भी हैं।

नगर निगम परिसर में धरना देते पहाड़गंज के लोग। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन द्वारा सरकारी सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं। बावजूद नोटिस देकर उजाड़े जाने का निर्णय न्यायसंगत नहीं है। जिस पर मेयर विकास शर्मा ने भरोसा जताया है कि कुछ अतिक्रमण कल्याणी नदी किनारे बसे हैं और कुछ लोग बाहर से आकर बसे हैं। जिन पर कार्रवाई हो सकती है, लेकिन वह जल्द ही प्राधिकरण के अधिकारियों से वार्ता कर ध्वस्तीकरण से बचाने की कोशिश करेंगे। इस मौके पर माजिद अहमद, गुड्डू, विक्की धामी, सहाना बेगम, शबनम बेगम, गुलशन कुमार, रिजवाना बेगम, चांदनी आदि मौजूद रहे।

चेहरे पर उदासी, बेघर होने का डर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा नदियों के किनारे काबिज लोगों को चिह्नित करने और पिछले 20 दिनों से पहाड़गंज, प्रीत विहार और फाजलपुर महरौला में जिला विकास प्राधिकरण की टीम द्वारा ध्वस्तीकरण की ताबड़तोड़ कार्रवाई होने के बाद नोटिस प्राप्त लोगों के चेहरे पर उदासी और जहन में बेघर होने का खौफ साफ दिख रहा है। हालात यह है कि नोटिस मिलने के बाद हर कोई सत्ताधारी विधायक, मेयर सहित जनप्रतिनिधि से हाथ जोड़कर दर-दर भटकने को विवश हैं।

सीएम धामी द्वारा नदियों के किनारे अतिक्रमण ध्वस्तीकरण का फरमान जारी होने के बाद अधिकारी भी अलर्ट मोड पर आ गये हैं। जिला विकास प्राधिकरण लगातार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करते हुए पहाड़गंज में नोटिस बांटने में लगा हुआ है। नोटिस में साफ लिखा है कि नदी किनारे या फिर अवैध कब्जा धारक 5 जुलाई तक अपना घर या निर्माण ध्वस्त कर दें अन्यथा प्राधिकरण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा। नोटिस मिलने के बाद लोगों ने मार्मिक टिप्पणी करते हुए अपना दर्द बयां किया।

वह पिछले आठ साल से पहाड़गंज में टिनशेड का मकान बनाकर परिवार के साथ रहता है और बुजुर्ग होने के बाद भी दिहाड़ी मजदूरी कर जीविका चला रहा है। प्राधिकरण द्वारा नोटिस देने के बाद दिन-रात यही चिंता रहती है कि उजाड़ जाने के बाद आखिरकार परिवार कहां जाएगा और कैसे परिवार की जीविका चलेगी। कारण महंगाई के दौरान में टीन शेड बनाना भी मुश्किल है। ऐसे में शासन-प्रशासन को पुनर्स्थापित किए जाने पर विचार करना चाहिए।

-अखलाक अहमद, पीड़ित

मेहनत मजदूरी कर पहाड़गंज में 35 साल पहले छोटा सा मकान बनाया था और परिवार के साथ रहकर वृद्धावस्था काट रहे हैं। उस वक्त कभी नहीं सोचा था कि शासन-प्रशासन अतिक्रमणकारी घोषित कर देगा और सैकड़ों परिवारों को उजाड़ने की योजना भी बनाएगा। मताधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं के भावनाओं की कद्र कर गरीबी का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। शासन-प्रशासन को इसका हल निकालने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

-अमीर अहमद, पीड़ित

पति अक्सर दिहाड़ी करने बाहर जाते हैं और घर पर छोटे से कमरे में बच्चों के साथ रहती हूं। नोटिस मिलने के बाद पति भी दिहाड़ी छोड़कर घर लौट आए हैं। यह चर्चा करते हैं कि उजाड़े जाने का संकट कैसे टलेगा। कारण बेघर होने के बाद सिवाय सड़क किनारे रहने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण जीविका चलाने का संकट रहता है। दोबारा घर बनाना बेहद मुश्किल होगा।

-शबाना, पीड़िता

उसकी ससुराल पिछले 40 सालों से पहाड़गंज में रहते हैं और शासन-प्रशासन ने बिजली का मीटर, वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड और आधार कार्ड की सुविधा के अलावा सड़क और बिजली व पानी की सुविधा भी दी है। हाउस टैक्स भी निगम लेती है। ऐसे में काबिज लोग कैसे अतिक्रमणकारी हो सकते हैं। शासन-प्रशासन को उजाड़ जाने की योजना पर विचार करते हुए समस्या का समाधान करना चाहिए।

-कासमा, पीड़िता

फिर सिडकुल में लटका मिला मजदूर का शव

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: औद्योगिक आस्थान सिडकुल में एक बार फिर मजदूर का शव पेड़ से लटका होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सोमवार की सुबह 10 बजे सिडकुल चौकी प्रभारी जीसी भट्ट को सूचना मिली कि सिडकुल स्थित सुनसान इलाके में पेड़ में शव लटका हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। पड़ताल में पता चला कि गांव रतनपुर मदनापुर शाहजहांपुर यूपी निवासी 24 वर्षीय गोविंद सिडकुल की कंपनी में काम करता था और अपने दो भाइयों के साथ किराए के मकान में रहता था। बताया कि सोमवार की सुबह वह ड्यूटी के लिए निकला था और सुबह 10 बजे वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने पेड़ से लटके होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घटना की जानकारी ली और फॉरेंसिक टीम ने मौका मुआयना कर साक्ष्य जुटाने की कोशिश की।

गोविंद (फाइल फोटो)।

उधर, चौकी प्रभारी जीडी भट्ट ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में मामला सुसाइड ही लग रहा है। घटनास्थल पर सुसाइड नोट भी नहीं मिला और शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान भी नहीं हैं। बावजूद पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार मरने से पहले मजदूर ने अपने भाई को वीडियो काल किया था। जिसमें उसने आत्महत्या करने की बात कही थी।

चोरी की चेन बेचता दबोचा गया टप्पेबाज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 29 जून को मुकेश ज्वैलर्स की दुकान से हुई टप्पेबाजी की घटना के आरोपी की किस्मत खराब थी या फिर इत्तेफाक था। कारण जिस भाई की दुकान से टप्पेबाजी की, उसी भाजपा पार्षद के शीशगढ़ स्थित भाई के दुकान में टप्पेबाज सोने की चेन बेचने चला गया। इस बीच सूचना पर ट्रांजिट कैंप पुलिस ने दबोच लिया, जबकि पुलिस थाना इलाके में गिरफ्तारी दिखा रही है।

टप्पेबाज के साथ पुलिस कर्मी।

29 जून को दिनदहाड़े एक बाइक सवार ट्रांजिट कैंप मुख्य मार्ग स्थित भाजपा पार्षद मुकेश रस्तोगी की ज्वेलरी की दुकान पर आया और ग्राहक बनकर सोने की चेन दिखाने की बात कहने लगा। जब एक तोले की सोने की चेन पार्षद की पत्नी ने दिखायी तो मौका देखकर आरोपी चेन लेकर रफूचक्कर हो गया। अभी पुलिस आरोपी की तलाश कर ही रही थी कि टप्पेबाज शीशगढ़ बिलासपुर यूपी स्थित भाजपा पार्षद के भाई की ज्वेलरी दुकान पर पहुंचा और सोने की चेन बेचने की कोशिश करने लगा। घटना की जानकारी के कारण दुकान स्वामी ने तत्काल थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने पदमी शीशगढ़ निवासी अंकित कुमार को गिरफ्तार कर लिया, जबकि पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी थाना इलाके से दिखाई है।

अमृत विचार हल्द्वानी संस्करण के स्थापना दिवस एवं चिकित्सक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. मो. आरिफ खान
एम.डी.
प्रयास हॉस्पिटल
टनकपुर रोड, खटीमा (ऊधमसिंह नगर)

अमृत विचार हल्द्वानी संस्करण के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
CHAND & ASSOCIATES
की तरफ से हमारे Nation के वित्तीय संरचना की रीढ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को Chartered Accountants Day की हार्दिक शुभकामनाएँ!

ASSOCIATE PARTNER
- LEGAL MITRA CORPORATE SERVICES PRIVATE LIMITED
- LEGAL SERVICES
- NARAYAN CHAND & ASSOCIATES
- CONSULTANCY SERVICES
- NARAYAN SPORTS CHANDA
- ZORKO KHATIMA RESTAURANT & SIDHARTH HOTEL

हमारी सेवाएँ :-
- आयकर विवरणी • एकाउंटिंग पैकेज
- जी.एस.टी. विवरणी एवं जी. एस.टी. से संबंधित सभी कार्य
- टैक्स ऑडिट • पैन कार्ड • बैलेंस शीट
- लोन प्रोजेक्ट कंपनी रजिस्ट्रेशन
- डिजिटल सिग्नेचर (DSC)
- टी.डी.एस. कार्य
- आदि टैक्स से संबंधित सभी कार्य।

C.A Office - Near Shiv Mandir
Kanjabag Road, Khatima (U.S. Nagar)
8958778819, 9639094484

शतेषु जायते शूरः सहस्रेषु च पण्डितः।
वक्ता दशसहस्रेषु दाता भवति वा न वा।।

सौ लोगों में से एक शूरवीर होता है। हजार लोगों में एक विद्वान होता है। दस हजार लोगों में एक अच्छा वक्ता होता है। वहीं लाखों में बस एक ही दानी होता है।

संपादकीय

कालेज परिसर में दरिंदगी

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा को उसके ही कॉलेज परिसर में घसीटा जाता है, गैंगरेप किया जाता है, वीडियो रिकॉर्ड होता है और उसे धमकी दी जाती है कि अगर किसी से कुछ कहा तो यह वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। सवाल यह है कि कॉलेज का वह परिसर जो पढ़ाई और कानून की समझ के लिए बनाया गया था, वह एक साज़िशी अपराध की जगह कैसे बन गया? सीसीटीवी कैमरे चालू थे, सुरक्षा गार्ड मौजूद थे, मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई है, फिर भी पुलिस ढंग से तभी हरकत में आई जब वीडियो सोशल मीडिया पर तैरने लगा। मुख्य आरोपी अब गिरफ्तार किए जा चुके हैं। क्या मौके से मिले सबूत काफी नहीं थे पुलिस को फ़ौरन कार्रवाई के लिए? या फिर राज्य सरकार को पहले यह तय करना था कि आरोपियों का राजनीतिक संबंध कितना भारी पड़ेगा? क्या इसलिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी इस बार भी उतनी ही स्पष्ट है जितनी आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर के केस में थी? यह पहली बार नहीं है कि कोलकाता के किसी कॉलेज में एक छात्रा के साथ बलात्कार हुआ हो। ठीक दस महीने पहले आरजी कर मेडिकल कॉलेज की इंटर्न डॉक्टर के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ, उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। उस केस में भी तमाम सबूतों के बावजूद कार्रवाई धीमी रही और अब तक न्याय अधूरा है।

सवाल यह है कि क्या कोलकाता के कॉलेज लड़कियों के लिए कैंपस नहीं, क्राइम सीन बनते जा रहे हैं? क्या महिला सुरक्षा अब भी केवल घोषणाओं और चुनावी वादों तक सीमित रहेगी? राज्य सरकार कह रही है कि आरोपी का पार्टी से कोई रिश्ता नहीं, लेकिन ये स्पष्टीकरण तब क्यों आता है जब आरोप गहराने लगते हैं? बीजेपी मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांग रही है, महिला आयोग की टीम को कॉलेज कैंपस में देर से प्रवेश दिया गया क्या यह सच एक लड़की की अस्मिता से बड़ा है? क्या हम फिर वही कहानी दोहराते रहेंगे-पहले रेप, फिर चुप्पी, फिर राजनीति, फिर मीडिया ट्रायल, और फिर धीरे-धीरे भूल जाना? क्या छात्रा की आपबीती, जिसमें वह कहती है कि "मुझे लगा मैं ज़िंदा नहीं बचूंगी," केवल एक सुर्ख़ी बनकर रह जाएगी? समाज, पुलिस, कॉलेज प्रशासन और राजनेता सभी को यह तय करना होगा कि वे पीड़िता के साथ खड़े हैं या आरोपियों की चुप्पी के हिस्सेदार हैं। क्योंकि सवाल अब यह नहीं है कि अगला शिकार कौन होगी, सवाल यह है कि अगली बार भी सब उतने ही चुप रहेंगे क्या?

क्या मशीनें भर सकती हैं धरती का घाव

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
नई दिल्ली

जलवायु न्याय, या क्लाइमेट जस्टिस, एक नैतिक और राजनीतिक अवधारणा है जो जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय संकट न मानकर उसे वैश्विक असमानताओं की एक कड़ी मानती है।

जब धरती की छाती पर मशीनों की सनसनाहट प्रकृति के हृदय की धड़कनों को दबा दे, जब वनों की हरियाली पर कृत्रिम सोल्यूशनों का धुंआ छा जाए, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो उठता है-क्या तकनीक वास्तव में उस करुण क्रंदन का प्रत्युत्तर है जो जलवायु न्याय की मांग करता है? आज मानवता एक ऐसे युग के मुहाने पर खड़ी है जहां एक ओर विज्ञान अपने चमत्कारों से भविष्य गढ़ने का दावा करता है, वहीं दूसरी ओर पृथ्वी, जो मां के समान हमें जीवन देती रही, उसके आंचल पर हमने प्रदूषण, शोषण और उपेक्षा के धब्बे छोड़ दिए हैं। 'क्लाइमेट जस्टिस बनाम क्लाइमेट टेक्नोलॉजी' की यह बहस कोई साधारण विमर्श नहीं, बल्कि सभ्यता के विवेक और वर्चस्व की उस लड़ाई का प्रतीक है जिसमें ग्लोबल नॉर्थ अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारियों से बचकर तकनीकी उपायों की आड़ में नए उपनिवेश रच रहा है, जबकि ग्लोबल साउथ अब भी उन आंधियों को झेल रहा है जो उसने कभी बोई ही नहीं थीं।

जलवायु न्याय, या क्लाइमेट जस्टिस, एक नैतिक और राजनीतिक अवधारणा है जो जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय संकट न मानकर उसे वैश्विक असमानताओं की एक कड़ी मानती है। यह दृष्टिकोण मानता है कि जलवायु संकट का बोझ समान रूप से वितरित नहीं हुआ है, न तो उत्पत्ति के स्तर पर और न ही प्रभाव के स्तर पर। ऐतिहासिक रूप से, ग्लोबल नॉर्थ यानी यूरोप, अमेरिका, जापान जैसे विकसित देश औद्योगिक क्रांति से लेकर अब तक वायुमंडल में सर्वाधिक ग्रीनहाउस गैसें छोड़ते आए हैं। इसके विपरीत, ग्लोबल साउथ जैसे भारत, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया के अन्य विकासशील देश, ऐसे हैं जिन्होंने अपेक्षाकृत कम उत्सर्जन किया है, परन्तु जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों को सबसे अधिक झेला है। यही विसंगति जलवायु न्याय की मूल भावना है।

इस असंतुलन को ठीक करने के लिए 'क्लाइमेट जस्टिस' की परिकल्पना न्याय, उत्तरदायित्व और पुनर्वितरण पर आधारित है।

इसका तात्पर्य यह है कि जिन राष्ट्रों ने इतिहास में अधिक प्रदूषण किया है, उन्हें आज जिम्मेदारी लेनी चाहिए, न केवल अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने की, बल्कि उन विकासशील देशों की सहायता करने की भी जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे हैं। इसमें तकनीकी सहायता, वित्तीय सहायता और जलवायु अनुकूलन के उपाय शामिल हैं। लेकिन समस्या यहीं समाप्त नहीं होती।

जब ग्लोबल नॉर्थ तकनीकी समाधानों की बात करता है, जैसे कि कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी या सोलर जियोइंजीनियरिंग तो यह एक नई बहस को जन्म देता है। क्या यह वास्तव में समस्या का समाधान है या केवल एक और तकनीकी भ्रम है जो मूल कारणों से ध्यान भटका देता है? क्या यह जलवायु संकट की वास्तविक नैतिक और ऐतिहासिक जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने का एक नया उपनिवेशवादी तरीका नहीं है?

कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी, जिसमें उद्योगों या वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को खींच कर ज़मीन के भीतर दफना दिया जाता है, सुनने में आकर्षक लग सकती है। परन्तु यह तकनीक अभी तक व्यावसायिक रूप से सक्षम नहीं हो सकी है और इसके दीर्घकालिक प्रभावों पर भी संशय बना हुआ है। अधिकांश सीसीएस प्रोजेक्ट्स या तो असफल रहे हैं, या फिर इतने महंगे हैं कि इन्हें बड़े पैमाने पर लागू करना व्यावहारिक नहीं दिखता। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इस तकनीक के पीछे छिपा हुआ भाव यह है कि हम अभी भी जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करते रह सकते हैं, क्योंकि हमारे पास "वैकल्पिक उपाय" हैं। यह न केवल एक भ्रम है, बल्कि नैतिक रूप से भी गलत है, क्योंकि यह जलवायु न्याय की भावना को नकारता है।

सोलर जियोइंजीनियरिंग का विचार तो और भी अधिक विवादास्पद है। इस तकनीक में पृथ्वी की सतह पर आने वाली सौर ऊर्जा को नियंत्रित करने के लिए कृत्रिम उपाय किए जाते हैं, जैसे कि स्ट्रैटोस्फीयर में सल्फर डाइऑक्साइड के कण छोड़ना ताकि सूरज की रोशनी को परावर्तित किया जा सके। यद्यपि वैज्ञानिकों ने इसकी कुछ प्रयोगशालाओं में सफलता का दावा किया है, परन्तु इसके दीर्घकालिक और वैश्विक प्रभावों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है। अगर यह प्रयोग असफल हो जाए, तो इसका परिणाम वैश्विक मौसम प्रणाली पर भयानक प्रभाव डाल सकता है जिसमें बाढ़, सूखा, मानसून की विफलता आदि की संभावना है।

अब यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि ऐसी तकनीकें किसके हित में हैं? क्या यह तकनीकें केवल उन राष्ट्रों को सशक्त नहीं करतीं जो पहले से ही अधिक संसाधन, तकनीकी प्रभुत्व और वैश्विक संस्थाओं पर प्रभाव रखते हैं? उदाहरण के लिए, यदि अमेरिका या चीन सोलर जियोइंजीनियरिंग का प्रयोग करते हैं और उसके परिणामस्वरूप भारत या अफ्रीका में सूखा पड़ता है, तो कौन जिम्मेदार होगा? जलवायु परिवर्तन को एक वैश्विक 'कॉमन' मानने की आवश्यकता है, न कि एक प्रयोगशाला जहां कुछ शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए मौसम और प्रकृति के साथ खिलवाड़ करें।

वास्तव में, जलवायु तकनीकों की यह प्रवृत्ति एक नई तरह की उपनिवेशवादी मानसिकता को जन्म देती है- 'ग्रीन कॉलोनियलिज़्म'। पहले उपनिवेशवादी देशों ने वैश्विक दक्षिण से संसाधन लूटे, आज वे अपने प्रदूषण की भरपाई के नाम पर उन्हीं देशों में "कार्बन ऑफसेट प्रोजेक्ट्स" चला रहे हैं। विशाल भूभागों को "कार्बन सिंक" बनाने के लिए किसानों और आदिवासियों की भूमि छीनी जा रही है, उन्हें जंगलों की रक्षा करने का ठेका दिया जा रहा है जबकि उन जंगलों के 'मालिक' अब बहुराष्ट्रीय कंपनियां बन चुकी हैं। यह न तो न्याय है, न विज्ञान, यह एक पॉलिश किया हुआ शोषण है, जिसे अब पर्यावरणीय नैतिकता का लबादा पहनाया जा रहा है।

इस सबके बीच, जलवायु न्याय की पुकार और भी मुखर होती जा रही है। ग्लोबल साउथ के देश बार-बार यह मांग करते आए हैं कि 'लॉस एंड डैमेज' फंड- जिसकी स्थापना कॉप27 में की गई थी, वास्तविक रूप में अमल में आए। यह फंड उन देशों को मुआवज़ा देने के लिए है जो जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसानों से जूझ रहे हैं, जबकि उन्होंने इस संकट में बहुत कम योगदान दिया है। लेकिन अब तक इसमें बहुत कम प्रगति हुई है। तकनीक की आड़ में नैतिक जिम्मेदारी को बार-बार टाल दिया गया है।

इस संबंध में यह जानना भी आवश्यक है कि तकनीक को पूरी तरह खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हां, तकनीकें सहायक हो सकती हैं, अगर उनका प्रयोग जलवायु न्याय के दृष्टिकोण से किया जाए। स्थानीय स्तर पर अनुकूलन तकनीकें, जैसे जल संरक्षण के पारंपरिक उपायों का आधुनिकीकरण, सौर ऊर्जा का स्थानीयकरण, जैविक कृषि में तकनीकी सहायता आदि, वास्तव में न्यायपूर्ण समाधान बन सकते हैं। लेकिन इनका विकास नीचे से ऊपर की प्रक्रिया में होना चाहिए, न कि ऊपर से थोपे गए मॉडल के रूप में।

हम कह सकतें हैं कि तकनीक एक औज़ार हो सकती है, पर वह लक्ष्य नहीं हो सकती। जब तक हम जलवायु संकट को केवल तकनीकी चुनौती मानते रहेंगे, हम उसके वास्तविक समाधान से दूर भागते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति की भरपाई करना केवल विज्ञान की सीमा से परे है-यह एक नैतिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण की मांग करता है और जब तक यह पुनर्निर्माण नहीं होता, तब तक जलवायु न्याय केवल एक नारा रहेगा, और तकनीकें केवल अस्थायी मरहम। हमें मरहम नहीं, उपचार चाहिए- न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ। यही मानवता और प्रकृति दोनों के भविष्य की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

प्रसंगवश

कलाकार और साहित्यकार

कला अनैतिकता की दीमक लगने से एक जर्जर सुंदरता भर होती है, कोई बड़ा असर नहीं छोड़ती। यहां अनैतिकता का कोई पवित्रतावादी तात्पर्य नहीं है, क्योंकि आज नैतिकता के प्रधान स्रोत होने चाहिए-बंधुत्व, स्वतंत्रता और समानता। अतः आज अनैतिक का अर्थ है जो बंधुत्व, स्वतंत्रता और समानता का अपने आचरण में विरोधी है। हाल में एक कलाकार-कवि के अभद्र आचरण को किसी विच्छिन्न घटना के रूप में न देखकर हिंदी समाज में नैतिकता के सार्वभौम पतन के संदर्भ में देखा जा सकता है। हर तरफ हिंसा और पितृसत्ता सहित तमाम सत्ताएं बेलगाम हैं। इस कलाकार-कवि को कुछ ज्यादा घेरा गया, यह कहना भी जरूरी है कि यह कोई हंसने या मजा लेने की घटना नहीं है, यह पतन बड़ा कष्टदायक है। यह भी देखा जा सकता है कि इस घटना का संबंध केवल जेंडर मुद्दे से नहीं है, इस कलाकार-कवि के पुराने बेहूदी प्रकृति के आक्रमणों के लंबे सिलसिले से है जिसकी कड़ी नामवर सिंह, अशोक वाजपेयी आदि से शुरू होती है और उसमें शायद ही आगे सुधार हो। लेखकों पर वैचारिक आक्रमणों का हमेशा स्वागत है, पर क्या हिंदी में ऐसा आक्रमण रत्ती भर बचा है। यह व्यक्तिगत आक्रमण और चुनी हुई चुप्पियों का युग है। यही वजह है कि कई बार हिंदी लेखकों को आत्मप्रचार में उतरना पड़ता है जो एक दयनीय दशा है। दरअसल हिंदी साहित्यिक संसार में सराहना की जितनी गहरी भूख है, उतनी यह दुर्लभ है। इससे बहुत सी अनैतिकताओं और कुंठाओं का जन्म होता है, जिसका असर लेखक की सोच और उसकी साहित्यिक गुणवत्ता पर पड़ता है। बहुत दृढ़ व्यक्ति ही कला और नैतिकता दोनों को जीवन भर साध सकता है। यह प्रेमचंद-प्रसाद-निराला-महादेवी-अज्ञेय-मुक्तिबोध का युग नहीं है! आज हिंदी लेखक अपनी-अपनी छोटी-बड़ी गुमटियों में हैं। कुछ तरह तरह के कारण से अपने को बड़ा लेखक समझते हैं। यह अस्वाभाविक नहीं है। लेकिन इसपर विचार करना चाहिए कि आखिर विश्व मंच पर हिंदी लेखकों की वैसी उल्लेखनीय उपस्थिति क्यों नहीं है जैसी अफ्रीका, लैटिन अमेरिका या एशिया की कई छोटी भाषाओं के लेखकों की भी बड़े पैमाने पर है। महज कलाकार होने और साहित्यकार होने, मनुष्य होने में फर्क है!

शंभुनाथ
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

हादसों से सबक लेने की जरूरत

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है।

धार्मिक उत्सवों में दुर्घटनाओं का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बैंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाईं थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। गुंडिचा मंदिर के पास घटी यह घटना पूरी तरह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर और एसपी विनीत अग्रवाल का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। साफ है, प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिए। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं।

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकि उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। क्योंकि उन पर जो घटना के भयावह दृश्य दिखाई देने लगे थे, उनसे निपटने का तात्कालिक कोई उपाय ही संभव नहीं रह गया था। ऐसी लापरवाही और बदइंतजामी सामने आना चकित करती है। दरअसल रथयात्रा में जो भीड़ उमड़ी थी, उसके अवागमन के प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत थी, उसके प्रति घटना से पूर्व सर्तकता बरतने की जरूरत थी? इसके प्रति प्रबंधन अदूरदर्शी रहा।

मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से लेते हैं। जो भारतीय मेलों के परिप्रेक्ष्य में कतई प्रासंगिक नहीं है। क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। जो इस रथयात्रा में देखने में आई है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता इन्हीं लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया गया था। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ गई और दुर्घटना घट गई। नतीजतन पिछले कुछ समय से सबसे ज्यादा मौतें भगदड़ की घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में उन श्रद्धालुओं की हो रही हैं, जो ईश्वर से खुशहाल जीवन की प्रार्थना करने धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं। साथ ही पिछले दो दशक के भीतर मंदिर हादसों में लगभग 5000 से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। जाहिर है, धार्मिक दुर्घटनाओं से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही है ?

सोशल फोरम

संगठनों की चुप्पी पर सवाल

जब 2009 में शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) लागू हुआ, तब उसके क्रियान्वयन की आधारभूमि तैयार करने में अनेक गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओएस) की भूमिका उल्लेखनीय थी। बाल अधिकार, समावेशी शिक्षा, शत-प्रतिशत नामांकन, समुदाय आधारित निगरानी-इन सब पहलुओं को लेकर इन संगठनों ने सरकार पर दबाव बनाया, शोध प्रस्तुत किए और नीतिगत बदलावों की मांग की। लेकिन आज जब उसी आरटीई की मूल भावना के विरुद्ध उत्तर प्रदेश के कुछ गांवों में पेयरिंग, मर्जर और स्कूल विलय के नाम पर स्कूलों को 'पुनर्गठित' करने की प्रक्रिया ज़ोर पकड़ रही है तो इन संगठनों की चुप्पी गंभीर सवाल खड़े करती है। शिक्षाशास्त्रीय दृष्टि से गांव का स्कूल केवल एक भवन या प्रशासनिक इकाई नहीं होता, वह ग्रामीण समाज की साक्षरता, चेतना और सामाजिक गतिशीलता का केंद्र होता है। ऐसे में स्कूल को भौगोलिक या संख्यात्मक औचित्य के आधार पर बंद या विलीन करना, आरटीई के उस उद्देश्य के विरुद्ध जाता है जो कहता है कि हर बच्चे को निकटतम और सुविधाजनक विद्यालय मिलना चाहिए। यह अपेक्षा की जाती थी कि वही संस्थाएं जो कभी आरटीई के पक्ष में सड़क से संसद तक सक्रिय थीं, वे आज इन निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा करेंगी, बाल हित में सरकार से बात करेंगी और जरूरत पड़ने पर चेतावनी देंगी। लेकिन आज वे लगभग मौन हैं। क्या यह मौन केवल परिस्थितिजन्य है या यह दर्शाता है कि बहुत-सी स्वयंसेवी संस्थाएं अब शिक्षा को बाल अधिकार से अधिक प्रोजेक्ट और पार्टनरशिप के चश्मे से देखने लगी हैं? क्या अब शिक्षा सुधार का मतलब केवल 'डेटा बेस्ड एविडेंस' और 'पॉलिसी ब्रीफ' बन गया है, जिनका उद्देश्य नीति नियंताओं को सहूलियत देना भर है? एक शिक्षाशास्त्रीय समाज में यदि आलोचना, संवाद और प्रतिप्रश्न गायब हो जाएं, तो नीति निर्माण एकांगी हो जाता है। यदि शिक्षा/शिक्षकों के तथाकथित हितैषी संगठन आज चुप रहेंगे, तो कल जब कुछ गांवों से स्कूल गायब हो जाएंगे, तो फिर उनका डेटा, शोध और अनुभव केवल एक निष्क्रिय प्रलेख बनकर रह जाएगा। अब समय है कि ये संस्थाएं पुनः अपने बुनियादी दायित्व की ओर लौटें-बच्चों के लिए बोलें, न कि केवल परियोजनाओं के अनुरूप मौन रहें। **-फेसबुक वॉल से**

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

चिकित्सक दिवस पर विशेष

डॉक्टरों को व्यवस्था की मार से बचाइए

रोहित कौशिक
वरिष्ठ पत्रकार

आज सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टरों को बेहतर माहौल देने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए हमारी स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की जरूरत है।

आम तौर पर हमारे समाज में डॉक्टरों के क्रियाकलापों को लेकर एक अजीब सी नकारात्मता मौजूद रहती है। कई बार सच्चाई को स्वीकार न करके उन्हें खलनायक सिद्ध करने की कोशिश भी की जाती है। डॉक्टरों के खिलाफ आम धारणा यह है कि वे ऑपरेशन करने के लिए लालायित रहते हैं। पैथोलॉजी लैबों, मेडिकल स्टोरों और एक्सरे, सीटी स्कैन, एमआरआई करने वाले डायग्नॉस्टिक्स सेंटरों से कमीशन वसूलते है। इसलिए आवश्यकता न होते हुए भी रोगियों को जानबूझकर इन डायग्नॉस्टिक्स सेंटरों पर जाने के लिए मजबूर करते हैं। डॉक्टरों के खिलाफ इन धारणाओं में कुछ हद तक या फिर काफी हद तक सच्चाई हो सकती है लेकिन इन धारणाओं के आधार पर समूचे चिकित्सक जगत को बदनाम करना तर्कसंगत नहीं है। व्यावसायिकता के इस दौर में भी आज अनेक डॉक्टर समर्पण के साथ चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

हम सबका यह कर्तव्य है कि विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले ऐसे डॉक्टरो के जज्बे को नमन करते हुए चिकित्सा जगत में पनपनी विभिन्न विसंगतियों का गंभीरतापूर्वक विश्लेषण किया जाए। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हम डॉक्टरों के गलत क्रियाकलापों पर तो हल्ला मचा देते हैं लेकिन उनके अच्छे क्रियाकलापों पर उतनी गंभीरता से ध्यान नहीं देते हैं। फलस्वरूप समाज में डॉक्टरों के खिलाफ एक नकारात्मकता छायी रहती है। कोरोना काल में हमारे डॉक्टरों ने जिस समर्पण, बहादुरी और जज्बे के साथ समाज की सेवा की है, वह सराहनीय है। ऐसे समय में जबकि एक आम आदमी को एक-दो घंटा मास्क लगाने में भी दिक्कत महसूस होती है, हमारे डॉक्टरों ने दिन-रात पीपीई किट पहनकर और मास्क लगाकर पसीने में नहाते हुए अपने काम को अंजाम दिया है। हो सकता है कि इस आपदा को कुछ डॉक्टरों ने अवसर में तब्दील कर दिया हो लेकिन इस आधार पर पूरी डॉक्टर बिरादरी को बदनाम करना क्या तर्कसंगत है? कई बार डॉक्टरों के साथ मरीजों के परिजनों द्वारा मारपीट की घटनाएं भी प्रकाश में आती हैं। इस वजह से डॉक्टर स्वयं के ऊपर जिम्मेदारी न लेकर कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहता है। यही कारण है कि वह पहले ही सब तरह के परीक्षण करा लेना चाहता है।

कई बार सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टर संसाधनों के अभाव में भी बेहतर कार्य नहीं कर पाते हैं। अनेक जगहों पर सरकारी अस्पतालों में वर्षों तक मशीने खराब पड़ी रहती हैं। डॉक्टरों द्वारा विभाग को कई पत्र लिखने के बाद भी व्यवस्था में सुधार नही होता है। ऐसे माहौल में योग्य डॉक्टरों का उत्साह कम हो जाता है और उन्हें निराशा का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम डॉक्टरों के समर्पण को व्यवस्था की मार से बचाएं।

आज सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टरों को बेहतर माहौल देने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए हमारी स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की जरूरत है। पिछले दिनों नीति आयोग ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च बढ़ाने की जरूरत बताई थी। नीति आयोग के सदस्य वी. के. पाल ने कहा था कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और उन्हें देश के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए केन्द्र और राज्यों को मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की मद में खर्च को बढ़ाना होगा। यह कटु सत्य है कि हमारे देश में आबादी के हिसाब से स्वास्थ्य सेवाएं दयनीय स्थिति में हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में जीडीपी का मात्र डेढ़ फीसद ही खर्च होता है। हालांकि सरकार ने अगले पांच साल में इसे तीन फीसद तक करने का लक्ष्य रखा है। जबकि हमारे देश के हिसाब से यह भी कम है। दुनिया के कई देश स्वास्थ्य सेवाओं की मद में आठ से नौ फीसद तक खर्च कर रहे हैं। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करती दिखाई तो दे रही है लेकिन उसका प्रयास व्यावहारिक रूप से क्रियान्वित होता दिखाई नहीं दे रहा है। इस प्रगतिशील दौर में भी ऐसी अनेक खबरें प्रकाश में आई हैं कि जब अस्पताल गरीब मरीज के शव को घर पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं करा पाए। दरअसल संसाधन सीमित होने तथा व्यवस्था में सुधार न होने के कारण डॉक्टर बेवजह बदनाम होते है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों अमेरिका के 'सेंटर फॉर डिजीज डाइनामिक्स, इकॉनॉमिक्स एंड पॉलिसी' (सीडीडीईपी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में लगभग छह लाख डॉक्टरों और 20 लाख नर्सों की कमी है। भारत में 10,189 लोगों पर एक सरकारी डॉक्टर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक हजार लोगों पर एक डॉक्टर की सिफारिश की है। हमारे देश में व्यवस्था की नाकामी और विभिन्न वातावरणीय कारकों के कारण बीमारियों का प्रकोप ज्यादा होता है। हालांकि यह सुखद है कि इस माहौल में भी अनेक डॉक्टर अपने पेशे की गरिमा को बचाए हुए है। अनेक पर्यावरणीय कारणों से भविष्य में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ेगा। सरकार इस दिशा में लगातार कदम उठा रही है लेकिन इस मुद्दे पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

चिंताजनक है जातीय विद्वेष

उत्तर प्रदेश में जातीय उन्माद फन फैला रहा है। इसके पहले कि कालिया नाग रुपी यह जातीय विद्वेष पूरे समाज को विषाक्त कर दे प्रशासन को कालिया दमन के पुराणोक्त चरित्र में योगेश्वर श्रीकृष्ण का अनुगमन करना होगा। यह क्या देखा जा रहा है कि कहीं स्वघोषित अहीर रेजिमेंट उत्पात मचाये हुए है तो कहीं भीम आर्मी पुलिस से पंगे ले रही है। इटावा में तो हद ही हो गई है जहां कथित यादव रेजीमेंट पुलिस पर पथराव ही नहीं किया गाड़ियां तक तोड़ दीं। दादरपुर गांव में जाति पूंछकर इंट्री देने की खबर है। इलाहाबाद में तो पांच हजार की संख्या में भीमराव आंबेडकर के अनुयायी होने का उद्घोष करने वाली भीड़ ने ऐसा उत्पात मचाया कि आस-पास के जिलों से पुलिस बुलानी पड़ी। क्या इसका अर्थ यह है कि प्रशासनिक मशीनरी ऐसी स्थितियों का पूर्वाभास नहीं कर पाई। और सामान्य और शांत जनजीवन में खलल डालने वाली घटनाएं उस सरकार में घट रही हैं जिसकी प्रशासनिक कुशलता की नज़ीरें दूसरे प्रांतों में दी जाती हैं। किंतु कहीं न कहीं कुछ ढ़िलाई या नरमी तो जरुर है भले ही वह अनचाहे हो या फिर किसी छुपे मंतव्य के चलते जानबूझकर। ताकि जनता भी सरे आम सड़क पर उतरती गुंडई का साक्षात कर सके। यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि ये उपद्रवी अपने नेताओं की शह पर अपनी पर उतर रहे हैं, बिना आगा पीछा सोचे। और यह सब 2027 के चुनाव के लिए जमीन और आबोहवा तैयार हो रही है। वर्तमान सरकार को उभरते जातीय उन्मादियों को सार्वजनिक अथवा निजीतौर पर समझा देना चाहिए कि उनकी सीमाएं क्या हैं। उनके साथ किसी भी तरह की नरमी न बरती जाए। अन्यथा प्रदेश में जातीय उन्माद कहीं व्यापक रुप से फैलकर विस्फोटक स्थिति में न पहुंच जाए।

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

सिसैया, जंगल जोगीटेर बाढ़ चौकी का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने जगबुड़ा नदी और शारदा नहर के तटबंधों का लिया जायजा, बाढ़ चौकियों को तत्काल 2-2 लाख जारी करने के निर्देश

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने विभागीय अधिकारियों के साथ क्षेत्र की बाढ़ चौकियों, ऐंठा नाला, नगला तराई में शारदा नहर के निर्माणाधीन तटबंधों और नेपाल सीमा पर बहने वाली जगबुड़ा नदी का मेलाघाट में स्थलीय निरीक्षण किया।

डीएम भदौरिया ने सोमवार को मेलाघाट बाढ़ चौकी सिसैया और जंगल जोगीठेर का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ चौकियों के बाहर दूरभाष नंबर सहित होर्डिंग लगाने को कहा। उन्होंने कार्मिकों की तैनाती 24 घंटे और अपने-अपने क्षेत्र के नदी-नालों के जल स्तर पर पैनी नजर रखने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ संबंधी तत्काल सूचनाऐं तहसील व जिला कंट्रोल रूम को देना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी बाढ़ चौकियों में आवश्यक फर्नीचर, सामग्री और सुदृढ़ीकरण के लिए 2-2 लाख रुपये की धनराशि जारी करने के निर्देश आपदा प्रबंधन अधिकारियों को दिए।

जिलाधिकारी भदौरिया ने अधिशाषी अभियंता सिंचाई सितारगंज व सहायक अभियंता सिंचाई उत्तर प्रदेश व संबंधित अधिकारियों के साथ नगला तराई के शारदा नहर के गतवर्ष टूटे तटबंध के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने मेलाघाट के जगबुड़ा नदी के तटबंधों का निरीक्षण किया। अधिशाषी अभियंता सिंचाई ने बताया कि जगबुड़ा नदी में बांध बनाने और तटबंधों के निर्माण हेतु 4.8 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। धनराशि प्राप्त होने पर कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। जिस पर डीएम भदौरिया ने अधिशाषी अभियंता को धनराशि उपलब्ध कराने हेतु उच्चाधिकारियों से बात करने को कहा।

निरिक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, एसडीएम तुषार सैनी, अधिशाषी अभियंता सिंचाई आनंद सिंह नेगी, लोनिवि एस के अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

जगबुड़ा नदी और शारदा नहर के टूटे तटबंध के मरम्मत कार्य को देखते डीएम।

खटीमा में तापमान गिरा, 34 मिमी वर्षा हुई

खटीमा। सोमवार सुबह पांच बजे से शुरू हुई रिमझिम वर्षा लगातार दोपहर बाद तक होती रही। पिछले तीन दिनों से रुक रुककर हो रही वर्षा से तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। राजकीय इंटर कालेज स्थित मौसम केंद्र प्रभारी एनएस रौतेला ने बताया कि 34 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है वहीं तापमान गिरकर अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 डिग्री रहा।

देवहा का जलस्तर बढ़ने से दाह ढाकी के ग्रामीण हुए चिंतित

खटीमा, अमृत विचार : ग्राम दाह ढाकी में देवहा का ज्यों ज्यों जलस्तर बढ़ रहा है ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ने लगी है। अमरिया क्षेत्र के दूनीडाम से लगे दाह ढाकी में बाघ की दहशत के साथ-साथ देवहा का जलस्तर बढ़ने से स्थानीय किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। पर्वतीय क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश से सीमांत नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका से नदी किनारे बसे किसानों व फसलों को नुकसान होने का अंदेशा है।

8 पीसीपीएनडीटी के लिए प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर चर्चा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक की। इसमें 8 पीसीपीएनडीटी पंजीकरण एवं 4 नवीनीकरण के प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर चर्चा की। साथ ही पंजीकरण एवं नवीनीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए शीघ्र मानक के अनुसार पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए।

सोमवार को जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि विकासखंडवार कम लिंगानुपात वाले क्षेत्रों में निरीक्षण बढ़ाये जाएं। राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही मुखबिर योजना का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि जनपद के प्रत्येक शहरी क्षेत्र में मुखबिर योजना का फ्लेक्स लगाये जाएं और बड़े शहरों रुद्रपुर एवं काशीपुर में 3-3 होर्डिंग्स व फ्लेक्स लगाए जाएं।

चिकित्सालयों, पुलिस विभाग, एसडीएम ऑफिस में भी मुखबिर योजना के होर्डिंग्स व फ्लेक्स लगाए जाएं। उन्होंने पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 का कड़ाई से पालन करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए। उन्होंने अप्रैल से जून 2025 में किये गये निरीक्षण की सराहना की। जिन केंद्रों में एक्ट्रिव ट्रेकर डिवाइस क्रियाशील नहीं हैं ऐसे केंद्रों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम के लिए व्यापक रूप से कार्य किये जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

सार-संक्षेप

शांतिपुरी में महिला स्वास्थ्य कर्मियों को सामूहिक विदाई देते ग्रामीण।

महिला स्वास्थ्य कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी

शांतिपुरी : शांतिपुरी राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत एएनएम राधिका धामी, एएनएम हीरा मेहता व महिला हेल्थ विजिटर गंगा धामी की सेवानिवृत्ति हुई। उनकी सेवानिवृति पर क्षेत्रीय ग्रामीणों, पूर्व सैनिकों एवं महिला समूहों की ओर से पंचायत भवन परिसर शांतिपुरी नंबर दो में सामूहिक विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह में एएनएम राधिका धामी समेत सभी महिला कर्मियों के बेहतर सेवाकाल की ग्रामीणों ने जमकर प्रसंशा की और उन्हें माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर भावपूर्ण विदाई दी। शांतिपुरी में लंबे समय से सेवारत एएनएम राधिका धामी अपने मधुर स्वभाव एवं प्रसव में जुड़वां बच्चे पैदा कराने तथा जटिल एवं हाई रिस्की प्रसव को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए जानी जाती रही हैं। विदाई समारोह में पूर्व जिलापंचायत सदरस्य विनोद कोरंगा, दीपा प्रेम आर्या, चंद्रकला बिशन कोरंगा, रीता कोरंगा, भुवन चंद्र बुघानी, सैनिक संगठन अध्यक्ष दिगम्बर प्रसाद जोशी, नारायणी कोरंगा, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, दीपा नारायण कोरंगा, दुग्ध निदेशक इन्दर मेहता, जगदीश काण्डपाल, विमला कैलाश जोशी, आशा कार्यकर्ती दीपा कोरंगा मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आकर किशोरी घायल

बाजपुर : बल्ब लगाते वक्त विद्युत करंट की चपेट में आकर किशोरी घायल हो गई। ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी 17 वर्षीय हिना सोमवार की प्रात : करीब सात बजे अपने घर पर बल्ब लगा रही थी। बताया जाता है कि एक विद्युत तार हाथ में टच होने पर उसे करंट लग गया जिसके चलते जोर का झटका लगने पर वह दूर जा गिरी। उसके चीखने की आवाज सुनकर परिजनों के साथ ही आसपास के लोग पहुंच गए और किशोरी को आनन-फानन में ही सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

आज लगाया जाएगा रक्तदान शिविर

काशीपुर : अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन शाखा इकाई काशीपुर और लायंस क्लब काशीपुर ग्रेटर के संयुक्त तत्वावधान में सरकारी अस्पताल के ब्लड बैंक में मंगलवार को सुबह नौ बजे से रक्तदान शिविर लगाया जायेगा। वैश्य फेडरेशन के जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल और महानगर अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल नागलिया ने रक्तदान को महादान बताते हुए वैश्य समाज के लोगों से रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने आह्वान किया है।

ससुरालियों पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया

बाजपुर : विवाहिता ने पति व अन्य ससुरालियों पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए कोतवाली में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला भौना निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि विवाह होने के बाद से ही पति उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट, अभद्र व्यवहार करता है और दिनभर शराब में नशे में रहता है एवं उसे जान से मारने की धमकी देता है। इतना ही नहीं सास भी उसे जलाकर मारने की धमकी दे रही है। ननद, जेठ, जेठानी आदि भी मारपीट कर रहे हैं।

उद्यमियों को लाइसेंस जारी करने की मांग उठाई

काशीपुर : केजीसीसीआई अध्यक्ष ने कृषि सचिव से विकास उपकर की वसूली एवं लाइसेंस जारी न किए जाने से व्यापार में बाधा और उच्च न्यायालय के आदेश की प्रतीक्षा तक व्यापार को सुचारू रखने रूप से जारी रखने का आग्रह किया है। कुमायूं गढ़वाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इण्डस्ट्री (केजीसीसीआई) के अध्यक्ष अशोक बंसल ने कृषि विभाग के कृषि सचिव को पत्र भेजकर कहा है कि राज्य की कुछ मंडी समितियों द्वारा विकास उपकर की वसूली को लेकर लाइसेंसी उद्यमियों को लाइसेंस जारी नहीं किए जा रहे हैं, जिससे व्यापार प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में पूर्व में भी अवगत कराया है कि मैन्युफैक्चरिंग / प्रोसेसिंग के लिये राज्य में लाए गए कृषि उत्पादों पर मंडी शुल्क/ विकास उपकर लगाना संवैधानिक प्रावधानों एवं सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के विपरीत है।

अशोक बंसल।

मेहरबान नगर में बाघ ने गाय को किया घायल

खटीमा : उत्तर प्रदेश उत्तराखंड सीमावर्ती गांव दाह ढाकी के बाघ की दहशत के बाद आज उस समय मेहरबान नगर के लोगों में भी बाघ की दहशत फैल गई। जब बाघ ने एक गाय को घायल कर दिया वहीं शिकार गाय के पास खड़े दो ग्रामीण भी बाघ के हमले से बाल-बाल बचे। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ गाय को घायल अवस्था में छोड़कर भाग गया। सोमवार की सुबह मेहरबान नगर गांव में बाघ ने गाय को घायल कर दिया। जिससे ग्रामीणों में बाघ को लेकर भारी दहशत है और लोग खेतों में काम करने से कतराने लगे हैं। बाघ के डर से धान की रोपाई में विलंब हो रहा है और किसानों में वन विभाग को लेकर रोष है। बता दें कि 18 जून को जादोपुर में धान रोपाई के दौरान बाघ ने ट्यूबवेल पर पानी पीते समय पीलीभीत के बीसलपुर ग्राम खन्ना निवासी जितेंद्र सिंह को अपना शिकार बना डाला था।

खटीमा में नगरपालिका अध्यक्ष के समक्ष समस्या रखते वार्ड 12 के लोग।

वार्ड वासियों ने पालिकाध्यक्ष के समक्ष रखीं समस्याएं

खटीमा : नगरपालिका वार्ड संख्या 12 के सभासद लक्ष्मण भंडारी के नेतृत्व में आदि गुरु शंकराचार्य वाली गली के निवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी को ज्ञापन भेजकर रोड एवं नाली निर्माण की मांग की। वार्डवासियों ने कहा कि पंद्रह वर्षों से इस गली वासियों को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। वार्ड में स्थित स्कूल जाने वाले बच्चों को भी बरसात में आने जाने की दिक्कत होती है। पिछले कई सालों से वार्डवासियों द्वारा रोड एवं नाली निर्माण एवं मिट्टी भरने की मांग की जा रही है। पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने आश्वासन दिया कि वार्डवासियों की वर्षों से की जा रही मांग का जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, एससी मोर्चे के अध्यक्ष नवल वाल्मीकि, प्रकाश आर्या, मीना लोहनी, नरेश बत्रा, अनीता चंद आदि मौजूद रहे।

पीओपी करते वक्त पाड़ से गिरकर मिस्त्री घायल

बाजपुर : एक भवन में पीओपी करते वक्त पाड़ से गिरकर मिस्त्री घायल हो गया जिसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। अंबेडकर नगर आयोध्या निवासी 39 वर्षीय रमेश सोमवार को मोहल्ला सूद कॉलोनी में एक भवन में पीओपी लगा था। बताया जाता है कि इसी बीच सुबह करीब 11 बजे अचानक पैर फिसलने के चलते असंतुलित होकर पाड़ से नीचे गिर गया। घटना से वहां काम कर रहे अन्य श्रमिकों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घर के सामने शराब पीने से मना करने पर किया हमला

बाजपुर : घर के सामने शराब पीने से मना करने पर अपने भाई एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर परिजनों पर हमला करने का आरोप लगा पीड़ित ने कोतवाली में चार लोगों को नामजद करते हुए तहरीर दी है। वार्ड-तीन रामभवन निवासी विशाल ठाकुर ने पुलिस को बताया कि रविवार की देर रात करीब दस बजे वह अपने घर के बाहर बैठने आया तो देखा कि पहले से ही कुछ लोग शराब पीकर गाली-गलौज कर रहे थे। उसने मना किया तो एक युवक गाली-गलौज करते जान से मारने की धमकी देने लगा। कुछ देर बाद आरोपी युवक अपने भाइयों एवं 8-10 अन्य साथियों के साथ आ धमका और जबरन घर में घुसकर मारपीट की।

पूर्व सैनिक से नौ लाख रुपये की साइबर ठगी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : साइबर क्राइम करने वालों ने मुंबई की क्राइम ब्रांच में एफआईआर दर्ज होने और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बताते हुए एक पूर्व सैनिक से नौ लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने दो दिनों तक लगातार वीडियो कॉल पर रख होम अरेस्ट का आरोप लगाया है।

कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में चकरपुर निवासी पूर्व सैनिक गोपाल सिंह ने बताया है कि 24 जून को उसके मोबाइल नंबर पर एक महिला ने फोन कर कहा कि आपका आधार का गलत दुरुपयोग हो रहा है। जिस कारण आपके विरुद्ध एक एफआईआर क्राइम ब्रांच मुंबई में दर्ज हुई है। यह भी कहा कि आपके नाम एक सिम निकाला गया है। इतना ही नहीं महिला ने पीड़ित के आधार नंबर का मिलान करवाने के बाद एक दूसरे युवक से कॉन्फ्रेंस पर बात करवाई। युवक ने पीड़ित से कहा कि आपके नाम से मनी लॉन्ड्रिंग का काम हो रहा है और आपके खातों की जांच होनी है। आप अपने खाते में जमा पैसा बताओ इसके बाद पीड़ित व्यक्ति ने अपने सारे खातों की जानकारी उसको दे दी। तत्पश्चात साइबर ठगों के कहने पर पीड़ित व्यक्ति से बैंक जाकर साइबर ठगों द्वारा बताए गए खाते में चार लाख जमा करने को कहा। बाद में पीड़ित व्यक्ति से 26 जून को साइबर ठगों द्वारा एक दूसरे खाते में पांच लाख जमा करवाए गए। पीड़ित ने कहा है कि 24 जून से 26 जून तक उसको लगातार वीडियो कॉल पर होम अरेस्ट कर दिया गया।

पत्नी को गायब करने का आरोप

बाजपुर, अमृत विचार : मायके आई पत्नी को लेने आए युवक ने ससुरालियों पर उसकी पत्नी को गायब करने एवं गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा कोतवाली में तहरीर दी है। दूनी टौंक देवली राजस्थान निवासी पिंटू वैरवा ने पुलिस को बताया कि उसने वर्ष 2022 में बाजपुर के एक गांव निवासी युवती के साथ प्रेम विवाह किया था। पत्नी के परिवार वाले भी इस शादी से सहमत थे और कोई रंजिश एवं मनमुटाव नहीं था। विवाह के बाद पति-पत्नी राजस्थान में राजी-खुशी रहने लगे और उनके पास करीब दो वर्ष का बेटा भी है। 16 जून को उसकी पत्नी मायके आई थी और यहां से 23 जून को फोन करके राजस्थान वापस आने की जानकारी दी, लेकिन इसके बाद न तो पत्नी घर पहुंची और न ही उससे कोई संपर्क हो पाया।

पंजीकरण के लिए किया प्रेरित

- सहायक आयुक्त राज्य कर उर्मिला पिंचा ने दी जानकारी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : राज्य कर विभाग में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या में वृद्धि किये जाने को लेकर रामलीला ग्राउंड इंद्रा कॉलोनी में जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान कारोबारियों को विभाग में पंजीकरण कराने की विस्तृत जानकारी दी गयी।

सोमवार को सहायक आयुक्त राज्य कर खंड-3 रुद्रपुर उर्मिला पिंचा के नेतृत्व में जागरूकता शिविर लगाया गया। जिसमें उपस्थित लोगों को पंजीयन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इस दौरान सहायक आयुक्त राज्य कर उर्मिला पिंचा ने बताया कि छोटे कारोबारी भी जिनकी मौद्रिक सीमा से कम का व्यापार है पंजीयन करा सकते हैं। जिससे उन्हें अपने कारोबार को विधिक रूप से संचालित करने में सुगमता रहती है। सरकारी बैंक लोन और सरकार द्वारा व्यापारी हितों के लिए लागू बीमा योजना का लाभ भी मिलता है। उन्होंने बताया कि निविदा प्राप्त करने के लिए संविदाकार के रूप में पंजीयन प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। छोटे व्यापारी पंजीयन के बाद कम्पोजिशन स्कीम के तहत तिमाही बिक्री विवरण दाखिल करते हुए सरलता से एक पंजीकृत व्यापारी के रूप में अपना व्यापार संचालित कर सकते हैं। राज्य कर अधिकारी चंद्रकला पंचपाल ने अधिक से अधिक पंजीयन के लिए कारोबारियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संजय उपाध्याय समेत अभि अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, समीर सिंह, अमित सरकार, नरेश घई, मनोज कालरा, संजय रामू, राकेश छाबड़ा मौजूद रहे।

कारोबारियों को जानकारी देतीं सहायक आयुक्त राज्य कर उर्मिला पिंचा।

एआरएम और वरिष्ठ केंद्र प्रभारी हुए सेवानिवृत्त

काशीपुर : रोडवेज डिपो के एआरएम और वरिष्ठ केंद्र प्रभारी के सेवानिवृत्त होने पर समारोह आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई। सोमवार को रोडवेज डिपो परिसर में एआरएम देशराज सिंह अंबेडकर व वरिष्ठ केंद्र प्रभारी हरेंद्र सिंह नितवाल के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यूपी के बरेली निवासी एआरएम अंबेडकर अक्टूबर 2024 से जून 25 तक एआरएम के पद पर कार्यरत रहे। वहीं मुनस्यारी निवासी वरिष्ठ केंद्र प्रभारी हरेंद्र नितवाल जनवरी 2018 से जून 2025 तक काशीपुर डिपो में वरिष्ठ केंद्र प्रभारी के पद पर तैनात रहे। इस दौरान एआरएम व वरिष्ठ केंद्र प्रभारी को बुके व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

शिविर में 103 यूनिट रक्त का संचय किया

बाजपुर में रक्तदान करते कोतवाल प्रवीण सिंह कोश्यारी।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : डॉ. हरिओम पांडेय चिकित्सालय में स्थित सेवा चैरिटेबल ब्लड बैंक में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 103 यूनिट रक्त का संचय किया गया।

शिविर का शुभारंभ सुप्रसिद्ध सर्जन डॉ. हरिओम पांडेय, पुलिस क्षेत्राधिकारी विभव सैनी, कोतवाल बाजपुर प्रवीण सिंह कोश्यारी, विहिप गौरक्षा विभाग के प्रांत मंत्री यशपाल राजहंस, डा.हरिओम पांडे, सेवा चैरिटेबल ब्लड बैंक के डायरेक्टर डा.सतीश दीक्षित, वरुण वशिष्ठ, विहिप जिला अध्यक्ष तेजप्रकाश शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया।

स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती को लेकर सपा ने किया प्रदर्शन

बाजपुर : उपजिला चिकित्सालय में रक्त पदों पर चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती की मांग को लेकर युवाओं एवं सपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सरकारी अस्पताल परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। साथ ही मांगों से संबंधित मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएमएस डा.पीडी गुप्ता को सौंपा। ज्ञापन में सरकारी अस्पताल में रिक्त पड़े 35 पदों पर तुरंत तैनाती करवाने, 28 जून की रात सांप के डसने से गंभीर अवस्था में पहुंची महिला की उपचार के अभाव में मृत्यु मामले की मजिस्ट्रेटी जांच करवाने की मांग की गई है। इस मौके पर उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि, सपा नेता अरविंद यादव आदि मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते अतिथि।

सामूहिक विवाह में 10 जोड़े बंधे पवित्र बंधन में

सितारगंज : सामाजिक समरसता और सेवा भाव का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए महाराजा अग्रसेन धर्मार्थ ट्रस्ट व भारत विकास परिषद द्वारा संयुक्त रूप से सरल सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 10 निर्धन व जरूरतमंद जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र विवाह बंधन में बंधे। समारोह की शुरुआत रामलीला भवन से हुई, जहां से रथों पर सजे दूल्हों की बारात बैंड-बाजों व ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते ट्रस्ट परिसर तक पहुंची। वहां सजे पंडाल में नवविवाहित जोड़ों का विधिवत विवाह सम्पन्न कराया गया। विवाह पश्चात सभी नवदम्पतियों को ट्रस्ट व परिषद की ओर से गृहस्थ जीवन के प्रारंभ के लिए उपहार भेंट किए गए। ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश सिंघल एवं परिषद अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि यह आयोजन समाज के वंचित तबके को सम्मानजनक जीवन देने, सामाजिक कुरीतियों को मिटाने और सामाजिक एकता को सशक्त करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। आशीर्वाद देने वालों में रोशन लाल अग्रवाल, शिवकुमार मित्तल, सुरेश अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी महेश मित्तल शामिल रहे।

सुल्तानपुर पट्टी का नाम बदलने का किया विरोध

प्रस्ताव पारित करने के बाद ज्ञापन सौंपते सभासद। ● अमृत विचार

संवाददाता, सुल्तानपुर पट्टी

अमृत विचार : नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का नाम बदलकर "कौशल्यापुरी" किए जाने के प्रस्ताव के खिलाफ अब विरोध खुलकर सामने आने लगा है।

नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित विशेष बैठक में सभासदों ने सर्वसम्मति से इसका विरोध करते हुए प्रस्ताव पारित किया और अधिशासी अधिकारी की अनुपस्थिति में ज्ञापन कर संग्रहकर्ता मोहम्मद आरिफ को सौंपा। बैठक में सभासद जॉनी मौर्य को अध्यक्ष और शमीम खां को संचालक चुना गया। ज्ञापन देने वालों में जाहिद हुसैन, शाहिद हुसैन, सुंदरी देवी, जॉनी मौर्य, शमीम खां, सभासद प्रतिनिधि कैलाश दिवाकर मौजूद रहे।

पहल

गुरुमत शिक्षा समर कैंप का समापन, कैंप में योगदान देने के लिए किया सम्मानित

नई पीढ़ी से बुराइयों से दूर रहने का आह्वान

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : गुरुद्वारा साहिब में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर की धर्म-प्रचार बिंग के तत्वावधान में पिछले 15 दिन से चल रहे गुरुमत शिक्षा समर कैंप का सोमवार को विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार कुलविंदर सिंह किंदा ने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी बुराइयों से दूर रहने, सत मार्ग पर चलने की प्रेरणा ऐसे ही गुरुमत शिक्षा शिवरों से प्राप्त होती है।

हमारी आने वाली नस्लों को अपनी मातृभाषा, गुरुओं की शिक्षा का ज्ञान व आध्यात्मिकता के महत्व के साथ-साथ खुद को स्वावलंबी बनने की शिक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिख पंथ के नव में गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वीं शहीदी दिवस पर गुरुमत विद्या प्राप्त कर रहे बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे जिसमें पूरा समागम एक दिन के लिए बच्चों को समर्पित होगा। संचालन एसजीपीसी के स्थानीय प्रचारक भाई मंजीत सिंह ने किया। इस मौके पर प्रतिभाग करने वाले बच्चों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

समापन अवसर पर एसजीपीसी धर्म प्रचार विंग के सिख मिशन उत्तराखंड प्रभारी सुखविंदर सिंह एमए, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान कुलविंदर सिंह किंदा, ब्रह्म ज्ञानी बाबा बुड्ढा साहिब ग्रंथी सभा के अध्यक्ष सुरजीत सिंह, हरदयाल सिंह, कुलदीप सिंह बाजवा, मंगा सिंह, सतनाम सिंह बल, गुरदेव सिंह, अवतार सिंह सैनी, हरजिंदर सिंह, जितेंद्र अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

उधर, गुरुमत सिखलाई कैंप में योगदान देने के लिए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा द्वारा ब्रह्मज्ञानी बाबा बुड्ढा साहिब ग्रंथी सभा से जुड़े ग्रंथियों भाई सुरजीत सिंह दोराहा, अवतार सिंह मानपुर, गुरदेव सिंह बाजावाला, कुलवंत सिंह कुंदनपुर, श्रीपाल सिंह किशनपुर, चमनदीप सिंह बेदी फार्म, हरमीत कौर, सितरनजीत कौर आदि को सहयोग के लिए सिरोपाओं, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कैंप में योगदान के लिए ग्रंथी सभा के अध्यक्ष सुरजीत सिंह को सम्मानित करते लोग।

एक नजर

चार दिन पहले नहर में डूबे मजदूर का शव बरामद

खटीमा : नेपाल से मजदूरी कर बाइक पर घर लौटते समय रेलिंग से टकराकर शारदा नहर में गिरे युवक का शव सोमवार शाम नहर में बरामद हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

27 जून को नेपाल में मजदूरी कर बाइक पर घर लौट रहे तुर्का तिसौर सितारगंज निवासी फरियाद और इस्लामनगर निवासी शमशाद की बाइक अनियंत्रित होकर कालापुल पर शारदा नहर की रेलिंग से टकरा गई थी। जिसमें फरियाद नहर में डूब गया था जबकि शमशाद को बचा लिया गया था। उसी समय से पुलिस, एसडीआरएफ और पीएसी को गोताखोर टीम फरियाद की तलाश में जुटी थी लेकिन नहर जलस्तर अधिक होने से उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। आज चौथे दिन फरियाद का शव बड़ी बगुलिया के सामने नहर में तैरता देखा गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

अलास्का बिल्डर्स पर लगा ठगी का आरोप, कुमाऊं आयुक्त के आदेश पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

रिटायर्ड फौजी की पत्नी को प्लॉट दिखाकर हड़पे 12 लाख

धोखाधड़ी 1

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बागेश्वर की रहने वाली रिटायर्ड फौजी की पत्नी को प्लॉट दिखाकर बिल्डर द्वारा लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कुमाऊं आयुक्त के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर धोखाधड़ी की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गांव बमसेरा भराड़ी कपकोट बागेश्वर निवासी मनसा देवी ने कुमाऊं आयुक्त को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसके पति वर्ष 2009 में सेना से रिटायर्ड हुए हैं। बताया कि एक दिसंबर 2018 को बिल्डर ने अलास्का ग्रीन दो स्थित कॉलोनी में एक प्लॉट दिखाया जो कि इंदिरा कॉलोनी के संतलाल से खरीदा था। प्लॉट दिखाने के बाद वर्ष 2018 से वर्ष 2019 तक बिल्डर को 12 लाख रुपये का भुगतान कर दिया और जमीन की रजिस्ट्री भी हो गई, लेकिन जब मालिकाना हक देने का नंबर आया तो टालमटोल किया जाने लगा। उन्होंने बताया कि पटवारी से पड़ताल कराई तो पटवारी ने बताया कि इस कॉलोनी की सभी जमीन बिक चुकी है और अब बैनामा नहीं हो सकता है। आरोप था कि कई बार बिल्डर सतपाल यादव के कार्यालय के चक्कर काटे, लेकिन बिल्डर कभी मिलता नहीं था। कभी झूठे आश्वासन देकर पैसा वापस करने की बात कहता रहता था। काफी चक्कर काटने के बाद आखिरकार फौजी की पत्नी ने कुमाऊं आयुक्त को खत लिखकर अपनी व्यथा बताई। जिसके बाद आयुक्त के आदेश पर पुलिस ने बिल्डर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

111.52 वर्ग मीटर का प्लॉट दिखाकर हड़पे 5.50 लाख रुपये

धोखाधड़ी 2

रुद्रपुर : भू-माफिया द्वारा 111.52 वर्गमीटर का प्लॉट दिखाकर 5.50 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। कुमाऊं आयुक्त के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मल्ला गोरखपुर हल्द्वानी निवासी रीता पांडेय ने बताया कि प्रीत नगर मलसी निवासी अरविंद कुमार शर्मा ने गांव भमरौला स्थित 111.52 वर्गमीटर का प्लॉट दिखाया था। 3 अगस्त 2019 को 4.40 लाख का भुगतान कर दिया। भुगतान के वक्त कॉलोनाइजर द्वारा अतिरिक्त स्टांप शुल्क के नाम पर कुल 5.50 लाख का भुगतान करवाया और रजिस्ट्री कर खुटा बंदी यानी निशानदेही भी कर दी। फरवरी 2024 को एक व्यक्ति आया और खुटा बंदी उखाड़कर प्लॉट पर अपना स्वामित्व बताने लगा। जब विक्रेता से संपर्क किया तो आरोपी भी टालमटोल करने लगा और मोबाइल बंद कर दिया। जिसके बाद से वह मानसिक अवसाद से गुजरने लगी और उसे आर्थिक व मानसिक नुकसान भी झेलना पड़ा। पीड़िता ने कुमाऊं आयुक्त को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किराएदार ने संपत्ति हक में डाला अपना नाम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शांति कॉलोनी भदईपुरा में किराएदार द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति हक में अपना व परिवार का नाम दर्ज किए जाने मामला सामने आया है। पुलिस ने अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शांति कॉलोनी भदईपुरा निवासी 60 वर्षीय होरी लाल ने बताया कि उसके मकान में मंगलसेन उर्फ टीटी निवासी बहादुर गंज करसौली बिलासपुर यूपी अपने परिवार के साथ किराए पर आया था। साजिश के तहत उसके निरक्षर होने का फायदा उठाते हुए अपने आधार कार्ड सहित दस्तावेजों पर कागजात तैयार किए। कागजात में अपने पिता कुंवर सेन के स्थान पर उसका नाम लिख दिया। इतना ही नहीं उसके राशन कार्ड के अलावा संपत्ति हक में अपना नाम डाल दिया। जब इसकी भनक लगी तो किराएदार को मकान खाली करने को कहा। आरोप था कि दबाव बनाने पर किराएदार हाथापाई पर उतारू हो गया और जान से मारने की धमकी भी देने लगा। बुजुर्ग का आरोप था कि किराएदार संपत्ति हड़पने की नीयत हत्या भी कर सकता है।

धोखाधड़ी 3

- साजिश रच बुजुर्ग के भी करा लिए हस्ताक्षर, किराएनामे में डाल दिया मालिक का नाम

सार-संक्षेप

दिनेशपुर में देवभूमि व्यापार मंडल कालीनगर के नवनिर्वाचित पदाधिकारी।

राजकुमार अध्यक्ष व आशीष महासचिव चुने गए

दिनेशपुर : देवभूमि व्यापार मंडल कालीनगर के राजकुमार साहा अध्यक्ष व डॉ. आशीष तरफदार सर्वसहमति से महासचिव चुने गए। इसके साथ छह पदाधिकारी व 11 सदस्यों को चुनकर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। वरिष्ठ व्यापारी नेता नारायण चंद्र साहा की अध्यक्षता में व्यापारियों की बैठक की गई। सर्वसहमति से राजेंद्र सरकार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सरजीत साहा व मनजीत मिस्त्री सचिन, विक्रम सरकार कोषाध्यक्ष, प्रकाश जोशी सकोषाध्यक्ष व किशोर हालदार ऑडिटर चुने गए। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास व देवभूमि व्यापार मंडल दिनेशपुर अध्यक्ष राजेश नारंग ने नई कार्यकारिणी गठन होने पर सभी पदाधिकारी को बधाई दी। इस मौके पर कालीनगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष शेखर मंडल, नारायण सरकार, मनोज मंडल, दीपक राय, प्रकाश दफादार, सुकोमल मंडल, शंभूनाथ विश्वास, कमलेश साहा, विकास स्वर्णकार आदि सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

कंपनी कर्मचारियों ने कर दी 8.15 लाख की हेराफेरी

रुद्रपुर : मैसर्स इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम करने वाले दो कर्मचारियों ने अपनी ही कंपनी का सामान बदल डाला और लाखों की हेराफेरी को अंजाम दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कंपनी के अधिकृत ऑफिसर विनोद सिंह सिरोही ने बताया कि वह कंपनी का अधिकृत ऑफीसर है और कंपनी में ही मोहम्मद अमन और मोहम्मद अरबाज निवासी सैफ खान सराय संभल यूपी भी कर्मचारी हैं। कंपनी वर्ष 2013 से लॉजिस्टिक एवं ट्रांसपोर्ट डिलीवरी आदि का कार्य करती है। बताया कि 3 फरवरी को दोनों ही कर्मी डिलीवरी के लिए गए थे और 7 फरवरी को वापस लौटे। उन्होंने बताया कि जब डिलीवरी की पड़ताल की तो पता चला कि जिस सामान की डिलीवरी भेजी गई थी। उस सामान की अदला बदली कर नकली सामान रख दिया गया। जिस कारण फर्म को 8.15 लाख रुपये का नुकसान हुआ। आरोपियों ने हेराफेरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं अभियुक्तों ने अपने संपर्क सूत्र भी बंद कर दिए हैं। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी है।

यूएस नगर में मॉक ड्रिल से बाढ़ की तैयारियों को परखा

गदरपुर, सितारगंज, नानकमत्ता और काशीपुर में आयोजित हुई मॉकड्रिल, जिला आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र से हुई मॉनिटरिंग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी व अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नितिन सिंह भदौरिया के निर्देशन में जनपद में चार स्थानों पर वर्षाकाल में बाढ़ व जल भराव को लेकर मॉकड्रिल हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मॉकड्रिल अतिआवश्यक है, मॉकड्रिल से हम अपनी तैयारियों को परखते हैं व अपनी कमियों को दूर करते हैं। मॉकड्रिल गूलरभोज जलाशय गदरपुर, अरविंद नगर सितारगंज, हेमपुर इस्माइल काशीपुर व नानकमत्ता जलाशय में आयोजित की गई।

सोमवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन पंकज उपाध्याय ने बताया कि गूलरभोज व हरिपुरा डैम गदरपुर घटना स्थल से प्राप्त सूचना के अनुसार गूलरभोज व हरिपुरा डैम क्षेत्र में फंसे करीब तीन परिवारों के 25 सदस्यों बचाव के लिए पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, एनडीआरएफ द्वारा राहत-बचाव कार्य किया जा रहा है। घटनास्थल से एक गंभीर को ऋषिकेश एम्स हॉस्पिटल भेजा गया है। चार व्यक्तियों को जिला चिकित्सालय लाया गया है, दो व्यक्तियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गदरपुर भेजा गया है, जबकि 18 व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया।

आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र से मॉकड्रिल की मॉनिटरिंग करते डीएम। ● अमृत विचार

काशीपुर में बाढ़ में फंसे एक व्यक्ति का रेस्क्यू करती टीम। ● अमृत विचार

काशीपुर में तहसील दिवस स्थगित

रुद्रपुर : जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के दृष्टिगत एक जुलाई को काशीपुर में आयोजित तहसील दिवस स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आदर्श आचार संहिता की समाप्ति तक तहसील दिवस स्थगित कर दिए गये हैं।

मॉकड्रिल में नदियों में फंसे बच्चों-लोगों को निकाला

सितारगंज : आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए सोमवार को सितारगंज व नानकमत्ता में व्यापक मॉकड्रिल आयोजित की गई। इसमें बाढ़ जैसे आपदा के हालात में तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सूखी नदी, बैगुल व नानकसागर में फंसे छात्रों, बच्चों और ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया। सुबह 9.57 बजे से शुरू हुए इस मॉक अभ्यास में कंट्रोल रूम को जैसे ही सूचना मिली, एसडीएम खटीमा तुषार सैनी के निर्देश पर एसडीआरएफ टीम नावों व मेडिकल टीम के साथ घटनास्थलों पर रवाना हुई और 10.17 बजे तक छात्रों को सकुशल निकालने की सूचना आ गई। इसी बीच नानकसागर में नाव डूबने की सूचना पर तहसीलदार हिमांशु जोशी ने मोर्चा संभाला और राहत-बचाव कार्य को अंजाम दिया गया। मॉकड्रिल में रेडक्रॉस, स्काउट गाइड, अग्निशमन, पशुपालन, जल संस्थान, पुलिस, पीआरडी, होमगार्ड समेत सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। शक्तिफार्म जीआईसी में हेलीपैड की व्यवस्था रही, वहीं वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ का रेस्क्यू कर सबको चौंका दिया। 57वीं वाहिनी एसएसबी के अफसरों ने पर्वेक्षक के रूप में मॉकड्रिल की निगरानी की और संपूर्ण आपदा तैयारी को सफल बताया।

बाढ़ आने से पूर्व हेमपुर इस्माइल में किया अभ्यास

काशीपुर : बाजपुर रोड स्थित हेमपुर इस्माइल में बाढ़ आने और ग्रामीणों के बाढ़ में फंसने की सूचना पर प्रशासन अलर्ट हो गया। मौके पर पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य, फायर, रेडक्रॉस, एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम को देख वहां के लोग इकट्ठा हो गए। बाद में किसी न जब बताया कि मॉकड्रिल चल रही तो उन्होंने राहत की सांस ली। मॉक ड्रिल के दौरान टीम ने बाढ़ में फंसे पांच लोगों को रेस्क्यू कर निकाला और इलाज के लिये अस्पताल ले गई। पूरे मॉक ड्रिल का जिला आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र रुद्रपुर के सभागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग की गई। सोमवार की सुबह सूचना प्राप्त हुई कि अत्यधिक वर्षा के कारण हेमपुर इस्माइल में बहल्ला नदी का जलस्तर बढ़ गया है। अत्यधिक जलभराव के कारण कुछ लोग फंस गये हैं। जिससे प्रशासन अलर्ट हो गया। सुबह 10.26 बजे आईटीआई थाना प्रभारी कुंदन सिंह रौतेला पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गये। टीम ने मौके पर पहुंचने के रास्ते पर खड़े वाहनों को हटवा दिया। 10.28 बजे एनडीआरएफ, स्वास्थ्य, रेडक्रॉस, फायर, होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंच गई। एनडीआरएफ इंस्पेक्टर ने टीम को दिशा निर्देश देकर रेस्क्यू शुरू किया। वहीं पुलिस ने 10.30 बजे हाइवे पर जीरो जोन कर दिया। 10.37 बजे बाढ़ के पानी में फंसे पहले व्यक्ति को रेस्क्यू कर एंबुलेंस तक लाया गया। वहीं 10.40 बजे सीओ दीपक कुमार व 10.41 बजे तहसीलदार पंकज चंदोला भी मौके पर पहुंच गये। 10.47 बजे तक टीम ने पांच लोगों को रेस्क्यू किया। जिन्हें एंबुलेंस से डिग्री कॉलेज में बनाये गये स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। जहां डॉ. गोविंदर सिंह व चीफ फार्मासिस्ट विनोद भट्ट की टीम द्वारा उनका इलाज किया गया।

इसी तरह अरविंद नगर सितारगंज, हेमपुर इस्माइल काशीपुर व नानकमत्ता जलाशय में मॉकड्रिल आयोजित की गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमा शंकर नेगी ने बताया कि चारों स्थानों पर राहत बचाव टीमों में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, सीओ सहित पुलिस के 54, मेडिकल के 36, फायर ब्रिगेड के 32, एसडीआरफ के 8, एनडीआरफ के 17, वन विभाग के 10, होमगार्ड के 28, एम्बुलेंस 6, पशु चिकित्सा के 8 चिकित्सकों एवं कार्मिकों द्वारा चारों जगह मौका अभ्यास सफलतापूर्वक कराया गया।

वहीं मॉकड्रिल का जिला आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र रुद्रपुर के सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग की गई। इसमें अपर जिलाधिकारी (वि/रा) कौस्तुभ मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ.उत्तम सिंह नेगी, आरडी मठपाल, ओसी आपदा प्रबंधन गौरव पांडेय, एसीएमओ डॉ.एसपी सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.अभय सक्सेना, सीएफओ ईशान कटारिया, ईई सिंचाई बीएस डांगी, पेयजल सुनील जोशी, विद्युत उमाकांत चतुर्वेदी, एनडीआरीफ, एसडीआरफ आदि के अधिकारी उपस्थित रहे।

फॉरेंसिक टीम की तर्ज पर जनपद पुलिस भी जुटाएगी साक्ष्य

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अब संगीन वारदातों में जनपद पुलिस को फॉरेंसिक टीम की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। कारण फॉरेंसिक की तर्ज पर पुलिस भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने का प्रयास करेगी और आवश्यकता पड़ने पर ही फॉरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया जाएगा। जिसको लेकर आईजी कुमाऊं के आदेश पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने अधीनस्थों को प्रशिक्षण दिया।

सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि किसी भी घटनास्थल पर सबसे पहले पुलिस पहुंचती है और उस वक्त साक्ष्य जुटाना बेहद जरूरी होता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईजी कुमाऊं के आदेशानुसार फॉरेंसिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोई भी संगीन वारदात होने पर बेहतर फॉरेंसिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल होना बेहद जरूरी है। इसमें सबसे अहम अपराध स्थल प्रबंधन, उन्नत फिंगरप्रिंट विश्लेषण, ट्रेस साक्ष्य का संग्रह, फॉरेंसिक फोटोग्राफी, डीएनए साक्ष्य संग्रह प्रोटोकॉल और बैलिस्टिक व दस्तावेज जांच की बुनियादी समझ है। उन्होंने बताया कि इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को जोड़कर बेहतर साक्ष्य जुटा सकते हैं और साक्ष्य मजबूत व पुख्ता होंगे तो अपराधी की गिरफ्तारी व वारदात का जल्द पर्दाफाश भी होगा। यही कारण है कि पुलिस मुख्यालय वैज्ञानिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने की पहल कर चुकी है। इस मौके पर क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक अधिकारी हेमंत होलकर, कुमारी सोनी, निरीक्षक पुनीता बलोदी ने भी अपने अनुभव को साझा किया।

फॉरेंसिक प्रशिक्षण देते एसएसपी मणिकांत मिश्रा। ● अमृत विचार

वर्ग पहेली-18

बाएं से दाएं

1. 1. जो नियम के अनुकूल न हो 2. जो कार्य व्यवस्थानुसार न चले 3. विधि व्यवस्था का अनुसरण न होना।
3. घुटनों तक लंबा, घुटनों तक लटकता हुआ।
5. (व्याकरण) संबंध को जोड़ने वाला।
6. 1. गोल छोटी थाली, तश्तरी 2. घोड़े की बगल में लटकने वाली तलवार।
8. 1. छोटी रस्सी जिससे चौपायों के दो पैरों को एक दूसरे से सटाकर बांध देते हैं ताकि वे दूर तक भाग न सकें

ऊपर से नीचे

1. 1. अनुबोध करने वाला, अनुबोध कराने वाला 2. आलोक-पत्र।
2. 1. दिशा, ओर 2. बगल, किनारा 3. पक्ष।
4. बादशाह, सम्राट।
5. 1. वहन करना, ले जाना 2. हवा
7. 1. लकड़ी या काठ से निर्मित 2. जिसका छिलका मोटा और कड़ा हो 3. जिसका गूदा कड़ा हो।

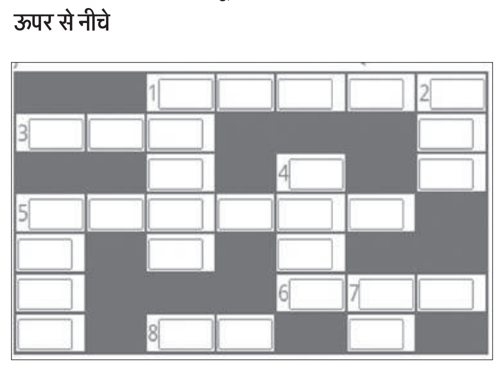

वर्ग पहेली -17 का हल

1 छि	न	वा	ना			2 प
				3 फ	फो	ला
		4 ढौं		ड़		
5 प	6 रि	चा	रि	क		7 आ
	टा			ना		द
	य					ह
8 वि	र	ह	नि	वे	द	न

सुडोकू -25

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7		3		6	4		9	
	8		5			6		2
6		5	2	8				
		9			2		8	3
	5		3	4		9		
3		1		9			5	4
	9				6			
1			9			3		8
	3		8			5		

सुडोकू - 24 का हल

8	7	9	3	2	6	5	1	4
6	3	5	1	8	4	2	7	9
4	2	1	9	7	5	8	6	3
5	9	6	8	4	7	3	2	1
2	8	4	5	3	1	6	9	7
7	1	3	6	9	2	4	5	8
3	5	2	7	1	8	9	4	6
1	4	8	2	6	9	7	3	5
9	6	7	4	5	3	1	8	2

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी-10.20 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

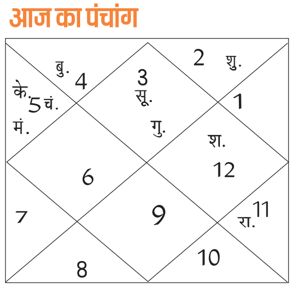

दिशाशूल- उत्तर ऋतु- ग्रीष्म।

चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 08.54 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष: आज करियर को लेकर किसी से अधिक सलाह लेना उचित नहीं है। लवमेट के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं। सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। अपने क्रोध को नियन्त्रित करके शांति से काम लें।

वृष: आज परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में कुछ नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी परेशानी रहेगी। कोर्ट केस में विजय मिल सकती है। पहले की गई मेहनत आज सुखद परिणाम दे सकती है। छात्र पढ़ाई-लिखाई को लेकर चिन्तित रहेंगे।

मिथुन: आज आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार के साथ बैठकर गम्भीर विषयों पर चिन्तन करेंगे। सरकारी कार्यों से धन लाभ मिलेगा।

कर्क: आज व्यवसाय में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। घर में अतिथियों का आगमन होगा। बड़े भाई-बहनों के साथ व्यवहार में कड़वाहट हो सकती है। जॉब को बदलने का विचार बना सकते हैं। धर्म के प्रति मन में आस्था कम हो सकती है।

सिंह: आज आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। बाहरी लोगों के ऊपर अपना समय बर्बाद न करें। बड़े अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धार्मिक आयोजन में जानें का अवसर मिल सकता है। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कन्या: आज आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा। बच्चों से व्यवहार अच्छा रखें। घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। आपका मन किसी कारण खराब हो सकता है। नए लोगों से दोस्ती करने से बचें।

तुला: आज अपना मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर के बाद आपको शुभ समाचार मिलेंगे। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

वृश्चिक: आज कार्यक्षेत्र में भावुकता में आकर निर्णय नहीं लें। समय का बेहतरीन सदुपयोग कर पायेंगे। शाम के समय बाहर डिनर के लिए जा सकते हैं। प्रेम-प्रसंग में नजदीकी बढ़ेगी। बच्चों के साथ समय बितायेंगे। जॉब को लेकर इन्टरव्यू दे रहे हैं तो सफलता अवश्य मिलेगी।

धनु: आज आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। मन में अज्ञात भय पनप सकता है। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें।

मकर: आज ऑफिस में आपके कार्यों की लोग आलोचना कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिए। आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा।

कुंभ: आज जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा। परिवार के सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। किसी सरकारी मामले में विजय होने की सम्भावना है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परोपकार के कार्यों में मन लगायेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

मीन: आज कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतुष्ट रहेंगे। किसी समारोह में सम्मिलित होने का विचार बनायेंगे। आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें। आप जिन अवसरों को तलाश रहे थे वे आपको प्राप्त हो सकते हैं।

निर्वाचन कार्य पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ करें पूर्ण

उदय शंकर नाट्य अकादमी में आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम, रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता, अल्मोड़ा

उदय शंकर नाट्य अकादमी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद कार्मिक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम उदय शंकर नाट्य अकादमी में आयोजित किया गया। कार्मिकों को निर्वाचन कार्यों को गंभीरता एवं निष्ठा से करने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने प्रतिभाग किया एवं उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया की संवेदनशीलता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समयसारणी के अनुसार कार्य करते हुए अपनी भूमिका का निर्वहन गंभीरता एवं निष्ठा से करें। उन्होंने नामांकन प्रक्रिया, मतदाता सूची, आदर्श आचार संहिता, सामग्री प्रबंधन एवं मतगणना प्रक्रिया आदि से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी देते हुए इन पर विशेष ध्यान देने को कहा। मौके पर मास्टर ट्रेनरों अपर सांख्यिकी अधिकारी अशोक कुमार, प्रवक्ता कपिल नयाल तथा विनोद राठौर द्वारा मौजूद अधिकारियों को पंचायत निर्वाचन प्रक्रिया की तकनीकी जानकारी दी गई एवं विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनरों ने उपस्थित अधिकारियों को नामांकन की प्रक्रिया, प्रतीक चिन्ह आवंटन, मतपत्र, मतपेटी, निर्वाचन प्रक्रिया, पंचायतराज अधिनियम समेत अन्य पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान रिजर्व समेत कुल 155 चुनाव अधिकारियों का प्रशिक्षण हुआ जिसमें 26 रिटर्निंग अधिकारी एवं 129 सहायक रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं। यहां डीडीओ एसके पंत समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संदिग्ध गतिविधियों पर रखें सतर्क दृष्टि

अल्मोड़ा : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने भी कमर कस ली है। सोमवार को थानाध्यक्ष धौलछीना ने थाना परिसर में क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों की बैठक ली। उन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए। मौके पर थानाध्यक्ष विजय नेगी ने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियां पाई जाने पर उसकी सूचना तत्काल थाने में दें। कहा कि सभी को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दृष्टिगत सतर्क रहते हुए गांव में रंजिश, आपसी विवाद, लड़ाई-झगड़े आदि की सूचना तत्काल थाने में देने, नशा संबंधी सामग्री बेचने के सूचना देने के भी निर्देश ग्राम प्रहरियों को दिए।

पंचायत चुनाव को लेकर तैयारी पूरी

बागेश्वर, अमृत विचार : जनपद में पंचायत चुनाव के लिए प्रशासन पूर्ण रूप से तैयार है। जनपद में 461 मतदान केंद्रों में चुनाव के लिए 2565 कर्मचारी लगाए हैं। तीन विकास खंडों के लिए तीन रिटर्निंग अधिकारी और जिला पंचायत चुनाव के लिए एक रिटर्निंग अधिकारी लगाए हैं। अब तक आपदा की दृष्टि से 40 बूथ चिन्हित कर लिए गए हैं। उक्त जानकारी जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने एक पत्रकार वार्ता में देते हुए बताया कि जनपद में तीन आरओ ग्राम पंचायत व एक आरओ जिला पंचायत सदस्य के चुनाव पर नजर रखेंगे व 36 एआरओ तैनात किए हैं। बताया कि जनपद को 55 सेक्टर में बांटा गया है। आपदा के दौरान चुनाव संपन्न कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रशासन इसे चुनौती के रूप में ले रहा है। कपकोट क्षेत्र आपदा की दृष्टि से काफी संवेदनशील है जिसके लिए प्रशासन ने पूरी तैयारियां की है तथा आपदा प्रभावितों को पूर्ण मदद दी जा रही है। कहा कि कपकोट में 32 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम व सात सदस्यीय एसडीआरएफ की टीम तैनात है तथा तीन वैली ब्रिज भी उपलब्ध कराए गए हैं। कहा कि किसी भी समय आपदा के लिए प्रशासन त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार है साथ ही चुनाव के समय इसके लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उनके साथ अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, जिलासूचना अधिकारी क्षितिज वर्मा आदि रहे।

आरओ और एआरओ को दिया प्रशिक्षण

पिथौरागढ़, अमृत विचार : आगामी पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर पिथौरागढ़ के विकास भवन सभागार में सोमवार को जिले के सभी आरओ और एआरओ को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान पंचायत चुनाव के लिए नियुक्त किए गए सभी नोडल अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी विनोद गोस्वामी ने सभी नोडल अधिकारियों के साथ ही आरओ और एआरओ को निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। साथ ही निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी मौजूद अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

भूस्खलन से एनएच बंद, यातायात थमा

संवाददाता, पिथौरागढ़

● टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाइवे घाट के पास कई घंटे तक बंद रहा, मार्ग सुचारू करने के लिए चलते रहे प्रयास

अमृत विचार : टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे सोमवार सुबह से घाट के पास कई घंटे तक बंद रहा। दरअसल, घाट बैंड के पास पहाड़ी से भारी भूस्खलन हो गया। जिसके चलते इस सड़क पर यातायात थम गया।

इस दौरान सड़क के दोनों तरफ सैकड़ों वाहन घंटों तक जाम में फंसे रहे। जाम में फंसे यात्री परेशान दिखे और सड़क खुलने का इंतजार करते रहे। यात्रियों का कहना था कि सड़क बंद होने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों ने कहा कि भूस्खलन वाली जगह पर प्रशासन को सड़क खोलने के लिए और अधिक इंतजाम करने चाहिए, ताकि सड़क से जाने वाले लोगों को परेशानी न हो। हालांकि प्रशासन द्वारा सुबह से ही सड़क खोलने के लिए मशीने लगा दी गई थी। कई बार सड़क खुली भी, लेकिन पहाड़ से लगातार मलबा और पत्थर गिर रहे थे। जिसकी वजह से सड़क खोलने के कार्य में बाधा हुई। प्रशासन का कहना है कि सड़क पर मशीन लगातार काम कर रही है और उनका प्रयास यातायात सुचारू करने का है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का जिला महिला सम्मेलन आयोजित

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला महिला सम्मेलन में मौजूद लोग।

अमृत विचार : कुंवर जंगबहादुर चन्द सरस्वती शिशु मंदिर में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का जिला महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के दर्जनों मातृशक्ति ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रान्तीय कार्यकारणी सदस्य कान्ति बल्लभ जोशी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जंगबहादुर चन्द सरस्वती शिशु मन्दिर के प्रधानाचार्य दिवाकर परिहार,विशिष्ट अतिथि पंकज शर्मा सरस्वती शिशु मंदिर शिशु वाटिका की प्रधानाचार्य शान्ति भट्ट, जनपद चम्पावत के अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रियंक खर्कवाल मुख्य वक्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने संगठन के बारे में लोगों को अवगत कराते हुए आह्वान किया वे अपनी ग्राह्य शक्ति को समझें गुणवत्ता, मात्रा,और मूल्यों का खास ख्याल रखते हुए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के साथ जुड़ें। जिससे कि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस दौरान कार्यक्रम में कान्ति बल्लभ जोशी, दिवाकर परिहार, प्रियंका खर्कवाल, शान्ति भट्ट, आरती भारती, सुनीता भट्ट, सीता, जानकी, दिव्या जोशी, गीता, लक्ष्मी, शिवानी, रेखा पाण्डेय, आशा, मीना, मनीषा, राजकिशोर, अश्विनी कुमार भट्ट, सुंदर सिंह, हीरा बल्लभ भट्ट, राजेंद्र बिष्ट, बद्री दत्त जोशी, आदि मौजूद रहे।

पूर्व सैनिक प्रेम सिंह दिगारी का निधन

पिथौरागढ़, अमृत विचार : देश के लिए 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक सूबेदार मेजर प्रेम सिंह दिगारी का 86 वर्ष की आयु में बरेली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही पिथौरागढ़ नगर में शोक की लहर दौड़ गई।

पूर्व सैनिक संगठन ने उनके तिलढुकरी स्थित निवास पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। पूर्व सैनिकों द्वारा उनके पार्थिव शरीर पर तिरंगा ओढ़ाकर अंतिम सलामी दी गई और पुष्प चक्र अर्पित किए गए। दिवंगत 1961 में बंगाल इंजीनियर रेजीमेंट से सेना में भर्ती हुए थे और 28 वर्षों तक सेवा देने के बाद 1989 में सेवानिवृत्त हुए। रामेश्वर घाट पर उनके पुत्र पूर्व सैनिक देवेंद्र सिंह दिगारी ने चिता को मुखाग्नि दी।

भू-कटाव का किया निरीक्षण

संवाददाता, टनकपुर

छीनीगोठ में हुड्डी नदी से हो रहे भू कटाव का निरीक्षण करते एसडीएम आकाश जोशी।

अमृत विचार : टनकपुर क्षेत्र के ग्राम छीनीगोठ में हुड्डी नदी द्वारा हो रहे भू-कटाव की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर उपजिलाधिकारी टनकपुर आकाश जोशी एवं सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नदी के कटाव से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण कर स्थिति का आकलन किया। नदी द्वारा किए जा रहे भू-कटाव से ग्रामीणों की बस्तियों और कृषि भूमि को संभावित खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिस पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

एसडीएम आकाश जोशी ने निर्देश दिए भू-कटाव को रोकने के लिए तात्कालिक सुरक्षात्मक कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए, दीर्घकालिक स्थायी समाधान के लिए सिंचाई विभाग विस्तृत कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करें तथा स्थानीय स्तर पर सभी संबंधित विभागों के समन्वय से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के बाद एसडीएम एवं सहायक अभियंता सिंचाई विभाग द्वारा मौके पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि कटावग्रस्त क्षेत्र में शीघ्र आवश्यक तकनीकी उपाय प्रारंभ किए जाएं, ताकि जनहानि और भूमि संरक्षण की संभावनाएं रोकी जा सकें। इस दौरान एसडीओ सिंचाई आरके यादव, पुलिस विभाग एसएसबी आदि टीम रहे।

गायक देवांश के गीतों पर झूमे लोग

अल्मोड़ा, अमृत विचार: सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में दस दिवसीय कुमाऊं महोत्सव जारी है। रविवार देर रात लोक कलाकारों ने शानदार गीतों की प्रस्तुति देकर महोत्सव में रंग जमा दिया। वहीं, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ।

नगर के जीआईसी खेल मैदान में आयोजित कुमाऊं महोत्सव में नृत्य प्रतियोगिता का सेमीफाइनल हुआ। इसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न गानों पर एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं, स्टार नाइट में देवांश शर्मा ने प्रस्तुति देकर रंग जमाया। उनकी ओर से बम भोले बम, बेड़ू पाको बारह मासा आदि की प्रस्तुति दी गई। वहीं लखन कुमार ने नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। अध्यक्षता डॉ. नीलम बिष्ट ने किया। यहां मुख्य अतिथि प्रकाश जोशी, मनोज वर्मा, मनोज सनवाल, सुशील शाह, अमरनाथ नेगी, राजेंद्र तिवारी, जगदीश आदि मौजूद रहे।

लायंस क्लब के अनुराग अध्यक्ष और गौरव अग्रवाल बने सचिव

● दीपक जैन को कोषाध्यक्ष तथा रचित को बनाया गया उपाध्यक्ष

संवाददाता, टनकपुर

अनुराग अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, दीपक जैन और रचित मेहरोत्रा।

अमृत विचार: लायंस क्लब द्वारा होटल में वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नई कार्यकारणी का गठन किया गया।

वर्ष 2025-2026 के लिए सर्व सम्मति से अनुराग अग्रवाल को अध्यक्ष, गौरव अग्रवाल को सचिव, दीपक जैन को कोषाध्यक्ष तथा रचित मेहरोत्रा को उपाध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया।

क्लब के चुने गए नए अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि इस इस बार जुलाई माह में पौधारोपण व मेंहदी प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और अक्टूबर माह में भव्य लायन्स दीपावली मेला आयोजित किया जाएगा ।उन्होंने आने वाले समय में सामाजिक कार्यों को बढ़ाने का भरोसा दिया। लायन वैभव अग्रवाल ने सभी लायन साथियों का वर्ष भर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर क्लब के आलोक अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, रचित महरोत्रा दीपक छतवाल, अंकित अग्रवाल ,संजय अग्रवाल ,विनय अग्रवाल,दीपक शारदा, आलोक अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, शलभ शर्मा, पुनीत शारदा, क्रांति मोहन सक्सेना, विकास गुप्ता,अरुण अग्रवाल,राजीव आर्य, मोहित अग्रवाल, संजय छतवाल, दर्पण अग्रवाल आदि मौजूद रहीं।

दो अफसरों का वेतन रोकने के दिए निर्देश

लोहाघाट/चम्पावत: डीएम मनीष कुमार ने पाटी विकास खंड में पंचायत चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। खंड विकास अधिकारी कार्यालय में तैनात दो सहायक खंड विकास अधिकारियों के क्षेत्र में उपस्थित न होने पर गहरी नाराजगी जताते हुए उन्होंने उनका वेतन रोकने के निर्देश जिला विकास अधिकारी को दिए। डीएम ने पाटी ब्लाक कार्यालय में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रचार साहित्य के डंप पड़े रहने और उनके वितरण न होने पर भी रोष जताया और डीडीओ को खंड विकास अधिकारी से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। डीएम ने तहसील कार्यालय में चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेखों, मतदाता सूचियों का रखरखाव, मतदान केंद्रों की जानकारी, स्ट्रांग रूम में रखे बैलेट बाक्सो, कर्मचारियों की तैनाती योजना और चुनाव सामग्री के भंडारण स्थलों की व्यवस्थाओं को देखा।

टनकपुर-मथुरा रेल सेवा 31 तक बढ़ी

टनकपुर, अमृत विचार : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए पूर्व से 30 जून तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार को चलाई जा रही टनकपुर-मथुरा जं.-टनकपुर विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार 31 जुलाई तक किया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, ठहराव, समय एवं रेक संरचना के अनुसार चलाई जायेगी। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि विस्तारित अवधि में 05062 टनकपुर-मथुरा जं. विशेष गाड़ी मथुरा कैंट स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी एवं 05061 मथुरा जं0-टनकपुर विशेष गाड़ी मथुरा कैंट से चलाई जायेगी। यह गाड़ी मथुरा कैंट से मथुरा जं. के मध्य निरस्त रहेगी।

सूचना

मैं अपने पुत्र प्रभजोत एवं उसकी पत्नी कनिका अरोरा को उनके अभद्र व्यवहार एवं लड़ाई-झगड़े से आहत होकर उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए उनसे अपने सम्बन्ध विच्छेद करता हूँ। भविष्य अपने कृत्यों एवं लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। इसमें मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
- परगट सिंह पुत्र श्री मेजर सिंह, निवासी रोशनपुर, तहसील गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर।

सूचना

मैं अपने पुत्र निमाई मण्डल और पुत्रवधू राशिका मण्डल को उनके व्यवहार से परेशान होकर सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके द्वारा किए गए कृत्यों, लेनदेन के जिम्मेदार वे स्वयं होंगे। - **निर्मल मण्डल पुत्र नरेन मण्डल, निवासी राजनगर, शक्तिफार्म (उधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड।**

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत नगरीय वितरण खण्ड
नैनीताल रोड, तिकोनिया, हल्द्वानी (नैनीताल)-263139
उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
फोन एवं फैक्स : 05946-220172 **E-mail : eddhld@yahoo.com**

पंत्राक : 2654 / वि०वि०ख०(ह०)/ **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 30/06/2025

हल्द्वानी क्षेत्र एवं गौलापार क्षेत्र के अन्त्तगत आने वाली समस्त सम्मानित जनता को सादर अवगत करना है कि वर्तमान मानसून के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आप विद्युत पोलों, विद्युत लाईनों, विद्युत परिवर्तकों, विद्युत पोलों की स्टे वायर व अन्य विद्युत उपकरणों से उचित दूरी बना कर रखें। जैसा कि आप सभी विदित हैं कि बरसात के मौसम में विद्युत उपकरणों से विद्युत आघात की सम्भावनाएँ ज्यादा रहती हैं। अतः आप सभी से अनुरोध है कि बरसात के मौसम में विद्युत उपकरणों से उचित दूरी बनाकर रखें।

प्रायः यह भी देखा जा रहा है कि क्षेत्र में ठेले/रेड़ी एंव अन्य अस्थायी दुकानों के स्वामियों द्वारा विद्युत लाईन, उपकरणों (विद्युत पोल / विद्युत ट्रान्सफार्मर) के काफी निकट आकर अपना सामान रख दिया जा रहा है, जिस कारण से उनकी अस्थायी दुकानों एंव उनकी अस्थायी दुकानों पर आ रहे ग्राहकों के लिए विद्युत दुघर्टना का खतरा उत्पन्न हो जा रहा है।

अतः समस्त सम्मानित जनता से अनुरोध है कि विद्युत लाईनों एंव उपकरणों (विद्युत पोल/विद्युत परिवर्तक) से उचित दूरी बनायें रखें जिससे कि किसी भी प्रकार की विद्युत दुघर्टना न हों। यदि किसी व्यक्ति द्वारा विद्युत उपकरणों से उचित दूरी न रखते हुए अपनी अस्थायी दुकान या सामान रखा जाता है और इस कारण से कोई विद्युत दुघर्टना होती है तो ऐसी दशा में सम्बन्धित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

अतः पुनः आप सभी से अनुरोध है कि बरसात के मौसम में विद्युत पोलों, विद्युत लाईनों, विद्युत परिवर्तकों, विद्युत पोलों की स्टे वायर व अन्य विद्युत उपकरणों से उचित दूरी बना कर रखें।

इसके अतिरिक्त समस्त सम्मानित जनता से अनुरोध है कि यदि आपको कहीं विद्युत लाईन टूटी दिखे या विद्युत लाईनों / इन्सुलेटरों/फ्यूजों/ विद्युत लाईनों में धमाकों की आवाज आये तो तुरन्त नजदीकी बिजलीघर / सम्बन्धित क्षेत्र के लाईनमैन / अवर अभियन्ता / उपखण्ड अधिकारी या 1912 पर कॉल कर सूचित करने का कष्ट करें।

(ई० प्रदीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

आपदा से बचाव को कार्मिकों ने की मॉक ड्रिल

संवाददाता,टनकपुर/बनबसा

पूर्णागिरि मार्ग पर मॉक ड्रिल करता आपदा प्रबंधन दल।

अमृत विचार : मानसूनी वर्षा को देखते हुए टनकपुर और बनबसा में मॉक ड्रिल के माध्यम से बाढ़ और जलभराव से उत्पन्न आपदा से निपटने की तैयारियों का मॉक ड्रिल किया गया। जनपद के पर्वतीय हिस्सों में मूसलाधार वर्षा के कारण तहसील पूर्णागिरि (टनकपुर) अंतर्गत बाटनागाड़ नाला, थ्वालखेड़ा, छीनीगोठ, ग्राम देवीपुरा, बनबसा तथा चंदनी (आनंदपुर) क्षेत्रों में अचानक जल स्तर बढ़ने और सूखे नालों में बाढ़ की स्थिति होने की परिकल्पना के साथ बचाव व राहत कार्य शुरू किया गया।

आपदा की सूचना मिलते ही जिला आपदा नियंत्रण कक्ष, चम्पावत और तहसील स्तरीय आइआरएस प्रणाली सक्रिय हो गई। टनकपुर तहसील कार्यालय में स्टेजिंग एरिया स्थापित कर विभिन्न रेस्क्यू टीमों को रवाना किया गया।

इस दौरान ककरालीगेट-ठुलीगाड़- भैरव मंदिर मार्ग में अतिवृष्टि से मलबा एवं बोल्डर आने के कारण मार्ग अवरुद्ध होने और 100 से अधिक श्रद्धालुओं के पूर्णागिरि की ओर फंसने की सूचना दी गई।

जिसके बाद राजस्व, पुलिस, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग द्वारा समन्वित रेस्क्यू कर श्रद्धालुओं को वैकल्पिक मार्ग से सुरक्षित निकाला गया तथा भोजन-पेयजल की व्यवस्था की। ग्राम थ्वालखेड़ा में हुए अभ्यास में किरोड़ा नाले का जल स्तर बढ़ने एवं भूस्खलन से 10-15 परिवार खतरे में आने की सूचना मिली। त्वरित रेस्क्यू कर प्रभावितों को राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में राहत शिविर में शिफ्ट किया गया। छीनीगोठ में हुए अभ्यास में बनबसा हड्डी नदी की बाढ़ से 20 परिवारों के फंसने की जानकारी के बाद राजस्व, एसडीआरएफ एवं पुलिस विभाग ने रेस्क्यू कर एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर में स्थापित राहत शिविर में लाया गया। ग्राम देवीपुरा में हुए अभ्यास में भारी जलभराव और मगरमच्छ की उपस्थिति के बीच 20 से 25 परिवार प्रभावित होने की सूचना दी गई। पुलिस और एसडीआरएफ द्वारा राफ्ट्स के माध्यम से सभी को सुरक्षित निकाला और राजकीय महाविद्यालय, बनबसा में राहत शिविर में पहुंचाया।

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- वैश्विक आर्थिक बदलाव से बढ़ती हैं चुनौतियां

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि मूल्य स्थिरता की तरह वित्तीय स्थिरता भी आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

उन्होंने जून के लिए वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) की प्रस्तावना में कहा, वित्तीय क्षेत्र के नियामक ग्राहकों की सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे दक्षता और वृद्धि में सुधार तथा सुरक्षा और मजबूती के बीच सही संतुलन बनाते हैं। गवर्नर के अनुसार, कई संरचनात्मक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया रूप दे रहे हैं। इसमें व्यापार में बढ़ता विखंडन, प्रौद्योगिकी बदलाव, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। उन्होंने कहा, ये आर्थिक आकलन को कठिन और नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। इसलिए, अनिश्चितता के कोहरे से बाहर निकलने के दौरान भी केंद्रीय बैंकों और वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों की सुरक्षा में सतर्क, विवेकपूर्ण और चुस्त बने रहना जरूरी है। मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में केंद्रीय बैंक की कोशिश एक अच्छी तरह से काम करने वाली वित्तीय प्रणाली विकसित करने की है, जो न केवल व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे, बल्कि कुशलतापूर्वक वित्तीय सेवाएं भी प्रदान करे।

बैंक कर्ज वृद्धि धीमी पड़कर 4.9% पर

मुंबई। आरबीआई ने कहा कि 30 मई को समाप्त पखवाड़े में बैंक कर्ज वृद्धि में नरमी रही। उद्योग को बैंक कर्ज में 4.9% की वृद्धि हुई, जबकि गत वर्ष की इसी अवधि में यह 8.9% थी। आरबीआई ने 41 चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से प्राप्त सूचना के आधार पर मई, 2025 के लिए बैंक ऋण पर आंकड़े जारी किये हैं। यह कर्ज सभी वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए गए कुल गैर-खाद्य ऋण का 95% है। सालाना आधार पर, 30 मई, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर-खाद्य बैंक ऋण में 9.8% की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि (31 मई, 2024) के दौरान इसमें 16.2% की वृद्धि हुई थी।

एनपीए कई दशक के निचले स्तर 2.3% पर

मुंबई। बैंकिंग प्रणाली की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) मार्च, 2025 में घटकर कई दशक के निचले स्तर 2.3% पर आ गई है। आरबीआई की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2024 में बैंकों का जीएनपीए 2.6% था। रिजर्व बैंक की अर्ध-वार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि 46 बैंकों के जीएनपीए मार्च, 2027 तक बढ़कर 2.6% पर पहुंच सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले दशक के उत्तरार्ध में बैंकिंग प्रणाली के लिए डूबा कर्ज सबसे बड़ी चुनौती रहा है। हालांकि, पिछले कुछ साल के दौरान मुख्य अनुपात के स्तर पर प्रणाली में लगातार सुधार हो रहा है।

वैश्विक वृद्धि का प्रमुख केंद्र बनी भारतीय अर्थव्यवस्था

मुंबई। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और विवेकपूर्ण नीतियों से वैश्विक वृद्धि का केंद्र बनी हुई है। आरबीआई ने कहा कि बढ़ी हुई आर्थिक और व्यापार नीति अनिश्चितताएं वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली की मजबूती की परीक्षा ले रही हैं। वित्तीय बाजार अस्थिर हैं, विशेष रूप से सरकारी बॉण्ड बाजार। ऐसा बदलती नीतियों और भू-राजनीतिक वातावरण के चलते है। बढ़ते सार्वजनिक ऋण स्तर और उच्च परिसंपत्ति मूल्यांकन जैसी मौजूदा कमजोरियों में नए झटकों को बढ़ाने की क्षमता है।

एग्रीकल्चरल कमोडिटी : निवेश का बेहतर विकल्प

बात काम की

कमोडिटी बाजार में कृषि उत्पादों (एग्रीकल्चरल कमोडिटीज) का महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें गेहूं, चावल, कपास, गन्ना, मक्का, दालें, सरसों, कॉफी जैसी वस्तुएं आती हैं। निवेशक इनमें फ्यूचर्स और स्पॉट मार्केट से निवेश कर सकते हैं। कृषि कमोडिटी में निवेश से महंगाई के खिलाफ हेजिंग मिलती है, लेकिन यह मौसम, सरकारी नीतियों और वैश्विक मांग-आपूर्ति से प्रभावित होती है। यह किसानों से लेकर निवेशकों तक को आय का साधन देता है।

क्या हैं कृषि उत्पाद

कृषि उत्पाद वे वस्तुएं हैं जो खेती से प्राप्त होती हैं, इनमें गेहूं, चावल, दालें, तिलहन, गन्ना, कपास, मसाले, चाय और कॉफी। ये खाद्य सुरक्षा व औद्योगिक उपयोग दोनों में अहम भूमिका निभाते हैं।

कैसे करें निवेश

भारत में एनसीडीईएक्स (नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज) जैसे प्लेटफार्म पर कृषि कमोडिटीज का व्यापार होता है। निवेशक दो प्रकार से इसमें भाग ले सकते हैं। **स्पॉट मार्केट :** जहां वस्तु का तात्कालिक लेनदेन होता है। **फ्यूचर्स मार्केट :** जहां भविष्य की तारीख के लिए अनुबंध किया जाता है। डिमैट खाता व कमोडिटी ट्रेडिंग खाता खोलना। एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्ध कृषि उत्पादों की जानकारी लेना। मौसम, फसल की रिपोर्ट, सरकारी नीतियां, आयात-निर्यात और वैश्विक मांग पर नजर रखना।

निवेश के लाभ

- **विविधता :** पोर्टफोलियो में विविधता लाने का अवसर।
- **हेजिंग टूल :** मुद्रास्फीति के प्रभाव को संतुलित करता है।
- **सीजनल :** मौसम के आधार पर मूल्य में वृद्धि की संभावना।
- **लिक्विडिटी :** कमोडिटी में ट्रेडिंग वॉल्यूम अच्छा होता है।

जोखिम पर दें ध्यान

- **मौसमी अनिश्चितता :** वर्षा, सूखा या बाढ़ का प्रभाव।
- **सरकारी हस्तक्षेप :** एमएसपी, आयात-निर्यात नीति।
- **अस्थिरता :** वैश्विक बाजार के प्रभाव से गिरावट या तेजी।
- **भंडारण-डिलीवरी की चुनौतियां :** विशेषकर स्पॉट ट्रेडिंग में।

जल्द आएगी 2025-45 के लिए राष्ट्रीय सहकारी नीति : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिया फरवरी 2026 तक दो लाख पैक्स का लक्ष्य

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार जल्द ही 2025 से 2045 तक के लिए प्रभावी राष्ट्रीय सहकारी नीति की घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि यह नीति सहकारी आंदोलन को पुनर्जीवित करने और देश के 1.4 अरब लोगों के लिए रोजगार पैदा करने के प्रयासों का हिस्सा है।

शाह ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर राज्य सहकारिता मंत्रियों की बैठक में कहा कि नीति का लक्ष्य 5 साल में भारत के हर गांव में सहकारिता स्थापित करना है। इसके तहत फरवरी, 2026 तक दो लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति के तहत प्रत्येक राज्य की सहकारिता नीति उस राज्य की सहकारिता स्थितियों के अनुसार तैयार की जाएगी और विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।

राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 0.8% रहा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-मई की अवधि में देश का राजकोषीय घाटा वार्षिक अनुमान का 0.8% रहा। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

गत वित्त वर्ष 2024-25 के पहले दो महीनों में राजकोषीय घाटा या सरकार के व्यय एवं राजस्व के बीच का अंतर 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) का 3.1% था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार का अनुमान है कि राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडपी) का 4.4% या 15.69 लाख करोड़ रहेगा। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के अनुसार, अप्रैल-मई, 2025 के दौरान राजकोषीय घाटा 13,163 करोड़ रुपये या बजट अनुमान का 0.8% रहा। शुद्ध कर राजस्व 3.5 लाख करोड़ या बजट अनुमान 2025-26 का 12.4% दर्ज किया गया। पिछले साल इसी अवधि में यह बजट अनुमान का 12.3% था।

थमी तेजी, सेंसेक्स 452 अंक गिरा

मुंबई। शेयर बाजार में चार सत्रों से जारी तेजी पर सोमवार को विराम लगा। सेंसेक्स में 452 अंक तो निफ्टी में 121 अंक की गिरावट आई। बैंक शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा।

सेंसेक्स की एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक नुकसान में रहे। वहीं ट्रेंट, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन और बजाज फिनसर्व लाभ में रहे। बीएसई स्मॉलकैप 0.81 तो मिडकैप 0.67% की मजबूती रही।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 9 माह के निचले स्तर 1.2% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के अनुसार वृद्धि दर 2024 के मई में 6.3% थी

विनिर्माण, खनन व बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से देश में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मई में नौ महीने के निचले स्तर 1.2% पर रही है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के अनुसार वृद्धि दर 2024 के मई माह में 6.3% थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अप्रैल के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को भी संशोधित कर 2.6% कर दिया है, जबकि पहले इसके 2.7% रहने का अनुमान था। अगस्त, 2024 में आईआईपी में सबसे कम वृद्धि दर्ज हुई थी। उस समय वृद्धि दर स्थिर थी। एनएसओ के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि इस साल मई में घटकर 2.6% रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1% थी। वहीं खनन उत्पादन में 0.1% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 6.6% की वृद्धि हुई थी। बिजली उत्पादन में 5.8% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में बिजली उत्पादन 13.7% बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 में पहले दो माह (अप्रैल-मई) के दौरान औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 1.8% की वृद्धि हुई है जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.7% थी।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, मानसून के जल्दी आने से खनन क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं और बिजली की मांग में कमी आई है। इस वजह से आईआईपी के इन दोनों उप-क्षेत्रों में मई में गिरावट आई है, जबकि विनिर्माण में वृद्धि धीमी रही है। जून तिमाही के पहले दो महीनों में औद्योगिक उत्पादन में धीमी वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में औद्योगिक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 60 किलो हेरोइन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सोमवार को राजस्थान के बाड़मेर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ कर 60 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव बताया कि इस मामले में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू कश्मीर से कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सीएम के काफिले में अन्य वाहन का प्रवेश, 5 गिरफ्तार

कोझिकोड (केरल)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के काफिले में एक वाहन के घूसने के बाद 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना एलथुर के पास रविवार सुबह सवा 10 बजे हुई जब मुख्यमंत्री सरकारी अतिथि गृह जा रहे थे। पुलिस ने वाहन से एक वॉकी-टॉकी भी जब्त की। वाहन पर कोई नंबर प्लेट नहीं था। वाहन को तीन बार काफिले से दूर रहने की चेतावनी दी गई लेकिन इसके बावजूद वाहन उच्च सुरक्षा काफिले में घूसा गया। अधिकारियों ने वेस्ट हिल चुंगम में वाहन को रोका और वाहन में मौजूद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

जेएनयू के लापता छात्र का मामला होगा बंद

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने सीबीआई को जवाहरलाल नेहरू विवि (जेएनयू) के प्रथम वर्ष के छात्र नजीब अहमद की गुमशुदगी मामले को बंद करने की सोमवार को अनुमति दे दी। वह 15 अक्टूबर 2016 को लापता हो गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने एजेंसी की 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया।

नमाजवाद छिपाने को ली समाजवाद की आड़

भाजपा ने विपक्षी दलों पर संविधान को शरिया की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

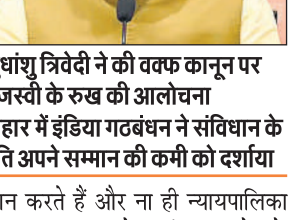

- सुधांशु त्रिवेदी ने की वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना
- बिहार में इंडिया गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया

भाजपा ने सोमवार को विपक्षी दलों पर संविधान को शरिया की स्क्रिप्ट में बदलने और अपने नमाजवाद को छिपाने के लिए समाजवाद की आड़ लेने का आरोप लगाया। भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव की भी उनकी उस टिप्पणी के लिए आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उनका गठबंधन बिहार में सत्ता में आता है, तो संशोधित वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देगा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस-वाम दलों के इंडिया गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया है, क्योंकि यह अधिनियम संसद द्वारा पारित था और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। वे ना तो संसद का सम्मान करते हैं और ना ही न्यायपालिका का। भाजपा प्रवक्ता ने निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा पर विपक्ष की आलोचना को खारिज कर दिया, जिसकी शुरुआत बिहार से हुई है। उन्होंने कहा कि यह आलोचना उनकी अपरिहार्य हार के मद्देनजर उनकी पराजयवादी मानसिकता से उपजी है। ये दल फर्जी मतदाता चाहते हैं, जबकि यह तय करना जरूरी है कि केवल पात्र भारतीय ही सरकार चुन सकें।

आयोग ने कहा है कि यह नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य पात्र मतदाताओं को ही सूची में शामिल करना है। विपक्षी दलों ने दावा किया है कि आयोग जानबूझकर पात्र मतदाताओं को बाहर कर सकता है। बिहार में विस चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है। पटना में आयोजित रैली में वक्फ (संशोधन) अधिनियम की तीखी आलोचना पर विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है।

शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है विपक्ष

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन पिछले दरवाजे से शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है। तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य ओबीसी, एससी और एसटी के लिए आरक्षण मुसलमानों को दे रहे हैं और प. बंगाल भी इसकी कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, संविधान बचाओ इन दलों का महज दिखावा है, क्योंकि इनका असली चेहरा शरिया लाओ है। अगर वे सत्ता में आए, तो संविधान की प्रस्तावना में नमाजवाद जोड़ देंगे। वे संविधान को शरिया स्क्रिप्ट में बदलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संविधान के प्रावधान को कूड़ेदान में नहीं फेंकने देगा। उन्होंने कहा कि वे जिन शरिया प्रावधानों की वकालत कर रहे हैं, वे सऊदी अरब, पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की जैसे इस्लामी देशों में भी लागू नहीं हैं।

बोधगया मंदिर अधिनियम पर सुनवाई से शीर्ष इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को संबंधित हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। बिहार के बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है।

बोधगया मंदिर अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष पेश हुई। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से याचिका में उठाए मुद्दे पर पूछा। वकील ने कहा, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि बोधगया मंदिर अधिनियम को अवैध बताते हुए रद्द किया जाए। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को संबंधित हाईकोर्ट जाना चाहिए। आप ये मामला हाईकोर्ट के समक्ष क्यों नहीं उठाते? न्यायालय ने कहा, हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं।

ललित मोदी की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए ईडी द्वारा उन ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ याचिका खारिज की। गत 19 दिसंबर को मुंबई हाईकोर्ट ने ललित मोदी पर 1 लाख का जुर्माना लगाते हुए उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन पर ईडी द्वारा लगाए जुर्माने का भुगतान बीसीसीआई को करने का आदेश देने का अनुरोध किया था।

संविधान का एक शब्द भी छुआ गया तो हम पूरी ताकत से लड़ेंगे : खरगे

बेंगलुरु, एजेंसी

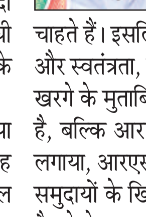

- कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा संबंधी होसबाले के आह्वान पर की टिप्पणी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि अगर संविधान में किसी एक शब्द को भी छुआ गया तो इसके खिलाफ उनकी पार्टी पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने संबंधी आरएसएस के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के आह्वान पर यह टिप्पणी की।

बेंगलुरु स्थित आवास पर खरगे ने दावा किया कि होसबाले मनुस्मृति को मानने वाले हैं। वह नहीं चाहते कि गरीब आगे आएं। जो हजारों साल पहले होता था, वह उसी व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पसंद नहीं है। खरगे के मुताबिक, ये सिर्फ होसबाले का मत नहीं है, बल्कि आरएसएस का मत है। उन्होंने आरोप लगाया, आरएसएस गरीबों, दलितों और और अन्य समुदायों के खिलाफ है। यदि उन्हें इतनी ही रुचि है, तो वे अस्पृश्यता को हटा सकते थे।

गुलजार हुई घाटी

डोडा जिले में पहलगाम हमले के बाद बंद भद्रवाह-चंबा अंतर्राज्यीय सड़क के दोबारा खुलने के बाद यहां पर्यटन फिर से गुलजार होने लगा है। सुरक्षाबलों की निगरानी में पर्यटक यहां की वादियों का आनंद लेते नजर आए। एजेंसी

राजा के परिवार ने सोनम को दिए थे 16 लाख के जेवरात

राजा रघुवंशी हत्याकांड

इंदौर (मप्र)। हनीमून हत्याकांड मामले में राजा रघुवंशी के बड़े भाई ने सोमवार को कहा कि सोनम को उनके परिवार ने विवाह के दौरान 16 लाख के जेवरात तोहफे में दिए थे। राजा रघुवंशी के बड़े भाई विपिन ने यह दावा मेघालय पुलिस द्वारा मध्यप्रदेश के रतलाम से रविवार को अहम सबूत के तौर पर कुछ जेवरात, लैपटॉप और अन्य सामग्री बरामद होने के अगले दिन किया। ये सामान हत्याकांड के सबूत छिपाने और मिटाने के आरोप में गिरफ्तार इंदौर के रियल एस्टेट कारोबारी शिलोम जेम्स की निशानदेही पर उसकी पत्नी के मायके से बरामद हुआ। बरामदगी के अगले दिन विपिन इंदौर पुलिस की अपराध निरोधक शाखा के दफ्तर में दिखाई दिए जहां जांच के लिए मेघालय पुलिस के दल ने डेरा डाल रखा है।

सीबीआई जांच को जनहित याचिका दायर

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करके विधि छात्रा से उसके महाविद्यालय में पूर्व छात्र और दो अन्य छात्रों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की सीबीआई जांच कराने का अनुरोध किया गया। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि पीड़िता की शिकायत पर सीबीआई को इसकी जांच करने और अदालत के समक्ष अंतरिम रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा के राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी से संबंध हैं, निष्पक्ष जांच के लिए इसे सीबीआई को सौंपा जाए।

विधि छात्रा के सामूहिक दुष्कर्म का मामला

पहले रची साजिश, पीड़िता पर थी नजर

विधि छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म में गिरफ्तार चार लोगों में से तीन ने इसकी साजिश पहले ही रची थी। जांच कर रहे नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने यह भी पाया कि तीन आरोपियों - मनोजीत मिश्रा, प्रोमित मुखर्जी और जैद अहमद का छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने का इतिहास रहा है। चौथा आरोपी कॉलेज का सुरक्षा गार्ड है। तीनों ऐसी घटनाओं को मोबाइल फोन से रिकॉर्ड करते थे और बाद में पीड़ितों को ब्लैकमेल करते थे। घटना की पहले से ही साजिश रच ली गई थी। तीनों की कई दिनों से पीड़िता पर नजर थी। कॉलेज में दाखिले के दिन से ही मुख्य आरोपी पीड़िता पर नजर रख रहा था।

लॉ कॉलेज में कक्षाएं अनिश्चितकाल के लिए निलंबित

साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा से दुष्कर्म किए जाने के बाद कॉलेज के प्राधिकारियों ने सभी छात्रों के लिए अनिश्चितकाल तक कक्षाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय कॉलेज के संचालन निकाय ने लिया है। कॉलेज प्राधिकारियों द्वारा 29 जून को जारी अधिसूचना में कहा गया है, कॉलेज की बीए एलएलबी और एलएलएम (सामान्य और ऑनर्स) की सभी कक्षाएं निलंबित रहेंगी।

भगदड़ के एक दिन बाद पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

पुरी (ओडिशा)। पुरी के श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ में 3 लोगों की मौत और 50 के घायल होने के एक दिन बाद सोमवार को हजारों श्रद्धालु बलभद्र, सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़ पड़े।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार की घटना के मद्देनजर श्री गुंडिचा मंदिर के सामने अवरोधक लगा दिए गए हैं और मंदिर के अंदर स्थित अडापा मंडप (वह मंच जहां देवता बैठते हैं) में देवताओं के सुचारू दर्शन के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं। मंदिर प्रशासन ने बताया कि श्री गुंडिचा मंदिर में देवताओं के प्रवेश के बाद कई अनुष्ठानों से सोमवार रात को पाहुड़ा (देवताओं के विश्राम के लिए मंदिर के द्वार बंद करना) नहीं किया गया। मंदिर के अधिकारी ने बताया, सोमवार को सुबह 7.40 बजे मंगल आरती हुई और हजारों श्रद्धालुओं ने बिना किसी परेशानी के अनुष्ठान में भाग लिया।

बारिश और भूस्खलन से सड़कें अवरुद्ध, कई इमारतें ढहीं

शिमला, एजेंसी

मानसून का कहर

शिमला के भट्टा कुफर में भारी बारिश के बाद ढह गए बहुमंजिला इमारत का मलबा।

हिमाचल प्रदेश में सोमवार को भारी बारिश से कुछ इमारतें ढह गईं, कई इलाकों में भूस्खलन से सड़कें अवरुद्ध हो गईं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, बारिश व बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन से मंडी में 129 व सिरमौर जिले में 92 सहित राज्य में 259 सड़कें बंद हो गईं तथा 614 ट्रांसफार्मर और 130 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हो गईं।

20 जून से अब तक राज्य में वर्षाजनित घटनाओं में 23 की मौत हो चुकी है। मानसून की तैयारियों की समीक्षा को उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने सभी से मौसम संबंधी सलाह का पालन करने व नदियों के पास जाने से बचने का आग्रह किया तथा राज्य के उपसंभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को सतर्क रहने का निर्देश दिया। सोमवार को सुबह शिमला के उपनगरीय क्षेत्र भट्टाकुफर में पांच मंजिला इमारत ढह गई वहीं रामपुर के सिकासेरी गांव में बादल फटने से एक बाड़े से कई मवेशी बह गए।

जुलाई में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को जुलाई में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान जताया और मध्य भारत, उत्तराखंड और हरियाणा के लोगों को बाढ़ के संभावित खतरे से सतर्क रहने का सुझाव दिया। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि कई क्षेत्रों में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की उम्मीद है, लेकिन पूर्वोत्तर, उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है।

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंता का विषय

आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल ने कुलदीप और अर्शदीप को चुनने की सलाह दी

लंदन, एजेंसी

आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी।

भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाये। चैपल ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' के लिये अपने कॉलम में लिखा हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी, लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था। भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी। सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरूआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे। उन्होंने कहा भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है। लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था। भारत के पूर्व कोच ने कहा बुमराह की गैर मौजूदगी में अर्शदीप सिंह को टीम में जगह मिलनी चाहिए। इसके साथ ही कुलदीप यादव को भी उतारना चाहिये जो शेन वॉर्न के बाद कलाई का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।

कुलदीप यादव।

ईसीबी ने ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया: फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम : दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के करीबी मित्र फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया तथा इस पूर्व कप्तान के नाम पर पदक देने का फैसला उनके जैसे प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, लेकिन पांच मैचों की वर्तमान सीरीज शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं लेकिन इसके साथ उन्हें यह भी लगता है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं। तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने श्रृंखला जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया।

इंग्लैंड ने एकादश में कोई नहीं किया बदलाव अभ्यास में शामिल नहीं हुए आर्चर

बर्मिंघम : भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया है, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण सोमवार को एजबेस्टन में टीम की अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बने। आर्चर के बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले मंगलवार को टीम में फिर से शामिल होने की उम्मीद है। इंग्लैंड ने हालांकि हेडिंग्ले में श्रृंखला के पहले मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करने वाली एकादश को दूसरे टेस्ट के लिए बरकरार रखने का फैसला किया है। दायें हाथ का यह तेज गेंदबाज पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं था। उन्हें अब एकादश का हिस्सा बनने के लिए इंतजार करना होगा।

इंग्लैंड की टीम : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की तैयारी में एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया। ● एजेंसी

बुमराह पर फैसला अगले 24 घंटे में, लेकिन दो स्पिनरों के खेलने की संभावना : सहायक कोच

बर्मिंघम, एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर अगले 24 घंटों में फैसला लिया जाएगा लेकिन भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे को पूरा यकीन है कि उनकी टीम एजबेस्टन में दो स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरेगी।

कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करने की मांग बढ़ रही है लेकिन बल्लेबाजी की गहराई बनाए रखने के लिए रविंद्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर भी एकादश में जगह बनाने की दौड़ में है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में सोमवार को तीनों स्पिनरों ने गेंदबाजी की। बुमराह चोटिल होने से बचने के लिए इस सीरीज में पांच में से तीन टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने अभ्यास सत्र की शुरुआत में दो रंग की गेंद (लाल और सफेद) से गेंदबाज

की और फिर फिर सत्र के आखिरी क्षणों में 'ड्यूक' गेंद से गेंदबाजी की। उन्होंने लगभग तीन ओवर गेंदबाजी की जबकि उनके साथी खिलाड़ी मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शुरू में काफी गेंदबाजी की।

भारतीय टीम सीरीज को 0-1 से पिछड़ने के बाद बुमराह के तीन टेस्ट मैचों के चयन को लेकर दुविधा में है। डोइशे ने कहा वह जाहिर तौर पर चयन के लिए उपलब्ध है। हम शुरू से जानते हैं कि वह पांच में से सिर्फ तीन मैच खेलेगा। उसे पिछले टेस्ट से उबरने के लिए आठ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा हमें यह तय करना है कि मौजूदा परिस्थितियों, कार्यभार और अगले चार मैचों के लिए हम उसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं, इस पर हमने अभी कोई फैसला नहीं लिया है। हम यह भी देखेंगे कि अन्य खिलाड़ियों का कार्यभार कैसा है। उन्होंने कहा, हमें अगर लगा कि उसे इस टेस्ट में खिलाने में फायदा है, तो हम आखिरी मिनट में यह फैसला लेंगे। फायदा से मेरा मतलब मौसम, पिच और परिस्थितियों के आकलन से है। हमें यह भी तय करना है कि क्या उसे लॉर्ड्स और शायद मैनचेस्टर या ओवल के लिए बचाना बेहतर होगा? इससे जुड़े फैसले के पीछे बहुत सारे कारक है। भारतीय टीम के सीरीज में पिछड़ने के बाद बुमराह को टीम में शामिल करने बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा यह लुभावना तो है, लेकिन हमें यह भी लगता है कि हम जसप्रीत के बिना भी सीरीज को 1-1 कर सकते हैं।

एक नजर

इंग्लैंड के एजबेस्टन में गेंदबाजी का अभ्यास करते मोहम्मद सिराज। ● एजेंसी

रॉकेट क्लासिक गोल्फ में संयुक्त 26वें स्थान पर रहे भाटिया

डेट्रॉयट : अक्षय भाटिया ने पीजीए टूर पर रॉकेट क्लासिक गोल्फ के चौथे दौर के आखिरी 12 होल में नौ बर्डी लगाकर सात अंडर 65 का शानदार कार्ड खेला। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी भाटिया तीसरे दौर के बाद संयुक्त 55 वें पायदान पर थे लेकिन आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन के बूते उन्होंने अपना अभियान संयुक्त 26वें स्थान के साथ खत्म किया। उनका कुल स्कोर 15 अंडर का रहा। भाटिया ने तीसरे और पांचवें होल में बोगी किया लेकिन फिर सातवें से 10वें होल और 12वें से 15 वें होल तक दो बार लगातार चार बर्डी के साथ शानदार वापसी की। उन्होंने 18वें होल में भी बर्डी लगा कर शुरुआती तीन दौर के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडा। भाटिया ने शुरुआती तीन दौर में 68, 70, 70 के कार्ड खेले थे।

स्टीव स्मिथ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा) : ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपने दाएं हाथ की छोटी उंगली पर लगी चोट से उबरने के लिए बेसबॉल का सहारा लिया और अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। स्मिथ को इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान पहली स्लिप में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा का मुश्किल कैच लेने की कोशिश करते समय दाहिने हाथ की छोटी उंगली में चोट लग गई थी। इस 36 वर्षीय पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपने घाव को साफ करने, टांके लगाने और उंगली में पट्टी लगाने के बाद तुरंत लंदन छोड़ दिया। चोट के अपने आप ठीक होने का इंतजार करने के बजाय उन्होंने न्यूयॉर्क में ''बेसबॉल केज'' में जाने का फैसला किया, जहां उनका एक अपार्टमेंट है। चोट के कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 159 रन जीता था।

दुबई में आयोजित की जाएगी पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग

नयी दिल्ली : पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) अगले साल फरवरी मार्च में दुबई में आयोजित की जाएगी जिसमें 30 देश भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) से मान्यता हासिल है। यह फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता है जिसमें भारत सहित दुनिया भर के खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। लीग का संचालन करने वाली एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और संस्थापक संभव जैन ने कहा कबड्डी न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक खेल समुदाय के लिए एक बड़े मंच का हकदार रहा है। लीग में कुल आठ फ्रेंचाइजी टीम हिस्सा लेंगी। भारत सहित दक्षिण कोरिया, ईरान, थाईलैंड, पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों ने इसमें खेलने की पुष्टि कर दी है।

छह वर्षीय तेगबीर सिंह ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर : पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है। उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है।

आयुष ने जीता पहला वर्ल्ड टूर यूएस ओपन खिताब

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी

उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था।

> यह जीत काफी मायने रखता है, यह सीनियर सर्किट पर मेरा पहला खिताब है। मैं बहुत खुश हूं। मैंने यहां बहुत बढ़िया बैडमिंटन खेला। मैं अब अगले सप्ताह कनाडा ओपन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।
>
> -आयुष शेट्टी, बैडमिंटन खिलाड़ी

तन्वी को फाइनल में मिली शिकस्त

महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। तन्वी ने कहा मैं अपने प्रदर्शन से काफी खुश हूं। मैं फाइनल के लिए कोर्ट में आने से पहले थोड़ी घबराई हुई थी और मैंने कई गलतियां की। यह सुपर 300 स्तर पर मेरा पहला फाइनल था, मैं इसे लेकर संतुष्ट हूं।

मेदवेदेव विंबलडन के पहले दौर में हुए उलटफेर का शिकार

लंदन : नौवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव सोमवार को विंबलडन के शुरुआती दौर में 64वीं रैंकिंग वाले बेंजामिन बोंजी से 7-6 (2), 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हार के साथ उलटफेर का शिकार बने। पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मेदवेदेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। रूस का यह खिलाड़ी इससे पहले फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर से बाहर हो गया था। उन्हें साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। मेदवेदेव इस साल पेरिस में कैमरून नॉरी से पांच सेट के मैच में हार गये थे। वह 2023 में फ्रेंच ओपन की पहली बाधा पार करने में नाकाम रहे थे।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी महिला टीम

- नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी की उम्मीद
- स्मृति मंधाना के स्ट्रोक्स से इंग्लैंड के खेमे में चिंता की लकीरें

ब्रिस्टल, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम मंगलवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की शानदार फॉर्म और कप्तान हरमनप्रीत कौर की संभावित वापसी का पूरा फायदा उठाकर अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था। मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए। पिछले साल टी-20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं।

हरमनप्रीत कौर।

समय : रात 11:00 बजे से

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी, राधा यादव।

इंग्लैंड : नताली साइवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट (विकेट कीपर), सोफिया डंकले, एमी जोन्स (विकेट कीपर), डैनी व्याट-हॉज, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, पैगे शॉलिफ्ल्ड, एम अर्लट, लॉरेन बेल, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, लिन्सी स्मिथ, इसी वोंग।

सचिन जैसी 'सुपरपावर' चाहते हैं भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना ठंडे दिमाग से करने के लिये महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' पाना चाहते हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के चोपड़ा ने यह भी कहा कि ह धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहे हैं जब उनके दिग्गज कोच जान जेलेंजी ने उन्हें भाला फेंकने से पहले 18 बरस के युवक की तरह किसी तनाव के बिना दौड़ने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि अब तक मैदान से भीतर और बाहर उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह चेक कोच जेलेंजी से मिली है जिनके नाम 98 . 48 मीटर का भालाफेंक का विश्व रिकॉर्ड है। चोपड़ा ने 'स्टार स्पोटर्स' और 'जियो हॉटस्टार' से कहा जब भी मैं थ्रो फेंकता हूं तो मैं काफी ऊर्जावान रहता है लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि मुझे प्रवाह के साथ दौड़ना है। मुझे 18 वर्ष के लड़के की तरह बिना किसी तनाव के दौड़ना है। मैं धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहा हूं। उन्होंने कहा किसी भी खेल में प्रवाह महत्वपूर्ण है। मसलन रोजर फेडरर इतनी गरिमा और लय के साथ खेलते हैं कि पता ही नहीं चलता कि वह इतना प्रयास कर रहे हैं। मैं अपने अभ्यास में वही उतारना चाहता हूं। यह पूछने पर कि वह किस क्रिकेटर की सुपरपावर भालाफेंक में उतारना चाहेंगे। चोपड़ा ने कहा सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने साल तक इतने शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व किया। इतने महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना करके भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा मैं वही सुपरपावर लेना चाहूंगा और वैसे ही खेलना चाहूंगा। इससे मुझे शांत रहकर चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

मुक्केबाज ने लगाया महिला कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नयी दिल्ली, एजेंसी

- बार-बार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण अवसाद में चली गई है जूनियर मुक्केबाज, माता-पिता ने दर्ज कराई एफआईआर

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के रोहतक केंद्र की राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी (एनबीए) की महिला कोच पर राष्ट्रीय स्तर की नाबालिग मुक्केबाज ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। नाबालिग के माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार बार-बार 'मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न' के कारण वह अवसाद में चली गई है।

इस से जुड़ी प्राथमिकी की प्रति होने के बावजूद 'पीटीआई-भाषा' आरोपी का नाम सार्वजनिक नहीं कर रहा है क्योंकि मामले की जांच चल रही है। इस मामले में भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) से जब टिप्पणी के लिए संपर्क किया गया तो उन्होंने 17 वर्षीय पीड़िता द्वारा डराने-धमकाने और थप्पड़ मारने की घटनाओं के बारे में शिकायत

मिलने की बात स्वीकार की, लेकिन एफआईआर में लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बारे में उन्हें सूचित किए जाने से इनकार किया। दोनों संस्थाओं ने कहा कि उनकी आंतरिक जांच में कोच के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला। यह कोच इस समय जूनियर और युवा मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय शिविर के संचालन में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। साइ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहायता करेगा। साइ के क्षेत्रीय केंद्र (सोनीपत) ने इस बारे में 'पीटीआई' के सवाल पर कहा अभी तक हमें किसी प्राथमिकी की प्रति नहीं मिली है। एनबीए रोहतक की एक महिला मुक्केबाज ने 24 अप्रैल 2025 को ई-मेल कर एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आयरलैंड में 25 मार्च 2025 से तीन अप्रैल 2025 तक आयोजित आमंत्रण मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दौरान एक महिला कोच द्वारा मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उस शिकायत में यौन उत्पीड़न का कोई आरोप नहीं लगाया गया था। उन्होंने कहा, मामले की एक विस्तृत जांच की गई जिसमें शिकायतकर्ता, संबंधित कोच, सभी साथी कोच, वहां मौजूद कर्मचारियों और साथी खिलाड़ियों के बयान लिए गए। उन्होंने कहा साइ स्वच्छ खेल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्राथमिकी के आधार पर किसी भी समय जांच के दौरान सहयोग के लिए तैयार रहेगा।

रोहतक पुलिस स्टेशन में एफआईआर में दर्ज पीड़िता का दर्द

रोहतक पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता ने कहा है कि कोच ने एक बार जबरन उसके कपड़े उतारने की कोशिश की, उसे कई बार थप्पड़ मारे, उसका करियर बर्बाद करने की धमकी दी और अन्य मुक्केबाजों के सामने उसे 'बुरे चरित्र वाली' कहा, जिससे वह अलग-थलग पड़ गई। कोच के खिलाफ शिकायत भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (जान बूझकर से चोट पहुंचाना) और 351 (3) (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न) के तहत दर्ज की गई है।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी चार दिन की भूटान यात्रा पर गए

नई दिल्ली, एजेंसी

- राजा जिग्मे खेसर और सेना प्रमुख बट्टू शेरिंग से करेंगे विस्तृत बातचीत

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। अधिकारियों के मुताबिक रणनीतिक रूप से अहम स्थान पर डोकलाम पठार के आसपास बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में सेना प्रमुख पड़ोसी मुल्क गए हैं।

भूटान के साथ पहले से ही घनिष्ठ द्विपक्षीय सैन्य संबंध हैं और उनकी इस यात्रा से रिश्तों के और मजबूत होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि भूटान की राजधानी थिम्पू में जनरल द्विवेदी राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात करेंगे और भूटान के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बट्टू शेरिंग के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। सेना प्रमुख की 30 जून से तीन जुलाई तक की भूटान यात्रा बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के बीच हो रही है। इसी के साथ वह पाकिस्तानी क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर' के सात सप्ताह बाद पड़ोसी देश गए हैं। भारतीय सेना ने कहा, यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों में स्थायी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

तेजी से हथियार बनाने में यूक्रेन की मदद करेगा जर्मनी

कीव। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोमवार को कहा कि उनके देश का लक्ष्य यूक्रेन को और अधिक तेजी से हथियार बनाने में मदद करना है ताकि कीव रूस के साथ तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता में अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

वेडफुल ने जर्मन रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ यूक्रेनी राजधानी कीव की यात्रा के दौरान कहा, हम मानते हैं कि हमारा काम यूक्रेन की मदद करना है ताकि वह अधिक मजबूती से बातचीत कर सके। अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास युद्ध को रोकने में विफल रहे हैं।

हर दल है बेनकाब

बलात्कार और राजनीति

कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा से सामूहिक बलात्कार की घटना से फिर सवाल खड़े हो गए हैं कि देश में सार्वजनिक स्थलों पर भी महिलाएं आखिर सुरक्षित क्यों नहीं हैं। छात्रा से बलात्कार का मुख्य आरोपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का सदस्य होना यह भी दर्शाता है कि राजनीति में चरित्रवान लोग अब कम ही राजनीतिक दलों की प्राथमिकता रह गए हैं। रिकॉर्ड बताता है कि महिलाओं के प्रति अपराधों के मामले में कोई भी दल आरोपों से अछूता नहीं है। इस तरह भारत में बलात्कार की घटनाएं सिर्फ कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और राजनीति का भी संकट बन गई हैं। ऐसी तमाम घटनाएं उदाहरण हैं, जब आरोपियों को खुलकर सत्ता का संरक्षण मिला और समाज चुप रह गया।

हर 16 मिनट में एक बलात्कार

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरों के आंकड़ों के मुताबिक देश में सन् 2023 में बलात्कार की 33000 से ज्यादा घटनाएं दर्ज हुईं, यानी हर 16 मिनट में एक बलात्कार हुआ। सर्वाधिक मामले राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दर्ज हुए। वैश्विक स्तर पर भारत उन देशों में शामिल माना जाता है जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या बहुत ज्यादा है। थॉमसन रियूटर्स फाउंडेशन की 2018 में जारी एक रिपोर्ट में भारत को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश बताया गया था।

राज्यों की स्थिति

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 राजस्थान में सर्वाधिक 6,379, मध्य प्रदेश में 4,843, यूपी में 3,539, महाराष्ट्र में 3,001, ओडिशा में 2,758, छत्तीसगढ़ में 2,501, बिहार में 1,378, पश्चिम बंगाल में 1,689, दिल्ली में 1,36 और हरियाणा में 1,284 बलात्कार के मामले दर्ज हुए।

इतनी घटनाएं क्यों

समाज में पितृसत्तात्मक सोच और महिला विरोधी मानसिकता, महिलाओं की आजादी पर नियंत्रण की कोशिश, अक्सर आरोपियों को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण, आरोपी के प्रभावशाली होने पर पुलिस की अनदेखी, न्याय मिलने में वर्षों लगना जैसे कारण इसके जिम्मेदार माने जाते हैं।

खादी पर महिला अपराधों के बेशुमार दाग

देश में बलात्कार के तमाम ऐसे चर्चित मामले है जिनमें राजनीतिक लोगों का नाम आया। यूपी में 2017 में उन्नाव के भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर नाबालिग लड़की से बलात्कार का आरोप लगा था और पुलिस हिरासत में उसके पिता की भी मौत हो गई थी। जम्मू कश्मीर के कठुआ में 2018 में 8 साल की बच्ची की गैंगरेप कर हत्या कर दी गई थी, मामला तब गर्माया जब भाजपा नेताओं ने आरोपियों के समर्थन में रैली निकाली। इस मामले में 6 लोग दोषी ठहराए गए थे। वर्ष 2020 में हुए हाथरस कांड में दलित युवती के साथ गैंगरेप हुआ था जिसकी बाद में मौत भी हो गई थी। पुलिस ने परिवार की मर्जी के बिना अंतिम संस्कार कर दिया। विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल पर कई आरोप लगाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद लॉ की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में जेल गए, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। कर्नाटक में महिलाओं पर हमले और यौन हिंसा के मामले में प्रमोद मुथालिक पर राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगे।

प्रज्वल रेवन्ना

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के परिवार के सदस्य और जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर तमाम महिलाओं और लड़कियों के यौन शोषण के आरोप थे। उसके बनाए सैकड़ों वीडियो वायरल हुए तो वह विदेश भाग गया। इंटरपोल नोटिस पर लौटा, अब जेल में है। महिलाओं को डराने और यौन उत्पीड़न के आरोपी उसके पिता एचडी रेवन्ना को जमानत मिल चुकी है।

एक नजर

मणिपुर में चार लोगों की गोली मारकर हत्या

चुराचांदपुर/इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने 60 वर्षीय महिला सहित कम से कम चार लोगों की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी। घात लगाकर यह हमला मोंगजांग गांव के पास दोपहर दो बजे हुआ जब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे। चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि प्रतीत होता है कि चारों लोगों को नजदीक से गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों की पहचान अभी नहीं हुई है। मौके से 12 से अधिक खाली कारतूस बरामद किए गए। किसी भी संगठन ने हमले के लिए अब तक जिम्मेदारी नहीं ली है।

नेपाल के मुगु जिले में फिर भूकंप के झटके आए

काठमांडू। नेपाल के मुगु जिले में सोमवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। क्षेत्र में 24 घंटे से भी कम समय पहले भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, जिले के कोटडांडा क्षेत्र में सुबह 8.39 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। रविवार को जिले के जिमा गांव में दोपहर 2.34 बजे 4.8 तीव्रता का भूकंप आया था। पर्वतीय क्षेत्र नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

पश्चिमी वेनेजुएला में बाढ़ से सैकड़ों घर हुए नष्ट

कराकास। पश्चिमी वेनेजुएला में भारी बारिश के कारण कई प्रांतों में बाढ़ आने से सैकड़ों घर नष्ट हो गए हैं। पश्चिमी प्रान्त मेरिडा के गवर्नर अर्नाल्डो सांचेज़ ने कहा कि बारिश और बाढ़ से कम से कम 370 घर प्रभावित हुये हैं और 103 घर नष्ट हो गये हैं। श्री सांचेज़ ने सोशल मीडिया पर कहा कि एंडियन हाइलैंड्स में प्रभावित लोगों को कम से कम दो टन खाद्य आपूर्ति वितरित की गयी है और सुरक्षा बल तथा वालंटियर सहायता प्रदान करने के लिए पहुंचे गए हैं।

पाकिस्तान : आतंकी हमलों में पांच की मौत

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवाद की दो घटनाओं में दो सुरक्षाकर्मियों और शांति समिति के तीन सदस्यों सहित पांच लोग मारे गए। दोनों घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पहली घटना में रविवार सुबह एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि शाहब खेल क्षेत्र में एक अन्य घटना में अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

असीम मुनीर के फिर जहरीले बोल कहा- कश्मीर में आतंकवाद जायज

पड़ोसी देश फिर बेनकाब, सेना प्रमुख ने कहा- साथ देता रहेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में करारा जवाब देने की चेतावनी भी दी।

मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है। मुनीर ने दावा किया, जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा।

मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल समर्थक है। इससे पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख हमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई।

अफगानिस्तान से लगने वाली प्रमुख सीमा बंद की

पेशावर। पाकिस्तान ने सुरक्षा खतरों के कारण अफगानिस्तान से लगने वाली एक प्रमुख सीमा को अस्थायी रूप से अगले आदेश तक बंद कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने रविवार को बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा (गुलाम खान) को अनिर्दिष्ट अवधि के लिए बंद कर दिया गया है।

दक्षेस की जगह नया क्षेत्रीय संगठन बनाने में जुटे चीन-पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं, जो लगभग निष्क्रिय पड़े दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) की जगह ले सकता है। सोमवार को एक खबर में यह दावा किया गया।

राजनयिक सूत्रों के हवाले से 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने लिखा कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है। यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। दक्षेस में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है। हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक राजनीतिक नहीं थी।

गाजा में इजराइली सेना के हमले में 22 फलस्तीनी मारे गए

काहिरा। दक्षिणी गाजा में सोमवार को इजराइली सेना के हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गयी एवं 20 अन्य घायल हो गये। हताहत लोगों में से कई आवश्यक खाद्य सहायता लेने का प्रयास कर रहे थे। चश्मदीदों, अस्पतालों एवं गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

- राशन लेने आए लोगों पर फिर की गोलीबारी

खान यूनिस स्थित नासेर अस्पताल ने बताया कि उसके यहां 11 लोगों के शव लाये गये जिन्हें दक्षिणी गाजा में इजराइली और अमेरिका समर्थित गाजा मानवीय कोष (जीएचएफ) से जुड़े सहायता स्थल से लौटते समय गोली मार दी गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा में संयुक्त राष्ट्र सहायता गोदाम पर हमले में दस अन्य लोग मारे गए।

दक्षिणी गाजा में यह हमला खान यूनिस शहर में जीएचएफ स्थल से लगभग तीन किलोमीटर (1.8 मील) दूर हुआ। यूसुफ महमूद मोखाइमर दर्जनों अन्य लोगों के साथ चल रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि वाहनों और टैंकों में सवार सैनिक तेजी से उनकी ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो सैनिकों ने चेतावनी के तौर पर हवा में गोलियां चलाईं, फिर भीड़ पर गोलियां चलाईं।

ईरान जल्द ही फिर शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन

वियना, एजेंसी

- आईएईए प्रमुख ने जताई आशंका, कहा- अमेरिकी हमले में पूरी तरह नष्ट नहीं हुए परमाणु ठिकाने

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने ईरानी परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है मगर वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं और इसी वजह से ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ग्रॉसी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की परमाणु परियोजना को दशकों पीछे धकेल दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि अमेरिकी हमलों में फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु ठिकानों के सेंट्रीफ्यूज को काफी नुकसान पहुंचने से ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्षों के लिए टल गया है।

'फेस द नेशन विद मार्गरेट ब्रेनन' के साथ साक्षात्कार में उन्होंने अलग-अलग आकलन पर अपना रुख बताते हुए कहा, सामूहिक विनाश के हथियारों में यह दृष्टिकोण ठीक नहीं है। उनके पास जो क्षमताएं हैं, वे मौजूद हैं। आप जानते हैं कि वे कुछ ही महीनों में सेंट्रीफ्यूज के कुछ कैस्केड घुमाकर यूरेनियम संवर्धन कर सकते हैं। स्पष्ट रूप से कहें तो, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और अब वहां कुछ भी नहीं है। ग्रॉसी ने कहा कि निगरानी समूह की जांच में परमाणु हथियार कार्यक्रम का संकेत नहीं मिला, लेकिन यूरेनियम संवर्धन नागरिक उपयोग की आवश्यकता से कहीं अधिक है। ईरान की ओर से कुछ बहुत महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से इनकार करने से स्थिति और जटिल हो गई है।

अमेरिका ने ग्रॉसी का दावा बकवास बताया

अमेरिका के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि जैसा कि ग्रॉसी ने कुछ दिन पहले कहा था कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से पहले और बाद में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बीच का अंतर 'रात और दिन' जैसा है और उसे 'काफी नुकसान' हुआ है। उन्होंने कहा, "ईरान के पास कोई हवाई सुरक्षा नहीं है, इसलिए यह विचार कि, वे परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर शुरू कर सकते हैं, बकवास है।

ब्रिक्स सम्मेलन में की जाएगी पहलगाम हमले की निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- रियो डी जेनेरियो में 6-7 जुलाई को होगा सम्मेलन, पीएम मोदी लेंगे हिस्सा

ब्राजील में आयोजित होने जा रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में समूह के नेताओं की ओर से जारी किए जाने वाले घोषणापत्र में भारत की उम्मीद के अनुरूप पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा और आतंकवाद का एकजुट होकर सामना करने के लिए दृढ़ रुख अपनाने का आह्वान शामिल होगा।

विदेश मंत्रालय में सचिव आर्थिक संबंध दम्मू रवि ने संवाददाताओं से कहा कि ब्रिक्स नेताओं के घोषणापत्र में आतंकवाद के संबंध में जो बातें कही जाएंगी, वे हमारे लिए संतोषजनक होंगी। प्रधानमंत्री मोदी रियो डी जेनेरियो में छह और सात जुलाई को आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत अगले साल ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता करेगा। मोदी दो से नौ जुलाई तक पांच देशों की यात्रा के तहत ब्राजील पहुंचेंगे। वह जिन अन्य देशों की यात्रा करेंगे, उनमें घाना, त्रिनिदाद, टोबैगो, अर्जेंटीना और नामीबिया शामिल हैं। यात्रा का मकसद महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

कई देशों के साथ हो सकते द्विपक्षीय समझौते

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने कहा कि ब्राजील भारत की आकाश वायु रक्षा प्रणाली के साथ-साथ अपतटीय गश्ती जहाजों को हासिल करने में दिलचस्पी रखता है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी संभावित सहयोग की संभावना तलाश सकते हैं। मोदी की अर्जेंटीना यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यात्रा के पहले चरण के तहत मोदी दो से तीन जुलाई को घाना की यात्रा पर रहेंगे।

चीन ने जापान से सीफूड के आयात पर प्रतिबंध हटाया

बीजिंग। चीन ने सुनामी से नष्ट हुए फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र से थोड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी अपशिष्ट जल छोड़े जाने को लेकर लगभग दो साल के प्रतिबंध के बाद जापान से सीफूड के आयात पर प्रतिबंध हटा लिया है।

सीमा शुल्क एजेंसी की ओर से जारी एक नोटिस में कहा गया है कि जापान के अधिकतर हिस्सों से आयात फिर शुरू हो जाएगा। अगस्त 2023 में लगाया गया प्रतिबंध जापान के मत्स्य उद्योग के लिए बड़ा झटका था। जापानी सीफूड के लिए सबसे बड़ा विदेशी बाजार चीन का है। फुकुशिमा स्थित परमाणु संयंत्र 2011 में भीषण सुनामी से क्षतिग्रस्त हो गया था। कई वर्षों बहस के बाद परमाणु ऊर्जा संयंत्र कंपनी को सरकार से यह अनुमति मिल गई कि वह इस अपशिष्ट जल को समुद्र में धीरे-धीरे छोड़े।

आजादी के संघर्ष की यादें

बीरभूम जिले के बोलपुर के बाहरी इलाके में संथाल विद्रोह की याद में आयोजित हुल दिवस समारोह के दौरान प्रदर्शन करते आदिवासी। हूल दिवस ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों को श्रद्धांजलि देने का दिन है जो 30 जून 1855 को शुरू हुआ था एजेंसी

सीपीसी सदस्यता 10 करोड़ के पार

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सदस्यों की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। सीपीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 1921 में स्थापित सीपीसी के 2024 के अंत तक 10.027 करोड़ से अधिक सदस्य थे, जो 2023 से लगभग 10.9 लाख अधिक है।

मालवाहक जहाज में लगी आग, नौसेना ने अपना पोत भेजा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने द्वीपीय देश पलाऊ के ध्वज वाले एक जहाज के इंजन कक्ष में भीषण आग लगने के बाद मदद के लिए अपने स्टील्थ फ्रिगेट पोत को तैनात किया है। पलाऊ के इस संकटग्रस्त जहाज में भारतीय मूल के चालक दल के 14 सदस्य सवार थे। यह जहाज गुजरात के कांडला से ओमान के शिनास जा रहा था। नौसेना के अनुसार, स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर ने एमटी यी चेंग 6 की सहायता के लिए आए संदेश पर कार्रवाई की।

भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने में वक्त लगेगा: चीन

बीजिंग, एजेंसी

- भारत के साथ बात जारी रखने और शांति की इच्छा जताई

चीन ने सोमवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगेगा लेकिन इसके साथ ही उसने सरहदों के निर्धारण पर चर्चा करने तथा हालात शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 26 जून को चिंगदाओ में चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ बैठक में प्रस्ताव दिया था कि भारत और चीन को सीमाओं पर तनाव कम करने तथा सरहदों के निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के कदम उठाकर जटिल मुद्दों को सुलझाना चाहिए। सिंह और दोंग ने चिंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें एलएसी पर शांति व स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिंह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, चीन और भारत ने सीमा से जुड़े विषय पर विशेष प्रतिनिधि तंत्र की स्थापना की है तथा चीन-भारत सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए राजनीतिक मापदंडों एवं मार्गदर्शक सिद्धांतों पर सहमति बनाई है।

निंग ने कहा, चीन भारत के साथ सीमा के निर्धारण और प्रबंधन सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा सीमा पार आदान-प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। सकारात्मक पक्ष यह है कि दोनों देशों ने पहले ही गहन संवाद के लिए विभिन्न स्तर पर तंत्र स्थापित कर लिए हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों का गाइड पकड़ा गया

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूंछ और राजौरी जिलों की सीमा पर नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान गिरफ्तार एक पाकिस्तानी नागरिक की पहचान आतंकवादियों के गाइड के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, मोहम्मद आरिफ जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादियों के एक समूह का नेतृत्व करते हुए भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था, जब रविवार दोपहर को सेना के जवानों ने उसे पकड़ लिया। उसके साथ मौजूद आतंकवादी एक खड़ी चट्टान से कूद गए और घायल अवस्था में पाकिस्तानी सीमा में लौट गए। आरिफ पीओके के दातोटे गांव का निवासी है और उसे सेना के 'ऐस ऑफ स्पेड्स' डिवीजन के तहत गंभीर इलाके में स्थित हजूरा चौकी के पास से गिरफ्तार किया गया।

यादों की टीस

यूनियन कार्बाइड कारखाने का सारा 337 टन कचरा हुआ खाक

40 साल बाद खत्म हुआ भोपाल गैस त्रासदी का काला अध्याय

- सन् 1984 में हुआ था हादसा पांच मई को शुरू हुई थी कचरे को भस्म करने की प्रक्रिया

इंदौर, एजेंसी

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश पर पीथमपुर के एक अपशिष्ट निपटान संयंत्र में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने का बचा 307 टन कचरा खाक हो गया है। इसके साथ ही, भोपाल गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदार कारखाने का कुल 337 टन कचरा भस्म हो गया है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि धार जिले के संयंत्र में तीन परीक्षणों के दौरान यूनियन कार्बाइड कारखाने का 30 टन कचरा पहले ही जलाया जा चुका है। पीथमपुर में एक निजी कंपनी द्वारा संचालित अपशिष्ट निपटान संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने के बचे 307 टन कचरे को भस्म किए जाने की प्रक्रिया पांच मई को देर शाम सात बजकर 45 मिनट के आस-पास शुरू हुई थी जो रविवार (29 जून) और सोमवार (30 जून) की दरमियानी रात 01:00 बजे समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के 27 मार्च को जारी निर्देश के मुताबिक यूनियन कार्बाइड के बचे कचरे को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों की निगरानी में पीथमपुर के संयंत्र में 270 किलोग्राम प्रति घंटे की अधिकतम दर से जलाया गया।

द्विवेदी ने बताया कि इस कचरे को भस्म किए जाने के दौरान पीथमपुर के संयंत्र से अलग-अलग गैसों और कणों के उत्सर्जन की एक ऑनलाइन तंत्र द्वारा वास्तविक समय में निगरानी की गई। उन्होंने दावा किया, इस संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने का कचरा जलाए जाने के दौरान तमाम उत्सर्जन मानक सीमा के भीतर पाए गए। कचरा भस्म किए जाने के दौरान आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर किसी विपरीत असर के बारे में हमारे पास कोई सूचना नहीं है। द्विवेदी के मुताबिक, यूनियन कार्बाइड कारखाने का कुल 337 टन कचरा जलने के बाद निकली राख और अन्य अवशेषों को बोरों में सुरक्षित तरीके से भरकर संयंत्र के 'लीक-प्रूफ स्टोरेज शेड' में रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन अवशेषों को जमीन में दफनाने के लिए तय वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत विशेष सुविधा (लैंडफिल सेल) का निर्माण कराया जा रहा है और यह काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

हादसे में मारे गए थे करीब साढ़े पांच हजार लोग

भोपाल में दो और तीन दिसंबर 1984 की दरमियानी रात यूनियन कार्बाइड कारखाने से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था। इससे कम से कम 5,479 लोग मारे गए थे और हजारों लोग अपंग हो गए थे। इसे दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में गिना जाता है। वर्ष 2006 में सरकार के एक शपथ पत्र में माना गया था कि करीब 558,125 सीधे तौर पर प्रभावित हुए, आंशिक तौर पर प्रभावित होने वालों की संख्या लगभग 38,478 थी। 3900 पूरी तरह अपंगता के शिकार हो गए। 1993 में भोपाल-अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को इस त्रासदी के पर्यावरण और मानव समुदाय पर होने वाले दीर्घकालिक प्रभावों को जानने का काम सौंपा गया था।